@Qpatrika @qaumipatrika hindi instagram.com/qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
बुधवार, 26 अगस्त 2026

VISIT: www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 19 अंक 292 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

पटना में छात्रों पर लाठीचार्ज

●सरकारी भर्तियों की मांग को लेकर पटना में छात्रों का उग्र प्रदर्शन

दौड़ाकर पीटाः पथराव में कई पुलिसकर्मी घायल, वाटर कैनन चली

एजेंसी

पटना। बीपीएससी टीआरई-4-4 में पीटी-मेन, नेगेटिव मार्किंग हटाने और 100फीसदी डोमिसाइल की मांग को लेकर पटना के गर्दनीबाग में छात्रों का आंदोलन जारी है। मंगलवार को ऑल बिहार स्टूडेंट यूनियन (ABS) के छात्र सीएम हाउस का घेराव करने निकले।

छात्रों को रोकने के लिए जेपी गोलंबर पर पुलिस के साथ-साथ CRPF जवानों को भी तैनात किया गया, लेकिन छात्र बैरिकेडिंग तोड़ते हुए डाकबंगला पहुंच गए। इस दौरान छात्रों की CRPF जवानों के साथ धक्का-मुक्की हुई। प्रदर्शन के दौरान एक छात्र का सिर फट गया, जबकि एक छात्रा बेहोश हो गई। पुलिस ने छात्रों को रोकने के लिए वाटर

कैनन का इस्तेमाल किया। पानी की बौछार के बीच प्रदर्शन कर रहे छात्र शैंपू लगाकर नहाते भी दिखे। कुछ छात्रों ने पुलिस की ओर पत्थरबाजी भी की, जिसमें टाउन DSP कामाख्या नारायण सिंह घायल हो गए। कई पुलिसकर्मियों को भी चोट लगी है। हालात बिगड़ता देख पुलिस ने लाठीचार्ज कर दिया। कुछ छात्रों को दौड़ा-दौड़ाकर पीटा गया। पुलिस ने कुछ छात्रों को हिरासत में भी लिया है। छात्रों के प्रदर्शन के बीच बख्तरबंद गाड़ी भी बुलाई गई। इस गाड़ी का इस्तेमाल आमतौर पर नक्सल प्रभावित इलाकों में किया जाता है। पटना के गर्दनीबाग में छात्र 18 अगस्त से धरने पर बैठे हैं।

'हाथी चले बाजार..कुत्ते भौंके हजार', बयान पर बीपीएससी ने माफी मांगी

पटना में प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान राजेश कुमार सिंह से गर्दनीबाग में छात्रों के प्रदर्शन को लेकर कहा था कि 'एक कहावत आपने सुना होगा, हाथी चले बाजार तो कुत्ते भौंके हजार।' उनके इस बयान के बाद प्रदर्शन कर रहे छात्र भड़क गए। एक बार कॉकरोच बोला गया था, तो प्रधान जी चले गए। अब सचिव की नौकरी जाएगी। विवाद बढ़ने के बाद बीपीएससी एग्जाम कंट्रोलर ने वीडियो जारी कर माफी मांग ली है। वहीं मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने बीपीएससी के एग्जाम कंट्रोलर राजेश कुमार सिंह को सस्पेंड करने के निर्देश दिए हैं।

विद्यार्थियों की समस्याओं का 30 दिनों में होगा समाधान

हर माह लगेगा 'विद्यार्थी सहयोग शिविर' : सम्राट चौधरी

पटना(एजेंसी)बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने मंगलवार को बिहार कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, बिदुपुर में 'सात निश्चय-3' के तहत 'सबका सम्मान, जीवन आसान' अभियान के अंतर्गत 'विद्यार्थी सहयोग शिविर' का शुभारंभ किया। इस पहल का उद्देश्य शिक्षण संस्थानों में अध्ययनरत विद्यार्थियों की समस्याओं, शिकायतों और सुझावों का प्रभावी एवं समयबद्ध समाधान सुनिश्चित करना है। सरकार ने शिकायतों का अधिकतम 30 दिनों में अंतिम निराकरण सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि विद्यार्थियों की समस्याओं का समाधान सरकार की प्राथमिकता है। 'विद्यार्थी सहयोग शिविर' के माध्यम से छात्र-छात्राओं को अपनी समस्याएं सीधे संबंधित अधिकारियों के समक्ष रखने का अवसर मिलेगा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि विद्यार्थियों को शिकायतों के समाधान के लिए अनावश्यक रूप से कार्यालयों के चक्कर नहीं

लगाने पड़ें और निर्धारित समय-सीमा में उनकी समस्याओं का समाधान हो। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रत्येक माह के चौथे मंगलवार को बिहार के शिक्षण संस्थानों में 'विद्यार्थी सहयोग शिविर' आयोजित किया जाएगा। इसमें शैक्षणिक व्यवस्था, परीक्षा, छात्रावास, पेयजल, शौचालय, कैंटीन सहित विद्यार्थियों से जुड़ी अन्य समस्याओं और सुविधाओं से संबंधित शिकायतों एवं सुझावों की सुनवाई होगी। विद्यार्थियों की सुविधा के लिए 'विद्यार्थी सहयोग पोर्टल' और हेल्पलाइन नंबर 1100 के माध्यम से ऑनलाइन शिकायत एवं सुझाव दर्ज कराने की व्यवस्था की गई है। विद्यार्थी अपनी शिकायत की स्थिति की जानकारी भी ऑनलाइन प्राप्त कर सकेंगे।

मणिपुर में सेना का एक्शन, 21 हथियार व युद्धक सामग्री के साथ चार गिरफ्तार

नई दिल्ली । भारतीय सेना ने बड़ी कार्रवाई करते हुए मणिपुर में घातक हथियार बरामद किए हैं। सुरक्षा बलों ने 4 एंटी नेशनल एलिमेंट को खतरनाक हथियारों के साथ गिरफ्तार किया। गिरफ्तार किए गए लोगों में पीएलए का एक सक्रिय कैडर भी शामिल है। यह कार्रवाई सेना की स्पीयर कोर के अंतर्गत विभिन्न सुरक्षा बलों के साथ समन्वय में की गई। सेना की स्पीयर कोर के मुताबिक करीब एक सप्ताह तक यह ऑपरेशन जारी रहा। इस ऑपरेशन के बीच राज्य के कई जिलों में व्यापक गुप्त सूचना-आधारित संयुक्त अभियान चलाए। इन अभियानों के दौरान सुरक्षा बलों को महत्वपूर्ण सफलता मिली। सेना व अन्य एजेंसियों के संयुक्त अभियान मणिपुर के तेंगनौपाल, चुराचांदपुर, थोउबल और काकचिंग जिलों में चलाए गए।

भारत सजा रहा है शिखर सम्मेलन का मंच, 12-13 सितंबर को बड़ा संदेश देने की तैयारी

नई दिल्ली। एनएसए अजीत डोभाल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का संदेश लेकर चीन में हैं। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने रूसी राष्ट्रपति पुतिन को प्रधानमंत्री मोदी का संदेश दे दिया है। दोनों नेता ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए भारत आ रहे हैं। ऐसी सूचना है कि बड़ा प्रतिनिधिमंडल आ सकता है। ताकि भारत और चीन के बीच में द्विपक्षीय वार्ता के बाद समझौता/ सहमति के आधार पर भरोसे की बुनियाद मजबूत की जा सके। रूस के साथ रक्षा, अंतरिक्ष, विज्ञान के अलावा अन्य क्षेत्रों में द्विपक्षीय व्यापार बढ़ाने की जरूरत महसूस की

जा रही है। इसी तरह से ईरान में भारत की चाबहार बंदरगाह को लेकर उम्मीदें हैं। ब्रिक्स शिखर सम्मेलन 2026 के जरिए भारत बड़ा संदेश देने की तैयारी कर रहा है। पूर्व विदेश सचिव शशांक को भी ब्रिक्स 2026 से कुछ सकारात्मक नतीजा निकलने की उम्मीद दिखाई दे रही है। उससे पहले शंघाई सहयोग शिखर सम्मेलन होगा। शशांक को लग रहा है इसकी रूपरेखा एससीओ से भी मिल सकती है। दरअसल 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन की अध्यक्षता भारत कर रहा है। ब्रिक्स के 11 सक्रिय सदस्य देश हैं। इस सम्मेलन में ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन के भी आने की उम्मीद है। इस सम्मेलन में करीब 20 देशों के राष्ट्राध्यक्ष/उनके प्रतिनिधियों के हिस्सा लेने की संभावना है। भारत इस दौरान रूस के साथ-साथ रणनीतिक स्वायत्तता को ध्यान में रखकर चीन से संबंधों का 'फ्लेवर' देना चाहता है। इसका मुख्य उद्देश्य आर्थिक स्थिरता को ध्यान में रखकर आपूर्ति श्रृंखला को मजबूत रखना है। माना जा रहा है कि सितंबर के पहले सप्ताह तक प्रधानमंत्री के साथ शिखर नेताओं की प्रस्तावित शिखर वार्ता का प्रारुप अंतिम रूप ले लेगा और उसके बाद तस्वीर साफ होने लगेगी। ब्रिक्स शिखर सम्मेलन 2026 दिल्ली स्थित भारत मंडमपम में होना है। इसमें भाग लेने के लिए शी जिनपिंग सात साल बाद भारत आएंगे। इससे पहले 11-12 अक्तूबर 2019 को जिनपिंग भारत आए थे। पिछले साल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सात साल बाद 4-5 दिसंबर को चीन की यात्रा की थी। शी जिनपिंग के साथ एक

ब्रिक्स के सदस्य देशों में ब्राजील, दक्षिण अफ्रीका, संयुक्त अरब अमीरात, सऊदी अरब, इंडोनेशिया, इथियोपिया, मिस्र भी हैं। इसके अलावा बेलारूस, बोल्विया, क्यूबा, कजाकिस्तान, मलयेशिया, नाइजीरिया, थाईलैंड, युगांडा, उज्बेकिस्तान, विएतनाम ब्रिक्स के साझीदार देश हैं। इस तरह से ब्रिक्स दुनिया की 40 प्रतिशत से अधिक आबादी का प्रतिनिधत्व करता है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी वैश्विक मंच से तकनीकी आर्थिक लचीलापन बढ़ाने की वकालत करते हैं। नवाचार को प्रोत्साहन देना, विकासशील देशों (ग्लोबल साउथ) के हित को संरक्षित रखना भारत अपना मूल दायित्व समझता है। माना जा रहा है कि बदलती वैश्विक परिस्थिति में ब्रिक्स 2026 का फोरम संतुलित बहुध्रुवीय दुनिया की अवधारणा को भी काफी मजबूती देगा। पहले भारत और रूस आपसी सहयोग, सामंजस्य और भरोसा बढ़ाने के लिए वार्षिक शिखर सम्मेलन करते थे। बाद में भारत-रूस और चीन के बीच में त्रिपक्षीय फोरम आरआईसी बना। 16 जून 2009 को रूस में पहले ब्रिक्स शिखर सम्मेलन का आयोजन हुआ। इसमें ब्राजील और दक्षिण अफ्रीका शामिल हुए। अब इसका दायरा 11 सक्रिय सदस्य देशों तक पहुंच चुका है। ब्रिक्स की जीडीपी अब जी-7 देशों के समूह की जीडीपी से आगे निकल चुकी है।

संतान देखभाल न करें तो संपत्ति से बेदखल कर सकेंगे बुजुर्गः सीएम योगी

लखनऊ। योगी कैबिनेट ने वरिष्ठ नागरिकों के सम्मानजनक जीवन और उनके अधिकारों की रक्षा के लिए भी बड़ा कदम उठाया है। वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने बताया कि मंत्रिमंडल ने 'उत्तर प्रदेश माता-पिता और वरिष्ठ नागरिकों का भरण-पोषण तथा कल्याण नियमावली-2014' में संशोधन करते हुए

नियम 22 में 22क, 22ख और 22ग जोड़ने का निर्णय लिया है। नए प्रावधानों के तहत मां-बाप अपने बच्चों को संपत्ति से बेदखल कर सकेंगे। इसके लिए बेदखली की प्रक्रिया भी निर्धारित की गई है। यदि किसी भी वरिष्ठ नागरिक की संतान या उनके अन्य आश्रित रिश्तेदार उनका भरण-पोषण नहीं कर रहे हैं अथवा उनके साथ किसी तरह का दुर्व्यवहार कर रहे हैं तो पीडि़त बुजुर्ग उन्हें अपनी संपत्ति से बेदखल कर सकेंगे। वित्त मंत्री ने बताया कि बुजुर्गों को इस व्यवस्था का लाभ आसानी से मिल सके, इसके लिए बेदखली की प्रक्रिया को स्पष्ट और समयबद्ध बनाया गया है। साथ ही, जल्द ही सरकार एक टोल नंबर भी जारी करेगी ताकि यदि कोई वरिष्ठ नागरिक स्वयं जाकर शिकायत करने में सक्षम न हो, तो उसे आवश्यक सहायता उपलब्ध कराई जा सके। नए प्रावधानों के अनुसार ऐसे मामलों में जिला मजिस्ट्रेट के पास शिकायत की जा सकेगी और उन्हें इस प्रकार के सभी मामलों की मासिक रिपोर्ट सरकार को देनी होगी। शिकायतों की सुनवाई 30 दिन के अंदर की जाएगी, ताकि बुजुर्गों को न्याय के लिए लंबे समय तक इंतजार न करना पड़े। सरकार द्वारा किए गए इस बदलाव का उद्देश्य वरिष्ठ नागरिकों को सम्मानजनक जीवन उपलब्ध कराने के साथ-साथ उनके अधिकारों की रक्षा करना और उनके साथ होने वाले अत्याचार एवं दुर्व्यवहार में कमी लाना है। साथ ही, यह व्यवस्था परिवार के सदस्यों को अपने वृद्ध माता-पिता की देखभाल और उनके सम्मान के प्रति प्रेरित करेगी।

शोपियां में 3 संदिग्ध आतंकी गिरफ्तार, 2 हैंड ग्रेनेड बरामद

श्रीनगर,(एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर में आतंकियों और उनके सहयोगियों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत सुरक्षाबलों को बड़ी सफलता मिली है। शोपियां जिले में सोमवार रात की गई चेकिंग के दौरान सुरक्षाबलों ने तीन संदिग्ध आतंकियों को गिरफ्तार किया। उनके कब्जे से दो हैंड ग्रेनेड और प्रतिबंधित आतंकी संगठन हिजबुल मुजाहिदीन के पांच पोस्टर भी बरामद किए गए हैं। पुलिस ने बरामद सामग्री को कब्जे में लेकर मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस के मुताबिक, गिरफ्तार आरोपियों की पहचान कुलगाम निवासी जुनैद अहमद डार, आमिर यूसुफ और जुनैद मुजफ्फर के रूप में हुई है। सुरक्षाबलों ने नियमित जांच के दौरान संदिग्ध गतिविधियों के आधार पर तीनों को रोका और तलाशी ली। इस दौरान उनके पास से हैंड ग्रेनेड और आतंकी संगठन से जुड़े पोस्टर बरामद हुए। जांच एजेंसियां अब यह पता लगाने में जुटी हैं कि तीनों का आतंकी नेटवर्क से किस तरह का संबंध था और बरामद सामग्री उन्हें कहां से मिली।

महिला भिखारी के घर में मिली नोटों और सिक्कों से भरी 23 बोरियां

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक के मांड्या में एक बुजुर्ग महिला भिखारी की मौत के बाद उसकी झोपड़ी में नोटों और सिक्कों से भरी बोरियां मिली हैं, जिन्हें देखकर सभी हैरान रह गए। करीब 70 साल की नूरुन्निसा मांड्या के गुट्टालू लेआउट इलाके में एक छोटी सी झोपड़ी में अकेली रहती थीं। वह शहर के लोगों से मिलने वाली भीख से अपना जीवनयापन करती थीं। रविवार को उनका निधन हो गया। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक उनके निधन के बाद बेंगलुरु में रहने वाले उसके दो भाई अंतिम संस्कार करने यहां पहुंचे। रस्म पूरी होने के बाद उसके भाई पड़ोसियों के साथ उसके घर पहुंचे और उसका सामान देखा। उन्हें प्लास्टिक की बोरियों में 10-20 और 50 रुपए के नोटों की गड्डियां और बोरियों में सिक्के मिले। बाद में मिली हुई रकम को दोनों भाइयों के बीच बांट दिया गया। महिला के छोटे से घर में प्लास्टिक और बोरी के 30 से ज्यादा नोटो से भरे थैले और सिक्कों से भरी बोरिया मिलीं। जब स्थानीय लोगों और रिश्तेदारों ने कैश की गिनती की, तो कुल रकम 8.40 लाख रुपए से अधिक निकली। जीवनभर बेसहारा और तंगहाली में रहने वाली महिला ने इतने सालों में गुप्त रूप से यह बड़ी रकम जमा कर रखी थी। इस घटना का वीडियो भी सोशल मीडिया पर खूब वायरल हुआ, जिसमें लोग फर्श पर नोटों के ढेर और सिक्कों की गिनती करते हुए दिखाई दे रहे हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि नूरजहां बहुत सादा जीवन जीती थीं और कोई नहीं जानता था कि उन्होंने भीख में मिले पैसों को खर्च करने के बजाय इस तरह थैलों में छिपाकर बचा रखा था। फिलहाल यह रकम उनके रिश्तेदारों को सौंप दी गई है।

अरुणाचल में बाल तस्करी का भंडाफोड़, 19 बच्चे बचाए गए, तीन दलाल गिरफ्तार

नामसाई (एजेंसी)। अरुणाचल प्रदेश में बाल तस्करी के बड़े गिरोह के खिलाफ कार्रवाई कर पुलिस ने 19 बच्चों को बचाया और मामले में तीन संदिग्ध बिचौलियों को गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई नामसाई जिले की बाल कल्याण समिति (सीडब्ल्यूसी) की शिकायत के बाद की गई, इस पर 17 अगस्त को नामसाई थाने में मामला दर्ज हुआ था। पुलिस के अनुसार, बच्चों को शि-योमी, वेस्ट सियांग, ईस्ट सियांग, नाहरलागुन, ईटानगर और लोंगडिंग सहित राज्य के विभिन्न हिस्सों से बरामद किया गया। मामले की संवेदनशीलता और कई जिलों से जुड़ाव को देखकर इसकी जांच के लिए विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों से उनके बच्चों को बेहतर शिक्षा और देखभाल उपलब्ध कराने के झूठे वादे कर संपर्क किया गया था। इसके बाद इन नाबालिगों को दूसरे स्थानों पर ले जाकर कथित तौर पर घरेलू काम या होटलों में काम कराया जाता था। नामसाई के पुलिस अधीक्षक सांगे थिनले ने बताया कि बचाए गए बच्चों में अधिकतर आठ वर्ष से कम उम्र के हैं, जिसमें सबसे छोटा बच्चा करीब तीन वर्ष का है। पुलिस ने कुछ बिचौलियों और माता-पिता के बीच प्रति बच्चे 10,000 रुपये से 50,000 रुपये तक के संदिग्ध वित्तीय लेनदेन का भी पता लगाया है। बच्चों के बयान मजिस्ट्रेट के सामने दर्ज किए गए हैं। एसआईटी अब वित्तीय लेनदेन, डिजिटल साक्ष्यों और कॉल रिकॉर्ड का गहन विश्लेषण कर रही है ताकि इस पूरे गिरोह से जुड़े अन्य लोगों की पहचान की जा सके और उन्हें कानून के कटघरे में लाया जा सके।

पुरी मंदिर में नया दर्शन मॉडल : हर घंटे 8,000 श्रद्धालु कर सकते दर्शन

पुरी (एजेंसी)। श्रीजगन्नाथ मंदिर में श्रद्धालुओं की सुविधा और भीड़ प्रबंधन को बेहतर बनाने के लिए अगले तीन से चार महीनों के भीतर नई कतार-आधारित दर्शन व्यवस्था लागू होगी। ओडिशा के कानून मंत्री पृथ्वीराज हरिचंदन ने इसकी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस प्रस्तावित व्यवस्था पर चर्चा के लिए भुवनेश्वर स्थित लोक सेवा भवन में उच्चस्तरीय बैठक आयोजित की गई, जिसकी अध्यक्षता उन्होंने स्वयं की। बैठक में पुरी के पुलिस अधीक्षक (एसपी) सहित कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

राहुल के निशाने पर सिर्फ हिंदू महिलाएं क्यों, अल्पसंख्यक क्यों नहीं

केंद्रीय मंत्री रिजिजू का सवाल- समाज सुधार के नाम पर चुनिंदा रवैया क्यों?

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के 'पितृसत्ता तोड़ो' बयान को लेकर कांग्रेस पर निशाना साधा है। रिजिजू ने सवाल उठाया कि सामाजिक सुधार और महिलाओं के अधिकारों की बात करते समय कांग्रेस और राहुल गांधी का फोकस हिंदू परंपराओं पर ही क्यों रहता है। उन्होंने पूछा कि अल्पसंख्यक समुदायों की महिलाओं की स्थिति और उनके अधिकारों को लेकर कांग्रेस क्यों नहीं बोलती।

केंद्रीय मंत्री रिजिजू ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कांग्रेस के सामाजिक सुधार के दृष्टिकोण को चुनिंदा बताया। उन्होंने कहा कि यदि कांग्रेस वास्तव में महिलाओं के अधिकारों और समानता के लिए खड़ी है, तो उसे किसी एक समुदाय तक सीमित रहने के बजाय हर समुदाय की महिलाओं के मुद्दों पर आवाज उठानी चाहिए। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि महिलाओं के अधिकारों और सम्मान का मुद्दा किसी धर्म या समुदाय तक सीमित नहीं है। उनका तर्क था कि समाज में मौजूद असमानताओं को दूर करने की कोशिश सभी वर्गों और समुदायों की महिलाओं के लिए समान रूप से होनी चाहिए। उन्होंने कांग्रेस से सवाल किया कि यदि सामाजिक रूढ़ियों और पितृसत्ता के खिलाफ लड़ाई की बात की जा रही है, तो अल्पसंख्यक समुदायों की महिलाओं की समस्याओं को भी उसी गंभीरता से क्यों नहीं उठाया जाता।

बेटियों को कमतर आंककर समाज को न बांटें

केंद्रीय मंत्री रिजिजू ने कहा कि महिलाओं को लेकर राजनीतिक बहस ऐसी नहीं होनी चाहिए, जिससे समाज में किसी समुदाय के प्रति अलग नजरिया पैदा हो। उन्होंने अपील की कि बेटियों को कमतर आंककर समाज को बांटने की कोशिश नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कांग्रेस के सामाजिक सुधार के दावों पर सवाल उठाते हुए कहा कि महिलाओं के सशक्तिकरण की वास्तविक लड़ाई तभी सार्थक होगी, जब इसमें धर्म, समुदाय और वर्ग के आधार पर कोई भेदभाव न हो। रिजिजू के बयान को राहुल गांधी और कांग्रेस की सामाजिक नीतियों पर भाजपा की राजनीतिक प्रतिक्रिया के तौर पर देखा जा रहा है।

सुप्रीम कोर्ट के समाधान में 1712 मामलों का हुआ समाधान

नई दिल्ली (एजेंसी)। उच्चतम न्यायालय का समाधान कार्यक्रम, जो एक विशेष लोक अदालत और मध्यस्थता पहल है, बेहद सफल रहा है। 21 से 23 अगस्त तक चले इस तीन दिवसीय आयोजन में कुल 1,712 लंबित मामलों का निपटारा किया गया। पक्षकारों की आपसी सहमति और समझौते के परिणामस्वरूप समाप्त हुए इन मामलों में 240.94 करोड़ रुपये की राशि वितरित की गई, जो इस कार्यक्रम की व्यापक सफलता को दर्शाती है। इस समाधान कार्यक्रम की शुरुआत इसी साल 21 अप्रैल को हुई थी, जिसका मुख्य उद्देश्य लंबे समय से चले आ रहे विवादों को न्यायालय की लंबी और जटिल प्रक्रिया के बजाय मध्यस्थता और आपसी सहमति से सुलझाना था। इस विशेष लोक अदालत में मामलों को लाने से पहले, पक्षकारों और उनके वकीलों के साथ गहन बातचीत के माध्यम से समझौते की कोशिशें की गई थीं, ताकि त्वरित और प्रभावी समाधान सुनिश्चित किया जा सके। तीन दिवसीय इस कार्यक्रम में कुल 3,285 मामले सूचीबद्ध किए गए, जिनमें से पहले दिन 402, दूसरे दिन 350, और तीसरे दिन 912 मामलों का समाधान किया गया। इस प्रकार, लोक अदालत के माध्यम से कुल 1,664 मामले सुलझे, जबकि 48 मामलों का निपटारा मध्यस्थता के जरिए हुआ, जिससे कुल 1,712 विवादों का समाधान संभव हो सका। लोक अदालत की पीठों की अध्यक्षता भारत के मुख्य न्यायाधीश, उच्चतम न्यायालय के वरिष्ठ न्यायाधीशों और वरिष्ठ वकीलों ने की। इनमें मुख्य रूप से वैवाहिक विवाद, संपत्ति विवाद, सड़क हादसों से जुड़े मुआवजे के मामले, जमीन अधिग्रहण और मुआवजा, कर, सेवा और श्रम संबंधी मामले शामिल थे। इस संस्थागत पहल को सफल बनाने के लिए न्यायाधीशों ने शनिवार और रविवार को भी काम किया। इस पहल से न केवल लोगों के पैसे और समय की बचत हुई, बल्कि न्यायालय का बहुमूल्य समय भी उन मामलों के लिए बचाया जा सका जिनकी सुनवाई अनिवार्य है।

कंगना और अभिजीत के बीच अंग्रेजी पर छिड़ी जंग

नई दिल्ली, एजेंसी। अपने बेबाक बयानों के लिए अक्सर सुर्खियों में रहने वाली अभिनेत्री और अब सांसद कंगना रनौत ने एक बार फिर एक नए विवाद को जन्म दिया है। इस बार उन्होंने कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के संस्थापक अभिजीत दीपके के साथ अपनी अंग्रेजी बोलने की शैली की तुलना की है, जिससे सोशल मीडिया पर चर्चा तेज हो गई है। कंगना ने एक सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर अपनी एक स्टोरी साझा की, जिसमें उन्होंने दीपके के अंग्रेजी में दिए गए एक बयान की रील के साथ अपना कुछ साल पुराना अंग्रेजी का भाषण भी दिखाया। उनके पुराने भाषण में कंगना फिल्म उद्योग में एक महिला कलाकार के रूप में अपनी छवि पर बात करती नजर आती हैं। साझा की गई रील में उन्होंने लिखा, 12वीं पास कंगना रनौत बनाम बोस्टन यूनिवर्सिटी के सीजेपी के दीपके का अंग्रेजी स्तर। एक शानदार है तो वहीं दूसरे को रीबूट की जरूरत है। यह गौरतलब है कि कंगना पहले भी अपनी अंग्रेजी को लेकर फिल्म उद्योग में संघर्ष कर चुकी हैं, जहां उन्हें अपनी भाषा के लिए उपहास का सामना करना पड़ा था, जिसके बाद उन्होंने बाहरी लोगों का इस आधार पर मजाक न बनाने की सीख पर जोर दिया था। सीजेपी नेता दीपके ने इस तुलना के बाद अपनी एक सोशल मीडिया स्टोरी में एक प्रशंसक के सवाल का जवाब दिया। उनसे पूछ गया था कि वह अंग्रेजी बोलते समय क्यों झिझकते हैं, जिस पर अभिजीत ने कहा कि कैमरे के सामने उन्हें अक्सर संकोच होता है। इसके अगले दिन, उन्होंने सभी राज्यों के शिक्षा मंत्रियों को पत्र लिखकर सरकारी स्कूलों के बुनियादी ढांचे, शिक्षकों की रिक्तियों और धन से संबंधित डेटा की मांग की। यह पहली बार नहीं है जब सांसद कंगना का सीजेपी नेताओं के साथ सार्वजनिक विवाद हुआ है।

चोर दरवाजे से जारी है आरक्षण खत्म करने की साजिश

कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे ने कहा- सरकार साजिशन सरकारी पदों को खाली रख रही

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने केंद्र सरकार पर अनुसूचित जाति (एससी), अनुसूचित जनजाति (एसटी), अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) और आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ईडब्ल्यूएस) के आरक्षण को खत्म करने की साजिश रचने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि सरकार सरकारी पदों को खाली रखकर और स्थायी नौकरियों की जगह कॉन्ट्रैक्ट पर भर्ती को बढ़ावा देकर आरक्षण के संवैधानिक अधिकारों को कमजोर कर रही है। खड़गे ने कहा कि भाजपा की नीति का पर्दाफाश हो चुका है और यह संविधान निर्माता डॉ. भीमराव आंबेडकर द्वारा दिए गए सामाजिक न्याय के अधिकारों के खिलाफ है।

कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए दावा किया, कि केंद्र सरकार में खाली पदों की संख्या लगातार बढ़ी है। उनके मुताबिक, वर्ष 2015 में केंद्र सरकार में करीब 4.21 लाख पद खाली थे, जो 2024 तक बढ़कर 8.24 लाख हो गए। उन्होंने कहा कि बड़ी संख्या में पद खाली रहने का सीधा असर उन वर्गों पर पड़ता है, जिन्हें सरकारी नौकरियों में आरक्षण का लाभ मिलता है। कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे ने विभागवार आंकड़ों का हवाला देते हुए कहा कि रेलवे में करीब 2.40 लाख, रक्षा विभाग में 2.41 लाख और गृह मंत्रालय में 1.10 लाख पद खाली हैं। उन्होंने सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों (पीएसयू) में स्थायी रोजगार घटने और कॉन्ट्रैक्ट कर्मचारियों की संख्या बढ़ने का भी आरोप लगाया।

पीएसयू में 5 लाख से ज्यादा स्थायी नौकरियां खत्म

खड़गे के अनुसार, पीएसयू में करीब 5.1 लाख स्थायी नौकरियां खत्म हुई हैं, जबकि कॉन्ट्रैक्ट पर काम करने वाले कर्मचारियों की हिस्सेदारी 19 प्रतिशत से बढ़कर 49 प्रतिशत हो गई है। उन्होंने कहा कि स्थायी पदों पर आरक्षण का प्रावधान लागू होता है, लेकिन कॉन्ट्रैक्ट आधारित रोजगार बढ़ने से आरक्षण का दायरा स्वाभाविक रूप से सीमित होता जाता है।

मामला सिर्फ रोजगार का नहीं

कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे ने कहा कि यह मुद्दा केवल रोजगार उपलब्ध कराने का नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय से जुड़ा है। उन्होंने तर्क दिया कि यदि सरकारी पद खाली रखे जाएंगे तो आरक्षित वर्गों के लिए उपलब्ध अवसर भी कम होते जाएंगे। इसी तरह, पीएसयू के निजीकरण से आरक्षित सरकारी नौकरियों की संख्या घट सकती है और स्थायी पदों को कॉन्ट्रैक्ट में बदलने से आरक्षण का लाभ प्रभावित होगा। कांग्रेस अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि आरक्षण खत्म करने के लिए संविधान में सीधे संशोधन की जरूरत नहीं है। उनके मुताबिक, आरक्षण वाले स्थायी पदों को ही कम या खत्म कर देना इसके लिए पर्याप्त है। उन्होंने इसे सामाजिक न्याय और संविधान की मूल भावना के खिलाफ भाजपा का एजेंडा करार दिया।

टीएमसी विधायक ने की वापसी कहा- दीदी ही सब कुछ

कोलकाता, एजेंसी। पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनावों के बाद तृणमूल कांग्रेस के भीतर मची कलह के बीच अब ममता बनर्जी से बागी हुए विधायक वापस पार्टी में लौटने लगे हैं। उत्तर 24 परगना जिले की आमडांगा विधानसभा सीट से तृणमूल कांग्रेस के विधायक कासेम सिद्दीकी ने बागी गुट को छोड़कर पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के खेमे में वापस लौटने की घोषणा की है। पार्टी में घर वापसी के बाद उन्होंने भावनात्मक रूप से कहा है कि दीदी ही सब कुछ हैं। गौरतलब है कि इससे पहले, पार्टी के 50 से अधिक विधायक ममता बनर्जी से बागी होकर विपक्ष के नेता ऋतब्रत बनर्जी की अगुवाई वाले गुट में शामिल हो गए थे, और उन्होंने ममता बनर्जी के खिलाफ मोर्चा खोल दिया था। अब इस मुस्लिम विधायक ने ममता बनर्जी की जमकर प्रशंसा की है।

ममता बनर्जी के प्रति अपनी वफादारी का दावा करते हुए, कासेम सिद्दीकी ने बागी गुट को छोड़ने के पीछे की वजह भी स्पष्ट की। सिद्दीकी ने एक बयान में कहा कि उनके साथ धोखा हुआ था। उन्होंने बताया कि उन्हें यह कहकर दस्तावेजों पर हस्ताक्षर कराए गए थे कि ये हस्ताक्षर दीदी तक पहुंचाए जाएंगे और बागी गुट भी ममता बनर्जी के नेतृत्व में ही काम करेगा। सिद्दीकी ने आगे बताया कि जब वे उस गुट के साथ जुड़े, तो उन्होंने पाया कि उसके कामकाज में तृणमूल कांग्रेस सुप्रीमो का कोई नाम या जिक्र ही नहीं था। उन्होंने भावुक होते हुए कहा, दीदी ही हमारे लिए सब कुछ हैं। उन्होंने ही हमें टिकट दिया और विधानसभा भेजा। हमने उनकी तस्वीर दिखाकर लोगों से वोट मांगे और लोगों ने भी उन्हें देखकर ही हमें चुना। हम जब तक राजनीति में हैं, दीदी के साथ ही रहेंगे।

यह उल्लेखनीय है कि हुगली जिले के फुरफुरा शरीफ दरगाह से संबंध रखने वाले पीरजादा कासेम सिद्दीकी की मुस्लिम समुदाय के बीच काफी मजबूत पकड़ मानी जाती है। वे पिछले साल ही तृणमूल कांग्रेस में शामिल हुए थे। पार्टी ने उन्हें राज्य का महासचिव बनाया था और विधानसभा चुनाव में आमडांगा सीट से टिकट दिया था, जिस पर उन्होंने जीत हासिल की थी। उनकी वापसी पार्टी के लिए एक सकारात्मक संकेत मानी जा रही है। इधर, तृणमूल कांग्रेस में आंतरिक कलह अभी भी जारी है। पार्टी के दोनों गुटों ने 28 अगस्त को मेयो रोड पर गांधी प्रतिमा के पास तृणमूल छात्र परिषद का स्थापना दिवस मनाने की अनुमति के लिए अदालत का दरवाजा खटखटाया है। ममता बनर्जी के नेतृत्व वाले कालीघाट गुट ने हाल ही में कोर्ट में अर्जी दाखिल कर पारंपरिक जगह पर कार्यक्रम आयोजित करने की अनुमति के लिए तत्काल सुनवाई की मांग की। अदालत ने जल्द सुनवाई की याचिका को स्वीकार कर लिया है।

17वीं बार जेल से बाहर आया रेप का दोषी, गुरमीत राम रहीम को 21 दिन की फरलो

रोहतक, एजेंसी। डेरा सच्चा सौदा प्रमुख गुरमीत राम रहीम सिंह एक बार फिर हरियाणा के रोहतक स्थित हाई सिक्योरिटी सुनारिया जेल से 21 दिन की फरलो पर बाहर आ गया है। वर्ष 2020 के बाद से डेरा प्रमुख की यह 17वीं अस्थायी रिहाई है। मंगलवार सुबह करीब 6:05 बजे कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच जेल से बाहर निकलने के बाद वह सिरसा स्थित डेरा मुख्यालय के लिए रवाना हो गया। राम रहीम दो महिला अनुयायियों से बलात्कार और अन्य गंभीर मामलों में सजा काट रहा है। इससे पहले वह 26 जून को 30 दिन की पैरोल पूरी करने के बाद सुनारिया जेल लौटा था। यानी करीब दो महीने से भी कम समय बाद उसे एक बार फिर अस्थायी रिहाई मिली है।

डेरा प्रमुख को अगस्त 2017 में दो महिला अनुयायियों से दुष्कर्म के मामले में दोषी ठहराए जाने के बाद सुनारिया जेल भेजा गया था। इसके बाद उसे अन्य मामलों में भी दोषी ठहराया गया, जिनमें सिरसा के पत्रकार राम चंद्र छत्रपति की हत्या का मामला भी शामिल है। मंगलवार की इस रिहाई के साथ राम रहीम को जेल में रहने के दौरान अब तक 17 बार पैरोल या फरलो मिल चुकी है। गंभीर आपराधिक मामलों में सजा काट रहे राम रहीम को बार-बार अस्थायी रिहाई मिलने को लेकर अक्सर सवाल और सार्वजनिक आलोचनाएं होती रही हैं। इस साल जनवरी में राम रहीम को 40 दिन की पैरोल मिली थी। इसके बाद मई में उसे 30 दिन की पैरोल पर रिहा किया गया था। यह अवधि पूरी होने के बाद वह 26 जून को रोहतक की सुनारिया जेल लौट आया था। अब 21 दिन की फरलो मिलने के बाद राम रहीम एक बार फिर जेल से बाहर है।

राम रहीम की यह अस्थायी रिहाई हरियाणा गुड कंडक्ट प्रिजनर्स (टेम्परेरी रिलीज) एक्ट, 2022 के प्रावधानों के तहत होती है। इस नियम के अनुसार पात्र कैदियों को एक कैलेंडर वर्ष में अधिकतम 70 दिन की पैरोल और 21 दिन की फरलो दिए जाने का प्रावधान है। हालांकि, यह रिहाई पूरी तरह से संबंधित कानूनी शर्तों और सक्षम प्राधिकारी की मंजूरी पर निर्भर करती है। बार-बार मिलने वाली इन रिहाइयों ने न्याय प्रणाली और जेल नियमों के क्रियान्वयन पर कई बार गंभीर सवाल खड़े किए हैं, जिस पर समाज में निरंतर चर्चा होती रहती है।

पिछले 8 सालों में भारत में स्कूलों की संख्या घटी, 11 करोड़ बच्चे हुए बाहर

नई दिल्ली, एजेंसी। कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) ने हाल ही में 'स्कूल ठीक करो' अभियान शुरू किया है। इस अभियान के जरिए ग्रामीण इलाकों के सरकारी स्कूलों में खराब बुनियादी ढांचे, शिक्षकों और सुविधाओं की कमी जैसे मुद्दों को उठाया। अभियान में सरकारी स्कूलों की घटती संख्या, छात्रों के नामांकन में गिरावट और निजी स्कूलों पर बढ़ती निर्भरता को उजागर किया गया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक आंकड़ों से पता चलता है कि पिछले 8 सालों में भारत में स्कूलों की संख्या में कमी आई है। इसी दौरान छात्रों के नामांकन में भी गिरावट आई, हालांकि छात्र-शिक्षक अनुपात में सुधार हुआ है। देश में 2018-19 में स्कूलों की कुल संख्या 15.5 लाख थी, जो 2025-26 में घटकर 14.6 लाख रह गई। छात्रों के नामांकन में भी कमी आई है। छात्रों का नामांकन 2018-19 में 26 करोड़ से घटकर 2025-26 में यह 24.7 करोड़ रह गया है।

वहीं, छात्र-शिक्षक अनुपात 2018-19 में 27 छात्रों पर एक शिक्षक से सुधरकर 2025-26 में 24 छात्रों पर एक शिक्षक हो गया है। यह सुधार मुख्य रूप से छात्रों की संख्या घटने की वजह से हुआ है, न कि शिक्षकों की संख्या बढ़ने के कारण। 2025-26 में करीब 31 फीसदी पात्र बच्चों का स्कूलों में नामांकन नहीं था यानी 3 से 17 साल की आयु के करीब 11.1 करोड़ बच्चे स्कूल शिक्षा से बाहर थे। यह स्थिति पिछले 8 सालों से बनी हुई है। अधिकांश सरकारी स्कूलों में बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध हैं। करीब 99 फीसदी सरकारी स्कूलों में पीने के पानी की सुविधा, 94 फीसदी में बिजली और 96 फीसदी में शौचालय उपलब्ध है। हालांकि, डिजिटल सुविधाओं के मामले में स्थिति अभी कमजोर है। केवल 25 फीसदी स्कूलों में कंप्यूटर, 16 फीसदी में प्रोजेक्टर और 6 फीसदी स्कूलों में डिजिटल लाइब्रेरी हैं। सरकारी स्कूलों की संख्या में आई गिरावट के साथ शिक्षा बजट में भी कमी आई है। कुल केंद्रीय बजट में स्कूली शिक्षा और साक्षरता विभाग की हिस्सेदारी वित्त वर्ष 2010 में 1.9 फीसदी थी, जो घटकर वित्त 2026 में 1.4 फीसदी रह गई है।

जान बचाने के लिए छटपटाती रही शिवानी, तरस न आया

मथुरा। बरेली निवासी 14 वर्षीय शिवानी से महज पांच साल की उम्र में पहले ममता का आंचल छूट गया और अब जिंदगी की डोर भी टूट गई। मां के मानसिक रूप से विक्षिप्त होने के कारण किशोरी को बाल्यावस्था में ही रामपुर के बाल गृह में रहना पड़ा। दस साल के बाद जब वह दो महीने पहले ही वृंदावन के राजकीय बाल गृह में पहुंची थी। यहां परिवार से मिलने के लिए छटपटा रही अलीगढ़ की किशोरी ने अपनी एक अन्य साथी मदद से उसको दर्दनाक मौत दे दी। दोनों ने किशोरी को बेरहमी से पीटा और बाद में बाथरूम में रखी बाल्टी में उसकी सिर डुबोकर हत्या कर दी। पुलिस जांच में सामने आया है कि अलीगढ़ की किशोरी अपने घर से चोरी करके एक लड़के के साथ चली गई थी। इसके बाद परिवार ने उससे रिश्ता तोड़ दिया लेकिन किशोरी परिवार के साथ रहना चाहती थी। वहीं, पीलीभीत की रहने वाली एक अन्य किशोरी भी घर से किसी लड़के के साथ चली गई थी। पुलिस ने जब उसे बरामद किया तो उसने परिवार के साथ जाने को तैयार नहीं हुई थी। इस किशोरी के पिता दिल्ली पुलिस में तैनात थे। उन्होंने कोरोना काल में वीआरएस ले लिया था। पुलिस ने किशोरी को बरामद कर जब परिवार को जानकारी दी तो उन्होंने उससे रिश्ता तोड़ने की बात कही। बरेली की रहने वाली किशोरी 17 जून को वृंदावन के बाल गृह पहुंची थी। वहीं, अलीगढ़ और पीलीभीत की किशोरियां करीब डेढ़ महीने पहले ही यहां आई थीं। अलीगढ़ वाली किशोरी लगातार परिवार से मिलने के लिए छटपटा रही थी। इसी छटपटाहट में उसने बाल गृह को बंद कराने के लिए हत्या की साजिश रची। साजिश में उसने पीलीभीत की किशोरी को भी शामिल कर लिया। शिवानी और अलीगढ़ की किशोरी का बिस्तर बराबर-बराबर में था। उन्होंने पहले किशोरी को बातों में फंसाया और बाथरूम में लेकर पहुंच गईं। यहां पर बेरहमी से मारपीट कर पानी से भरी बाल्टी में उसका सिर डुबा दिया। दोनों के सिर पर खून सवार था। बेबस किशोरी छटपटाती रही लेकिन शरीर के शांत होने पर दोनों ने उसे छोड़ा। हत्या करने के बाद दोनों किशोरियां नीचे परिसर में चल रही काउंसिलिंग में शामिल हो गईं। घटना के बाद जांच को पहुंची पुलिस ने करीब 30 से अधिक बालिकाओं और किशोरियों के बयान दर्ज किए। वहीं आरोपियों किशोरियों से अलग से पूछताछ की गई। पहले तो वह पुलिस को गुमराह कर रही थीं लेकिन पुलिस ने जैसे ही सीसी कैमरे की रिकॉर्डिंग होने की बात कही तो वह रोने लगीं और उन्होंने पुलिस को पूरे घटनाक्रम से अवगत कर दिया। उन्होंने कहा कि यदि शिवानी उनके बहकावे में नहीं आती तो वे किसी और को बहकाकर बाथरूम में ले जातीं और हत्या कर देतीं। इस घटना के समय लड़कियों की काउंसलिंग चल रही थी इसलिए किसी को वारदात का तत्काल पता नहीं चला। पुलिस की जांच में यह बात सामने आई है कि शिवानी और आरोपी किशोरियों के बीच किसी तरह की पुरानी दुश्मनी या विवाद नहीं था। मृत किशोरी आरोपियों को दीदी-दीदी कहकर बुलाती थी और उनके साथ सामान्य व्यवहार करती थी। आरोपी किशोरियां बालिका गृह से बाहर निकलने की योजना बना रही थीं। वे वहां से भागने का रास्ता तलाशती थीं लेकिन सफल नहीं हो पा रही थीं। इसी दौरान कथित तौर पर उनके मन में बालिका गृह को ही बंद कराने का विचार आया और उन्होंने हत्या की योजना बनाकर घटना को अंजाम दिया। बालिका गृह में रहने वाली अन्य किशोरियों के अनुसार, शिवानी पढ़ाई में अच्छी थी। वह सामान्य व्यवहार करती थी और उसके बारे में किसी बड़ी शरारत या विवाद की बात सामने नहीं आई। वह आरोपी किशोरियों को सम्मान के साथ 'दीदी' कहकर बुलाती थी। यही वजह है कि घटना के बाद बालिका गृह में रहने वाली अन्य किशोरियां भी स्तब्ध हैं। जिस किशोरी के साथ आरोपियों का कोई प्रत्यक्ष विवाद नहीं था, उसे ही कथित तौर पर वारदात का शिकार बनाए जाने से घटना की वजह को लेकर कई सवाल खड़े हो गए हैं। अधीक्षिका ने दर्ज कराई प्राथमिकी में बताया कि कमरा नंबर 5 की किशोरियों से पूछताछ करने पर वे लगातार गुमराह करती रहीं हैं, जिससे किसी सोची-समझी साजिश के तहत घटना को अंजाम दिए जाने की आशंका है। इसके अलावा घटना वाले दिन 21 अगस्त की शाम पांच बजे आरोपी किशोरी को कमरा नंबर 5 में लगे सीसीटीवी कैमरों को तोड़ते हुए भी देखा गया। प्रदेश के तीसरे ब? राजकीय बाल गृह बालिका में पिछले 9 माह में तीसरी बार सुर्खियों में आ गया है। 10 से 18 वर्ष तक की 200 बालिकाएं, किशोरियां एकसाथ रहने की क्षमता वाले इस बालगृह से 27 जनवरी 2026 को सुरक्षा में सेंध लगाते हुए रात में पांच किशोरियां छत के रास्ते भाग गईं। 14 से 17 साल की इन लड़कियों के भाग जाने पर प्रशासनिक अमले और पुलिस विभाग में खलबली मच गई थी। सीसीटीवी फुटेज में लड़कियां खुद को कंबल से ढककर कंबल की रस्सी बनाकर छत के रास्ते से उतरकर अपने दोस्त के यहां और घर चली गईं थीं। हालांकि पुलिस ने दूसरे दिन सभी पांच लड़कियों को पकड़ लिया गया। इस मामले में बालगृह की अधीक्षिका ने प्राथमिकी दर्ज कराई थी। घटना के लिए कोई जिम्मेदार सामने नहीं आया और न ही किसी तरह की कार्रवाई प्रशासन एवं पुलिस द्वारा की गई। इस घटना के बाद 4 जून 2026 में राजकीय बालगृह (बालिका) में तलाशी के दौरान 11 मोबाइल फोन और 4 चार्जर बरामद हुए। इस जांच के बाद आक्रोशित बालिकाओं ने बालगृह में हंगामा करते हुए तोड़फोड़ की। इस मामले में भी बाल गृह की अधीक्षिका ने कोतवाली में अज्ञात के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कराई। इस मामले में भी किसी तरह की कार्रवाई नहीं की गई। अब तीसरी घटना किशोरी की हत्या के रूप में सामने आई है। बालगृह बालिका में भले ही सीसीटीवी कैमरे लगे हैं और होमगार्ड एवं सिपाहियों को तैनात किया गया, लेकिन निवासरत बालिकाओं की मॉनीटरिंग एवं समय-समय पर चेकिंग, सुरक्षा एवं निगरानी के इंतजाम नहीं है। वर्तमान में यहां 141 बालिकाएं व किशोरी रह रही हैं। इनमें से 112 बालिकाएं निराश्रित हैं, जबकि शेष पॉक्सो के मामलों में यहां निवासरत हैं। किशोरी की हत्या के मामले में पुलिस की जांच जैसे-जैसे आगे बढ़ रही है, वैसे-वैसे घटना के पीछे की कई वजह सामने आ रही हैं। वारदात को अंजाम देने वाली दोनों किशोरियों का मकसद कथित तौर पर यहां से बाहर निकलना था। इसी इरादे को पूरा करने के लिए उन्होंने हत्या जैसी संगीन वारदात को अंजाम दे डाला। हालांकि अब सबसे बड़ा सवाल यही है कि आखिर दोनों किशोरियों को बाल गृह से जाने की ऐसी जल्दी क्या थी। जांच में सामने आए घटनाक्रम ने पुलिस के साथ-साथ लोगों को भी सोचने पर मजबूर कर दिया है। महज बाहर निकलने के लिए हत्या जैसे अपराध का रास्ता चुनना सामान्य बात नहीं है। ऐसे में पुलिस इस बात की पड़ताल कर रही है कि क्या दोनों किशोरियों पर किसी तरह का दबाव था या फिर उनके मन में यहां से निकलने की कोई ऐसी वजह थी, जिसे उन्होंने अब तक किसी के सामने जाहिर नहीं किया। बाहर निकलने की कथित चाहत ने दोनों किशोरियों को ऐसे कदम तक पहुंचा दिया, जिसकी शायद उन्होंने कल्पना भी नहीं की होगी। किशोरी की हत्या के बाद अब जांच का केंद्र केवल वारदात तक सीमित नहीं है। पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि दोनों किशोरियों के बीच किस तरह की बातचीत हुई, हत्या से पहले और बाद में उनकी गतिविधियां क्या रहीं और बाहर निकलने की उनकी योजना क्या थी।

'सबूतों की कमी और कमजोर विवेचना', देह व्यापार मामले में 23 साल बाद फैसला

कानपुर। कानपुर में देह व्यापार में पकड़ी गईं दो महिला समेत सात लोगों को गुरुवार को अपर जिला जज 15 मुकेश कुमार सिंह ने सबूतों के अभाव में दोषमुक्त करार दे दिया। 23 साल पहले पुलिस ने बड़े सैक्स रैकेट का भंडाफोड़ करने का दावा करते हुए 11 महिलाओं व सात पुरुषों को जेल भेजा था। इनमें से एक आरोपी पिछले साल बरी हो चुका है। नेत्री व उसके बेटे समेत तीन आरोपियों की मुकदमे की सुनवाई के दौरान मौत हो चुकी है, जबकि सात महिला आरोपियों की फाइल अलग चल रही है। फजलगंज स्थित अंसल अपार्टमेंट में रहने वाली महिला के फ्लैट में देह व्यापार का धंधा चलने की मुखबिर की सूचना पर बाबूपुरवा सीओ शैलेश कुमार यादव ने 28 नवंबर 2003 को छापा मारकर पांच महिलाओं व दो पुरुषों को गिरफ्तार किया था। इनमें बर्रा झुग्गी झोपड़ी निवासी दो महिलाएं, उन्नाव की शांतिनगर निवासी महिला, दिल्ली की डीडीए कॉलोनी निवासी महिला, काकादेव मॉडल टाउन और कन्नौज के तिर्वा निवासी दो पुरुष शामिल थे। पुलिस की पूछताछ के दौरान एक महिला ने बताया था कि बर्रा-4 स्थित एक राजनीतिक दल की नेत्री के घर पर भी देह व्यापार का धंधा चलता है जहां वह जाती है। इसके बाद पुलिस ने नेत्री के घर पर छापा मारकर छह महिलाओं व पांच पुरुषों को पकड़ा था। इनमें नेत्री, उसके दो बेटों, उसके लखीमपुर खीरी निवासी कार चालक के अलावा किदवईनगर व बाबूपुरवा के अजीतगंज निवासी दो पुरुष शामिल थे। साथ ही, कल्याणपुर के शारदानगर, चकेरी के अहिरवां और नई दिल्ली की तीन महिलाएं भी शामिल थीं। सभी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर चार्जशीट कोर्ट भेजी गई थी। मुकदमे में अभियोजन की ओर से सात गवाह कोर्ट में पेश किए गए लेकिन आरोपियों के खिलाफ कोई ठोस सबूत या गवाह पेश नहीं किया जा सका। विवेचना में कई खामियां मिलीं जिनका लाभ अभियुक्तों को मिला और कोर्ट ने सात आरोपियों सरोजनीनगर के अंसल अपार्टमेंट और काकादेव निवासी महिला के अलावा नेत्री के एक बेटे व कार चालक और कन्नौज के तिर्वा, आनंदपुरी और ट्रांसपोर्ट नगर निवासी तीन पुरुषों को दोषमुक्त करार दे दिया। छापे के दौरान पकड़ी गई दिल्ली की एक महिला ने पुलिस को दिए बयान में कई बड़े खुलासे किए थे। उसने अपने बयान में शहर में पूर्व में तैनात रहे एक एसपी, एक चर्चित इंस्पेक्टर और उसके वकील भाई का नाम भी लिया था। कहा था कि यह लोग उसे कानूनी संरक्षण देते हैं। हालांकि इसकी मुकदमे की सुनवाई के दौरान ही मौत हो चुकी है।

सरकारी स्कूल की बदहाली का वीडियो बनाना पड़ा भारी

मेरठ। विकास खंड सरूरपुर के गांव कालंद के सरकारी स्कूल की बदहाल व्यवस्थाओं का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल करने पर दो युवकों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की गई है। इन युवकों ने स्कूल के पेयजल स्थल, शौचालय, कक्षाओं और परिसर के पिछले हिस्से की स्थिति दिखाई थी। 15 अगस्त को बनाए गए वीडियो में युवक स्कूल की व्यवस्थाओं पर सवाल उठाते हुए नजर आ रहे रहे हैं। करीब एक मिनट 20 सेकेंड के वीडियो में दो युवक दिखाई दे रहे हैं। पेयजल स्थल और शौचालयों की स्थिति दिखाने के साथ कक्षाओं में गंदगी और जाले होने की बात बताते हैं। स्कूल के पिछले हिस्से को दिखाते हुए वहां झाड़ियां और उनमें सांप होने की बात कहते हैं। पुलिस के अनुसार, वीडियो में दिखाई दे रहा स्कूल सरधना थाना क्षेत्र के कालंद गांव का उच्च प्राथमिक विद्यालय है। ये विद्यालय करीब 30 वर्ष पुराना है और इसमें करीब 104 विद्यार्थी अध्ययनरत हैं। पुलिस ने वीडियो में दिखाई दे रहे युवकों में से एक की पहचान सरधना निवासी अधिवक्ता संयम पांचाल के रूप में की और उन्हें सरधना थाने बुला लिया। पुलिस ने संयम से पूछता की। उन्होंने बताया कि यह वीडियो उन्होंने अपने साथी के साथ मिलकर बनाया। वीडियो बनाने का मकसद बच्चों को बेहतर शिक्षा व्यवस्था दिलाना है। उनका अपना कोई निजी हित इसमें नहीं है। संयम पांचाल ने बताया कि वीडियो उसके पिता जितेंद्र पांचाल के फेसबुक अकाउंट से अपलोड की है। इसके बाद अन्य लोगों ने इसे शेयर कर दिया, जिससे ये वायरल हो गई। सीओ अशुतोष कुमार का कहना है कि शिक्षा विभाग की तहरीर पर आरोपी युवकों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। मामले की जांच की जा रही है। जांच के बाद उचित कार्रवाई की जाएगी।

25 दिन से अंधेरे में गांव, घरों में घुस रहे सांप-बिच्छू, दहशत में कट रहीं रातें

कासगंज। कासगंज में बाढ़ प्रभावित आठ गांवों के लोग एक माह से बेहाल हैं। पानी घरों के बाहर तक भरा है। इसमें सांप-बिच्छू तैरते नजर आते हैं। बिजली नहीं होने के कारण रातें दहशत में कट रही हैं। फसलें बर्बाद हो चुकी हैं और शहर से संपर्क भी कटा हुआ है। बच्चे स्कूल नहीं जा पा रहे हैं। 25 दिन से बिजली कटी हुई है। मोबाइल रिचार्ज करने के लिए आसपास के गांवों में पहुंच रहे हैं। पटियाली के मूंझखेड़ा, नगला दुर्जन, नगला दिपी, नगला जयकिशन, नगला खना, हंसी नगला, राजेपुर कुर्रा, नगला चतुरी, नगला जैली, नगला नरपत में बाढ़ का पानी भरा होने के कारण विद्युत निगम ने बिजली आपूर्ति बंद कर दी है। कई घरों में पानी घुस गया है। वहीं, शहवाजपुर, मुजफ्फरनगर में खेतों में जलभराव है। बारिश होने पर पानी से बचने का ठिकाना मिलना मुश्किल हो जाता है। बिजली बंद होने से मोबाइल चार्ज कराने के लिए भी उन्हें पैसे और समय खर्च करना पड़ रहा है। गंगा में जलस्तर बढ़ने के बाद सिंचाई विभाग के अधीक्षण अभियंता जितेंद्र कुमार अग्रवाल ने बाढ़ प्रभावित इलाकों व संवेदनशील इलाकों का भ्रमण किया। उन्होंने त्वरित बचाव के इंतजाम और सुरक्षा कार्यों के संबंध में स्थानीय अधिकारियों को निर्देश दिए। गंगा के जलस्तर में पिछले 24 घंटों में 7 सेंटीमीटर की वृद्धि हुई है जबकि बैराजों का प्रवाह स्थिर बना हुआ है। नरौरा बैराज से बृहस्पतिवार को प्रवाह बढ़ा था, जिसका असर रात तक हुआ। विद्युत उपखंड अधिकारी राकेश सिंह ने बताया कि बाढ़ प्रभावित गांवों में विद्युत पोल के आसपास पानी भरा होने से करंट फैलने और हादसे की आशंका बनी हुई है। इसी को देखते हुए विद्युत निगम ने कई गांवों की आपूर्ति बंद कर रखी है। जहां पानी सूख चुका है, वहां बिजली बहाल की जा रही है, जबकि बाकी गांवों में पानी कम होने का इंतजार है। गंगा के बढ़े हुए जलस्तर के कारण गंगाघाटों पर गंगास्नान के लिए पहुंचने वाले श्रद्धालुओं व कांवड़ भरने पहुंचने वाले कांवड़ियों को भी मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। शनिवार और रविवार को बड़ी संख्या में कांवड़िए कांवड़ भरने पहुंचेंगे।

युवक ने दुष्कर्म कर वीडियो बनाया, बुजुर्ग से 10 लाख रुपये में किया महिला का सौदा

बरेली। बरेली के सीबीगंज इलाके की एक महिला से पहले स्थानीय युवक ने दुष्कर्म किया और उसका वीडियो बना लिया। इसके बाद वीडियो बनाकर वायरल करने की धमकी देकर उसे 70 साल के बुजुर्ग को 10 लाख रुपये में बेच दिया। उत्तराखंड के रुद्रपुर में उसे बंधक बनाकर यौन उत्पीड़न किया गया। जैसे-तैसे छूटकर सीबीगंज थाने आई महिला ने तहरीर दी। इस पर पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। एक गांव में किराये के मकान में रहने वाली महिला ने थाना प्रभारी को बताया कि वह गांव में एक युवक के यहां चौका बर्तन करती थी। चार माह पहले उस युवक ने महिला के साथ दुष्कर्म किया। आरोपी ने उसका अश्लील वीडियो भी बना लिया। इसके बाद वीडियो वायरल करने की धमकी देकर उसे रुद्रपुर निवासी 70 वर्षीय व्यक्ति को 10 लाख रुपये में बेच दिया। रुद्रपुर में उसे एक कमरे में बंद कर दिया गया। उसका मोबाइल फोन, जेवर, अंगूठी और रुपये छीन लिए गए ताकि वह भाग न सके। तमंचा दिखाकर धमकाया जाता था, उसके साथ आए दिन कुछ लोग दुष्कर्म करते थे। विरोध करने पर उसे जान से मारने की धमकी दी जाती और पीटा जाता था। पीड़िता किसी तरह वहां से भाग निकली और सीबीगंज पहुंची। अब आरोपी उसे ढूंढ़ रहे हैं और अश्लील वीडियो वायरल करने की धमकी दे रहे हैं। शुक्रवार शाम पीड़िता ने सीबीगंज थाने आकर तहरीर दी। एसपी सिटी मानुष पारीक ने बताया कि आरोपों की गंभीरता देखते हुए जांच शुरू कर दी है। पुलिस सच्चाई का पता लगाकर आरोपियों पर कार्रवाई करेगी।

NAME CHANGE

I, LATA ARYA, D/O DASHRATH MISHRA, R/O H NO- 192/15, Samrat Bakery, Old Railway Road, Nai Basti, Gurgaon-122001 have changed my name to LATA ARYA VASISHTH

NAME CHANGE

I, Nipun S/O Joginder Singh Punia 149, Makrouli Khurd (75), PO: Makrauli Kalan Dist Rohtak Haryana -124001 Have Changed My Name To Nipun Punia For All The Future Purposes.

NAME CHANGE

I Joginder Singh S/O Ram Parkash 149, Makrouli Khurd (75), PO: Makrauli Kalan Dist Rohtak Haryana -124001 Have Changed My Name To Joginder Singh Punia For All The Future Purposes....

PUBLIC NOTICE

Information is given to general public at large that our client by Mr. Zaid Malik S/o Mr. Harun Malik is the owner of Freehold Residential Property No. 24, area measuring 175 Sq. Yds., out of Khasra No. 11/6 & 9/1, situated in the Revenue Estate of Village Nangloi Jat, Delhi State Delhi and the Abadi Known as Kavita Colony, Nangloi, Delhi 110041. by virtue of Notarized GPA, Notarized ATS & Will dated 04.03.2016 now our client is declaring that that any other person does not have any right over the said property, and Built-up Third Floor, sold to be Mr. Bilal Ali and same has been financed by SMFG India Home Finance Company Limited Branch: Noida Uttar Pradesh. If any person(s) have any objection(s) or claim(s) with respect to the` right, title or interest in the Said Property then contact us within 07 days from the date of Publication of this notice and or the same to the undersigned if found by anyone. Thereafter no claim shall be entertained

[NAVEEN KUMAR VERMA]
Advocate
F-211, Sector-3,
Vaishali, Ghaziabad,
Uttar Pradesh-201010
(Contact at 09958871432)

PUBLIC NOTICE

NOTICE is hereby given to public at large that my client **Tukaram Narayan Khandade** is purchasing the First Floor, without roof right, Front Middle Side/Northern Portion, Khasra No. 126, Property No. A-119, Near Aggarwal Shop, Delhi, Village Khirki, Colony Panchsheel Vihar, Malviya Nagar, New Delhi, South Delhi, Delhi – 110017 from Mr. Kamran Baig who is the owner of the property vide GPA, Agreement to Sale & WILL dated 23/05/2024 and Intend to mortgage the said property with Aditya **Birla Housing Finance Limited.** If any person(s) has/have any objection(s) or claim(s) with respect to the right, title or interest in the said property may please contact us within 07 days from the date of this notice on the number & address mentioned herein below, failing which my client(s) shall not be held responsible in any manner whatsoever.

Khaitan & Khaitan
Plot No. 100 ,1st floor
Okhla Phase III, New Delhi
Ph. No: 011-49774545

NAME CHANGE

I, REKHA W/O PANKAJ R/O AB-55, SECOND FLOOR MAINWALI NAGAR JWALA PURI DELHI 110087, CHANGED MY NAME TO REKHA ARORA.

NAME CHANGE

I Dipti D/o Hushan Prakash Kaushal, R/o Bhanwardah, Bhanwardah, PO, Kurda, Dist. Bametara, Chhattisgarh - 491335 have changed my name to Dipti Kaushal for all future purposes.

NAME CHANGE

I, SUFIYA SAJID D/o SHAMA SAJID R/o H NO-2323, GALI MEER MADARI, ROD GRAN, DELHI-110006 have changed my name to SUFIA SAJID for all future purposes.

NAME CHANGE

I MOHAMMAD HUZAIF S/0 MOHD SHAFI R/0 D-82 RAJDHANI PARK NANGLOI DELHI CHANGED MY NAME TO MOHD HUZAIF

NAME CHANGE

I PREETI SHARMA W/0 MANISH KUMAR R/0 25 HIMGIRI APARTMENT J-BLOCK OUTER RING ROAD NEW DELHI CHANGED MY NAME TO PRITI SHARMA

सार्वजनिक सूचना

आम जनता को सूचित किया जाता है कि (i) श्रीमती संगीता (पत्नी श्री रवींद्र) और (ii) श्रीमती मंजू (पत्नी श्री विनोद) उस रिहायशी मकान की मालकिन हैं जो पश्चिम मुखी हे और जिस पर छत बनी हुई है। यह मकान प्लॉट नंबर 16-C (क्षेत्रफल 50 वर्ग गज, यानी 41.8 वर्ग मीटर, यानी 450 वर्ग फुट) पर बना है, जो खसरा नंबर 243 का हिस्सा है। यह संपत्ति गांव छपरौला, बाबा दी भट्टी रेस्टॉरंट और पुलिस चौकी छपरौला के पास, परगना और तहसील दादरी, जिला गोतम बुद्ध नगर, .क्र-201009 में स्थित है। वे इसकी मालकिन श्रीमती मीना (पत्नी श्री गोपाल) द्वारा 05.11.2020 को निष्पादित सेल डीड (बिक्री विलेख) के आधार पर हैं। संपत्ति की चेन में, स्वर्गीय श्री राज कुमार की पत्नी श्रीमती शकुंतला द्वारा श्री प्रताप सिंह राठौर (पुत्र श्री मोती सिंह राठौर) के पक्ष में 07.09.2007 को निष्पादित मूल सेल डीड (जो दस्तावेज़ संख्या 16558 के रूप में विधिवत पंजीकृत थी) खो गई है और इसके लिए 24.08.2026 को ×.क्र नंबर 20260000873401 के तहत ऑनलाइन ×दर्ज कराई गई है। इस संपत्ति के लिए ×× हाउसिंग फाइनेंस प्राइवेट लिमिटेड से फाइनेंस लिया गया है। आम जनता को सूचित किया जाता है कि यदि किसी का उक्त संपत्ति पर कोई अधिकार/हित/स्वामित्व है या कोई विवाद है, तो कृपया नीचे दिए गए पते पर 07 दिनों के भीतर लिखित रूप में सूचित करें।.

Rahul Raj Pathak Advocate,
B-01, Plot no. 20,
Koushambhi near HDFC Bank, U.P.
E-MAIL: legal.rahulraj@gmail.com.
Ph: 8130309204

NAME CHANGE

I SONIA GUPTA WO AJAY GUPTA R/O 97 A SOUTH ANARKALI EXTENSION KRISHNA NAGAR DELHI - 110051 have changed my minor name GARGI TO GARGI GUPTA Permanently for all future

NAME CHANGE

I, DHIRAJ KUMAR S/O DARSHAN KUMAR R/O B-244,JANTA COLONY, VIHAR, TEGORE GARDEN, WEST DELHI,DELHI-110027,HAVE CHANGED MY NAME TO DHEERAJ KUMAR FOR ALL FUTURE PURPOSES

NAME CHANGE

I, PINKI W/O DHEERAJ KUMAR R/O B-244,JANTA COLONY, SHIVAJI VIHAR, TEGORE GARDEN, WEST DELHI,DELHI-110027,HAVE CHANGED MY NAME TO PEETAM KAUR FOR ALL FUTURE PURPOSES

NAME CHANGE

I SONIA W/O AJAY GUPTA R/O 97 A SOUTH ANARKALI EXTENSION KRISHNA NAGAR DELHI 110051 have changed my name to SONIA GUPTA Permanently for all future

NAME CHANGE

I RAJESH KAPOOR S/O TAK CHAND R/O PLOT NO 105 A, OM VIHAR PHASE- 3 UTTAM NAGAR DELHI -110059 have changed my to RAJESH KUMAR Permanently for all future

NAME CHANGE

I NAMADEV legally father of Army no - JC461726M, Rank - SUB, Name - JADHAV NILESH NAMDEV, Presently Residing At - ANAWALE, Post - YAWATESHWAR, Teh - SATARA, Dist - SATARA, State - MAHARASHTRA, Pin - 415002 have changed my name from NAMADEV to NAMDEV SHANKAR JADHAV for all future purposes, in my son's service records my date of birth wrongly mentioned as 12/07/1959 instead of my correct date of birth as 02/06/1960 vide affidavit dated 25/08/2026 before Notary Public, Delhi

NAME CHANGE

I ANUSAYA legally mother of Army no - JC461726M, Rank - SUB, Name - JADHAV NILESH NAMDEV, Presently Residing At - ANAWALE, Post - YAWATESHWAR, Teh - SATARA, Dist - SATARA, State - MAHARASHTRA, Pin - 415002 have changed my name from ANUSAYA to ANUSAYA NAMDEV JADHAV for all future purposes, in my son's service records my date of birth wrongly mentioned as 12/07/1962 instead of my correct date of birth as 01/01/1961 vide affidavit dated 25/08/2026 before Notary Public, Delhi

NAME CHANGE

I MANISHA legally wife of Army no -2806143k, Rank - CHM, Name - Rakh Ashok Bhausaheb, Presently Residing At-savargaon (sone), Post -Bensur
Teh - Patoda, Dist-Beed
State- Maharashtra
Pin -414204 have changed my name from MANISHA to RAKH MANISHA ASHOK for all future purposes, in my husband service records my date of birth wrongly mentioned as 15/05/1987 instead of my correct date of birth as 17/05/1987 vide affidavit dated 25/08/2026 before Notary Public, Delhi

NAME CHANGE

I,HEMA DEVI R/O FLAT PVT NO-B-17 T/F, PLOT NO-34 PARK VIEW APARTMENT, KH NO-1151/2, WARD NO-1, DELHI-110030. HAVE CHANGED MY NAME TO HEMA GUSAI.

NAME CHANGE

It is for general information that I, SHIVOM MISHRA S/O RAM LAKHAN MISHRA R/O H.NO-E-1/565, GALI NO-18, 4th PUSTA, SONIA VIHAR, NORTH EAST DELHI110094 declare that name of mine and my father has been wrongly written as SHIVOM and RAM LAKHAN in my driving Licence NO. DL05 20100074501 and SHIVOEM PATHAK and RAM LAKHAN PATHAK in my 10th class marksheet and certificate and SHIV OM PATHAK and RAM-LAKHAN PATHAK in my 12th class certificate. The actual name of mine and my father are SHIVOM MISHRA and RAM LAKHAN MISHRA respectively which may be amended accordingly.

NAME CHANGE

I, SHAFAAT AHMED S/O MOHAMMAD SWALEHABAD R/O FLAT NO F-253, JALVAYU VIHAR, SECTOR-30, GURGAON, HARYANA-122001,HAVE CHANGED MY NAME TO SHAFAAT AHMAD FOR ALL FUTURE PURPOSES

NAME CHANGE

I, AQIL AHMED S/o LAL MOHD, resident of H NO-E-1186B, STREET NO-18/2, NEHRU VIHAR, MUSTAFABAD, DELHI-110094 do hereby solemnly declare that my minor daughter ZAIRA date of birth as 11/02/2010 wrongly written in her 10TH CLASS CERTIFICATE but my daughter actual correct date of birth as 11/07/2010 mentioned in her BIRTH CERTIFICATE NO-MCDOLIR-0110-004402166 and her AADHAR CARD NO-685931637690 my daughter correct date of birth is 11/07/2010 and this should be considered correct in future.

NAME CHANGE

I, AJIT SINGH S/O OM PRAKASH R/O Flat No. UGF 3 Plot No. 10/11, Khasra Number 743, Kaali Mandir, Mayakunj Avantika, Ghaziabad, PO: New Raj Nagar, DIST: Ghaziabad, Uttar Pradesh-201002 have changed the name of my minor son ABHI CHAUHAN aged 10 years and he shall hereafter be known as ABHIRAJ CHAUHAN.

NAME CHANGE

I, hitherto Known as DARIYAV SHARMA S/O INDRAJ SWAROOP SHARMA R/O H No-A/303, Gali No.16 Near Anamika Public School, Harsh Vihar-2, Sahibabad, Ghaziabad, Uttar Pradesh-201005 have changed my name and shall hereafter be known as DARIYAV.

PUBLIC NOTICE

GENERAL PUBLIC IS HEREBY INFORMED THAT MR. SUNIL KUMAR IS OWNER AND IN POSSESSION OF "PLOT BEARING NO. 22 AREA 100 SQ. YARDS OUT OF TOTAL LAND AREA MEASURING 1.3980 HECTARE OUT OF KHASRA NO. 15, SITUATED IN VILLAGE DASNA, PARGANA DASNA, TEHSIL & DISTRICT GHAZIABAD, U.P.-201013" AND ACQUIRED THE SAID PROPERTY AFTER THE DEATH OF MR. JAI PRAKASH, BASIS THE REGD. WILL DT. 31.08.2018 EXECUTED BY MR. JAI PRAKASH IN FAVOUR OF MR. SUNIL KUMAR IN RESPECT OF THE ½ SHARE OF THE PLOT OF LAND AREA MEASURING 1.3980 HECTARE OUT OF KHASRA NO. 15 AND OTHER PROPERTIES. (DOC. NO. 964). NOW MR. NIKIT TEOTIA IS GOING TO PURCHASE THE SAID PROPERTY, FROM OWNER / SELLER MR. SUNIL KUMAR, WHICH WILL BE MORTGAGED WITH PNB HOUSING FINANCE LIMITED AS SECURITY AGAINST HOUSING LOAN FOR PURCHASING OF SAID PROPERTY. PLEASE CONTACT WITH WRITTEN OBJECTION LETTER AND RELEVANT DOCUMENTS TO UNDERSIGNED IF ANYONE HAS AN OBJECTION IN RESPECT OF SAID PROPERTY WITHIN 07 DAYS OF THIS PUBLICATION.

ADITYA VERMA, ADVOCATE
E-16, E-BLOCK, MANSAROVAR PARK, SHAHDARA, DELHI-110032.
MOBILE NO. 9999042521.

NAME CHANGE

I, Isheta Srivastava D/O Sandeep Srivastava, 89, State Bank Nagar Paschim Vihar, PO: Paschim Vihar Dist: West Delhi Pin 110063 Have Changed My Name To Ishita Srivastava for all the future purposes

NAME CHANGE

I, Pawan Bhatia S/O Lahori Mal Bhatia, B-604 Kedar Apartments Plot no. 15 Opp. DDA Sports Complex, Sector-9 Rohini PO: Rohini Sector-9 Dist North West Delhi Pin 110085, Have Changed My Name To Pawan Kumar Bhatia For All The Future Purposes....

NAME CHANGE

I, MONARAMA BEHERA Mother of NO-14684811F Rank-NK Name-MANAS RANJAN BEHERA presently residing at-VILL-ARJUNBARIA, PO-BHIMDA, TEHIL-BADASAHI, DIST-MAYURBHANJ, ODISHA-757083, have changed my name from MONARAMA BEHERA to MANORAMA BEHERA for all future purposes vide Affidavit dated 25/08/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, BRIJESH KASHYAP S/O RAGHUNANDAN SINGH R/O R.Z.D-18 Dwarika Puri Near Main Shiv Market, Vijay Enclave, Dabri, PO-Palam Village, Dist-South West Delhi, Delhi-110045 have changed the name of minor son AMAN KASHYAP aged 16 years and he shall hereafter be known as JAY KASHYAP.

NAME CHANGE

I SHAGUFTA W/O MOHD ZAHID R/o H NO-601, GALI NO-26, JAFRABAD, GARHI MENDU, DELHI 110053. have changed my name to SHAGUFTA HASHMI For all purposes.

NAME CHANGE

I, VIJAYALAKSHMI MAZHAVARAYANUR SUNDARARAJULU W/o Rajenderan Chandrasekar R/o 178, Pocket-L, DDA Flats, Near G.D Goenka School, Sarita Vihar, Delhi-110076, have changed my name to M S VIJAYALAKSHMI permanently.

NAME CHANGE

I, Neha Sharma W/o Nitin Sharma R/o C-1/581, Street No.22, Near Lal Mandir, Harsh Vihar, North East Delhi-110093, have changed my name to Sheela for all future purposes.

NAME CHANGE

I, JAI PRAKASH S/O SH. JIT RAM R/O 17/B, ADITYA ENCLAVE, NEAR SYNDICATE BANK, SECTOR-23 A, DWARKA, DHULSIRAS, SOUTH WEST DELHI, DELHI-110077, have changed my name from JAI PRAKASH to JAI PRAKASH TEHLAN for all purposes.

NAME CHANGE

I RAVINDER KUMAR S/O RAM BHAROSE GUPTA R/o 189/H-37 WARD NO-2, MEHRAULI, SOUTH DELHI, DELHI-110030. have changed my name to RAVINDRA GUPTA For all purposes.

NAME CHANGE

I, Umesh Choudhary S/O Ranjeet Singh, C-7/A, Gali no. 5, Majlis Park, Adarsh Nagar, delhi Pin :110033 Have Changed My Name To Umesh Kumar For All The Future Purposes...

NAME CHANGE

I, Sarmishta Choudhary W/O Umesh Kumar, C-7/A, Gali No. 5, Majlis Park Adarsh Nagar, Delhi Pin:110033 Have Changed My Name To Sarmistha For All The Future Purposes....

NAME CHANGE

I, Anash, S/O Abdul Kadir, R/O H NO- 545/8, Nehru Enclave, Near Vijaypal wali Gali, Alipur, North West Delhi- 110036 have changed my name to Md Anash

NAME CHANGE

I, hitherto known as Farida Begum D/o. Khaleel AHmed, W/o. Tehseen Ahmed, R/o. H. No. 2448, Chota Rang Mahal, Tilak Bazar, Khari Baoli, Delhi - 110006 have changed my name and shall hereafter be known as Farida Jalal.

NAME CHANGE

I, hitherto known as Rabia Khan D/o. Islam Khan, W/o. Shahnawaz, R/o. H. No. 8/315, Lalita Park, Laxmi Nagar, Delhi -110092 have changed my name and shall hereafter be known as Rabiya

NAME CHANGE

I ANISH KUMAR S/O SHIVJI PRASAD R/O HOUSE NO-F-1386 GALI NO-1 BHARAT COLONY KHERI ROAD KHERI KALAN FARIDABAD HARYANA 121002 ANISH KUSHWAHA

NAME CHANGE

I, FATIMA GAZI, D/o RUSTAM SHEIKH and MANORA BEGUM, R/O H. NO. I - 80, JAITPUR EXTENSION PART-2, JAITPUR, SOUTH EAST DELHI– 110044, HEREBY DECLARE THAT THE NAME OF MY PARENTS HAVE BEEN CHANGED:
Father's Name:RUSTAM ALI
Mother's Name:
MUNAWARA BEGUM

NAME CHANGE

I, FATIMA W/O SHAHBUDDIN AND D/o RUSTAM ALI and MUNAWARA BEGUM, R/O H. NO. I - 80, JAITPUR EXTENSION PART-2, JAITPUR, SOUTH EAST DELHI– 110044 HEREBY DECLARE THAT THE NAME OF MINE & HUSBAND HAVE BEEN CHANGED:
MY CORRECT NAME:
FATIMA GAZI
HUSBAND NAME:
MOHAMMAD SHAHBUDDIN GAZI

NAME CHANGE

I, SHAHNAZ D/o FATIMA and SHAHBUDDIN, R/O H. NO. I - 80, JAITPUR EXTENSION PART-2, JAITPUR, SOUTH EAST DELHI–110044 HEREBY DECLARE THAT THE NAME OF MINE & PARENTS NAME HAVE BEEN CHANGED:
MY CORRECT NAME:
SHAHNAZ GAZI
FATHER NAME:
MOHAMMAD SHAHBUDDIN GAZI
MOTHER NAME: FATIMA GAZI

PUBLIC NOTICE

Information is hereby given to the general public that our client Mr. Ashraf Ali S/o Mohd. Alamgir is the owner and in possession of a Freehold Residential Built-up Entire Ground Floor without roof rights, area measuring 102 Sq. Mtrs., Built-on Portion of Property bearing No. 109, old. No. 8365, Situated at Model Basti, Near Filmistan, P.S. Sadar Bazar, Delhi-110006., Our client acquired the said property by virtue of a Sale Deed dated 19.08.2025 as Doc. No. 2025/19/I/10727, in Book No. 1, Vol. No. 12649 on pages No. 161 to 180 on dated 19.08.2025, SR-I-Kashmiri Gate., in the chain documents below mentioned documents not available i.e. Original Sale Deed dated 25.04.2008 executed by Mrs. Asha Jain W/o Mr. Parveen Kumar Jain in favour of Ms. Hevza Homa (12 Yr's Minor) D/o Mr. Hasinuddin Through her natural guardian & mother Mrs. Sajeeda Begum W/o Mr. Hasinuddin duly Regd. as Doc. No. 2852, in Book No. 1, Vol. No. 2532 on pages No. 115 to 123 on dated 25.04.2008, SR-I, New Delhi/Delhi., Therefore, our client hereby declares that except him, no other person has any right, title, interest, claim or objection in respect of the above-mentioned property., and same property sold too bee Mr. Imran and the said property is presently financed/ mortgaged with Piramal Finance Ltd., Branch: Sector-16 Noida Uttar Pradesh. If any person(s) have any objection(s) or claim(s) with respect to the` right, title or interest in the Said Property then contact us within 07 days from the date of Publication of this notice and or the same to the undersigned if found by anyone. Thereafter no claim shall be entertained

[NAVEEN KUMAR VERMA]
Advocate
F-211, Sector-3,
Vaishali, Ghaziabad,
Uttar Pradesh-201010
(Contact at 09958871432)

कौमी पत्रिका

संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।

Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002
फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300

E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in

R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472

Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

हिसार में अपराध पर लगाम व नशा तस्करों पर शिकंजा कसने के निर्देश

एजेंसी

हिसार। अपराध नियंत्रण में ढिलाई और लंबित मामलों के निपटारे में देरी पर एसपी सिद्धांत जैन ने अधिकारियों को स्पष्ट चेतावनी देते हुए पुलिसिंगमें तेजी और जवाबदेही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। पुलिस अधीक्षक ने को अपने कार्यालय में मंथली अचीवमेंट रिव्यू मीटिंग में जिले की कानून-व्यवस्था, अपराध नियंत्रण, नशा तस्करी के खिलाफ कार्रवाई और लंबित मामलों व शिकायतों की स्थिति की समीक्षा की। बैठक में सभी थाना प्रभारी, जीओ, चौकी प्रभारी, नशा मुक्ति टीम, शिकायत शाखा, पीआईटी सेल समेत संबंधित पुलिस अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे। एसपी ने थाना और शाखावार कार्यों व उपलब्धियों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों से अपराध रोकने के लिए किए जा रहे प्रयासों का फीडबैक लिया। एसपी ने लंबित मुकदमों, शिकायतों, जांच और तफ्तीश को निर्धारित समय में पूरा करने के निर्देश देते हुए कहा कि वांछित और फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए प्रभावी रणनीति बनाई जाए।

फरीदाबाद पुलिस ने दो दिन में पकड़े 136 आरोपी

फरीदाबाद। अपराधियों पर शिकंजा कसने और कानून-व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से फरीदाबाद पुलिस द्वारा 22 व 23 अगस्त को दो दिन का विशेष वीकेंड अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान जिलेभर में अपराधियों, नशा तस्करों, अवैध शराब तस्करों, जुआ तथा उद्घोषित अपराधियों के विरुद्ध व्यापक स्तर पर कार्रवाई की गई। पुलिस प्रवक्ता ने जानकारी देते हुए बताया कि अभियान के दौरान पुलिस के विभिन्न थानों की अपराध शाखा व उन स्पेशल टीमों ने 136 आरोपितों को काबू किया। इसके साथ ही 38 उद्घोषित अपराधियों एवं जमानत पर फरार आरोपितों पर भी कार्रवाई की गई है। वहीं पुलिस ने 28 गुमशुदा व्यक्तियों को तलाश कर सकुशल उनके परिजनों से मिलाने में सफलता प्राप्त की, जिससे परिवारों के चेहरों पर फिर से मुस्कान लौट आई। इस विशेष अभियान के दौरान पुलिस ने अवैध नशे और अवैध हथियारों के खिलाफ भी प्रभावी कार्रवाई की। पुलिस की टीमों द्वारा 86 बोतल अवैध शराब व चार लीटर कच्ची शराब बरामद की गई वहीं 520 ग्राम गांजा, दो देसी कट्टे, इसके अलावा जुआ खेलने और खिलाने वालों के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए तीन लाख 23 हजार 840 की नकदी बरामद की गई।

राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय चमारिया में मेगा सर्विस कैंप आयोजित

रोहतक। जिला एवं सत्र न्यायाधीश अजय तेवतिया के मार्गदर्शन में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव डॉ. तरन्नुम खान मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी के नेतृत्व में चमारिया गांव स्थित राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में मेगा सर्विस कैंप आयोजित किया गया। कैंप में चमारिया, सिसरोली, बसंतपुर, जिन्दराण तथा ब्राह्मणवास सहित आसपास के गांवों के लगभग 4850 व्यक्तियों ने भाग लेकर विभिन्न सरकारी सेवाओं का लाभ उठाया।मेगा सर्विस कैंप में विभिन्न सरकारी विभागों एवं संस्थाओं द्वारा हेल्प डेस्क स्थापित किए गए। इनमें निर्वाचन विभाग, आयुष विभाग, परिवार पहचान पत्र, इंतकाल एवं जमाबंदी, आधार कार्ड, श्रम विभाग, स्वास्थ्य विभाग, बिजली विभाग, हरियाणा रोडवेज, लोक निर्माण विभाग, जन स्वास्थ्य विभाग, एमडीडी ऑफ इंडिया एनजीओ, विभिन्न बैंक सहित अन्य विभाग शामिल रहे। इन हेल्प डेस्क के माध्यम से आमजन की समस्याओं एवं शिकायतों का मौके पर ही समाधान करने तथा विभिन्न सरकारी योजनाओं एवं सेवाओं की जानकारी उपलब्ध कराने का प्रयास किया गया।

राज्य स्तरीय बीन वादन प्रतियोगिता का आयोजन 2 सितंबर को

चंडीगढ़। कला एवं सांस्कृतिक कार्य विभाग, हरियाणा द्वारा 2 सितंबर, 2026 को प्रातः 10:00 बजे मल्टी आर्ट कल्चर सेंटर, हरियाणा कला परिषद, कुरुक्षेत्र में राज्य स्तरीय बीन दलों की प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। प्रतियोगिता का उद्देश्य हरियाणा की समृद्ध लोक कला एवं लोक संगीत परंपराओं को बढ़ावा देना तथा बीन वादन से जुड़े कलाकारों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का मंच प्रदान करना है। विभाग द्वारा प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विजेता दलों को प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय पुरस्कार के साथ-साथ पांच सांत्वना पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे। प्रथम पुरस्कार के रूप में 75,000 रुपये, द्वितीय पुरस्कार के रूप में 60,000 रुपये तथा तृतीय पुरस्कार के रूप में 50,000 रुपये की राशि प्रदान की जाएगी। इसके अतिरिक्त, पांच सांत्वना पुरस्कार प्रत्येक 10,000 रुपये की राशि के होंगे। प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए निर्धारित मापदंडों के अनुसार प्रतिभागियों का हरियाणा का मूल निवासी होना अनिवार्य है तथा उन्हें आधार कार्ड साथ लाना होगा। प्रत्येक दल में 8 से 10 कलाकार होना आवश्यक है, जिनमें कम से कम 3 से 4 बीन वादक शामिल होने चाहिए। प्रतिभागियों द्वारा प्रस्तुति हरियाणवी लोक परिधान में देना अनिवार्य होगा।

हैपनिंग हरियाणा 2.0 : मुंबई में निवेशकों से मिले सीएम सैनी

जल्द आएगी नई डिफेंस सेक्टर पॉलिसी

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी ने मुंबई में हैपनिंग हरियाणा 2.0 @ मुंबई के दौरान उद्योगपतियों तथा निवेशकों के साथ हुई बैठक में डिफेंस सेक्टर में निवेश और संभावनाओं पर विशेष रूप से चर्चा की गई। मुख्यमंत्री ने कहा कि निवेशकों की ओर से डिफेंस सेक्टर को लेकर सबसे अधिक सुझाव और रुचि सामने आई है। सरकार इस क्षेत्र की संभावनाओं को देखते हुए जल्द ही डिफेंस सेक्टर से संबंधित नीति लाने पर विचार कर रही है। उन्होंने कहा कि हरियाणा में डिफेंस मैन्युफैक्चरिंग और संबंधित उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न स्थानों पर क्लस्टर आधारित विकास की संभावनाओं पर काम किया जा रहा है। पिछले बजट में हरियाणा में 10 नए आईएमटी स्थापित करने की घोषणा की गई थी और इस दिशा में भूमि संबंधी कार्य आगे बढ़ रहा है।हरियाणा को प्रमुख औद्योगिक एवं निवेश केंद्र के रूप में और मजबूत करने के उद्देश्य से मुंबई में चल रहे 'हैपनिंग हरियाणा 2.0' ग्लोबल कैपिटल कैंपेन के तहत मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने प्रमुख निवेशकों, ग्लोबल इन्वेस्टमेंट फर्मों और उद्योग जगत

के प्रतिनिधियों के साथ राउंडटेबल कॉन्फ्रेंस की। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि हरियाणा सरकार का लक्ष्य प्रदेश को ऐसा भरोसेमंद, रिस्पॉन्सिव और इन्वेस्टर-फ्रेंडली राज्य बनाना है, जहां निवेशकों को बेहतर कारोबारी अवसरों के साथ-साथ सरकार के साथ काम करने में विश्वास और सकारात्मक अनुभव मिले। मुख्यमंत्री ने कहा कि बैठक के दौरान निवेशकों ने अपने अनुभवों के आधार पर कई महत्वपूर्ण और व्यावहारिक सुझाव दिए हैं। सरकार ने इन सभी सुझावों पर संबंधित विभागों के साथ मिलकर टाइम-बाउंड एक्शन प्लान में बदलने का प्रयास किया जाएगा। उन्होंने कहा कि जहां भी आवश्यक होगा, सुझावों के क्रियान्वयन के लिए स्पष्ट विभागीय ओनरशिप सुनिश्चित किया जाएगा। भूमि, अप्रूवल और अन्य प्रक्रियाओं से संबंधित विषयों के सरलीकरण के लिए भी सरकार आवश्यक सुधार करेगी।

मुख्यमंत्री ने निवेशकों से कहा कि निवेशकों की पोर्टफोलियो कंपनियां हरियाणा में एक्सपेंशन, मैन्युफैक्चरिंग, जीसीसी टेक्नोलॉजी और लॉजिस्टिक के क्षेत्र में अवसर तलाश रही हैं, तो हरियाणा सरकार की टीम उनके साथ आगे भी संवाद करने और हर संभव फैसिलिटेशन देने के लिए तैयार है। हरियाणा सरकार केवल निवेश नहीं, बल्कि उद्योग जगत के साथ लॉन्ग-टर्म पार्टनरशिप स्थापित करना चाहती है। मुख्यमंत्री ने निवेशकों और उनकी लीडरशिप टीम को अप्रैल 2027 में हरियाणा में आयोजित होने वाले हैपनिंग हरियाणा ग्लोबल इन्वेस्टर समिट में भागीदारी करने का निमंत्रण दिया। उन्होंने कहा कि उन्हें विश्वास है कि मुंबई में हुई यह बैठक हरियाणा और निवेशक समुदाय के बीच मजबूत और दीर्घकालिक साझेदारी की शुरुआत बनेगी।

हरियाणा में निवेश के लिए कंपनियों ने किए 66,000 करोड़ के एमओयू

'हरियाणा के लिए एमओयू सिर्फ एक साइनिंग सेरेमनी नहीं बल्कि प्रतिबद्धता का प्रतीक है'

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार द्वारा भारत की आर्थिक राजधानी मुंबई में आयोजित 'हैपनिंग हरियाणा 2.0' अंतरराष्ट्रीय आउटरीच कैंपेन के दूसरे दिन हरियाणा में निवेश के लिए विभिन्न कंपनियों ने 66,000 करोड़ रुपये से अधिक के निवेश के लिए एमओयू पर हस्ताक्षर किए। इस मौके पर मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी तथा उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री राव नरबीर सिंह की मौजूदगी में अधिकारियों और कंपनी के प्रतिनिधियों ने एमओयू एक्सचेंज किए। नायब सिंह सैनी ने मुंबई दौरे के दूसरे दिन विभिन्न देशों के कन्सुलेट जनरल्स, उद्योग जगत की हस्तियों, निवेशकों तथा मुंबई के वित्तीय एवं कॉरपोरेट जगत के प्रतिनिधियों को संबोधित करते हुए कहा कि हरियाणा में निवेशकों को

केवल भूमि, प्रोत्साहन और अप्रूवल ही नहीं मिलते, बल्कि हरियाणा स्केल, स्पीड, नीति-निश्चितता और सांझा समृद्धि पर आधारित एक रणनीतिक सांझेदारी प्रदान करता है। हरियाणा सरकार फाइल मूवमेंट पर नहीं, बल्कि प्रोजेक्ट मूवमेंट पर विश्वास करती है। डिजिटल इन्फ्रास्ट्रक्चर, कनेक्टिविटी, विनिर्माण, स्टार्टअप, कौशल विकास और आत्मनिर्भरता ने देश की आर्थिक बुनियाद को मजबूत किया है। भारत विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में तेजी से अग्रसर है। देश के क्षेत्रफल का लगभग 1.3 प्रतिशत होने के बावजूद हरियाणा राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था में करीब 3.6 प्रतिशत योगदान देता है। उन्होंने कहा कि हरियाणा अब ऑटोमोबाइल, कृषि-उद्योग, इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रॉनिक्स, लॉजिस्टिक्स, आईटी सेवाओं और कॉरपोरेट गतिविधियों का प्रमुख केंद्र है। गुरुग्राम वैश्विक सेवा एवं प्रौद्योगिकी हब, फरीदाबाद इंजीनियरिंग एवं विनिर्माण केंद्र और मानेसर ऑटोमोबाइल एवं ऑटो-कंपोनेंट क्लस्टर के रूप में स्थापित हैं। पानीपत, यमुनानगर, अंबाला, करनाल और सोनीपत सहित प्रदेश के विभिन्न जिले अपनी विशिष्ट औद्योगिक एवं कृषि-आधारित पहचान के साथ विकास में योगदान दे रहे हैं।

सभी स्वास्थ्य केंद्रों व अस्पतालों में बनेगा फ्लू कॉर्नर

एजेंसी

चंडीगढ़।आगामी इन्फ्लूएंजा (फ्लू) सीजन से पहले हरियाणा सरकार पूरी तरह अलर्ट मोड पर आ गई है। स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव के निर्देश पर प्रदेशभर में सभी जिलों के अस्पतालों और स्वास्थ्य केंद्रों को आवश्यक दवाइयों, जांच सुविधाओं, संक्रमण नियंत्रण सामग्री और क्रिटिकल केयर संसाधनों की पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।

स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव ने कहा कि महानिदेशक स्वास्थ्य सेवाएं, हरियाणा की ओर से प्रदेश के सभी सिविल सर्जनों और मेडिकल कॉलेजों के निदेशकों को विस्तृत एडवाइजरी जारी कर आवश्यक तैयारियां सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। प्रदेश के सभी स्वास्थ्य केंद्रों और अस्पतालों में विशेष फ्लू कॉर्नर सक्रिय रखने के निर्देश दिए गए हैं। बुखार, सर्दी, खांसी, गले में खराश और फ्लू जैसे लक्षणों के साथ पहुंचने वाले मरीजों की यहां प्राथमिक स्तर पर स्क्रीनिंग की जाएगी। इससे संभावित संक्रमित मरीजों की जल्द पहचान कर समय पर जांच और उपचार शुरू किया जा सकेगा।

स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि इन्फ्लूएंजा की निगरानी और जांच व्यवस्था को मजबूत किया गया है। इन्फ्लूएंजा जैसे लक्षणों वाले मरीजों की जांच सुनिश्चित की जाएगी। स्वास्थ्य मंत्री ने बताया कि इन्फ्लूएंजा की निगरानी व्यवस्था को और मजबूत करने के लिए निजी अस्पतालों और इंडियन मेडिकल एसोसिएशन का भी सहयोग लिया जाएगा।

सरकारी स्कूलों में बाहरी व्यक्तियों का प्रवेश बैन

शिक्षा मंत्री का दावा, विद्यार्थियों की सुरक्षा के मद्देनजर लिया फैसला

किसी बच्चे के अभिभावक को भी बिना अनुमति स्कूल परिसर में प्रवेश नहीं दिया जाएगा।

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार ने सरकारी स्कूलों के संबंध में एक अहम फैसला लिया है। शिक्षा मंत्री महिपाल ढांडा ने कहा है कि सरकारी स्कूलों में बाहरी व्यक्तियों की एंट्री प्रतिबंधित रहेगी। किसी बच्चे के अभिभावक को भी बिना अनुमति स्कूल परिसर में प्रवेश नहीं दिया जाएगा। मंत्री के मुताबिक, बिना जांच-पड़ताल के किसी भी व्यक्ति को स्कूल में प्रवेश देना विद्यार्थियों की सुरक्षा के लिहाज से उचित नहीं है। शिक्षा मंत्री ने स्पष्ट किया कि स्कूल में किसी बाहरी व्यक्ति की एंट्री स्कूल मैनेजमेंट कमेटी (एसएमसी) की अनुमति के बाद ही होनी चाहिए। उन्होंने कहा है कि बिना जांच किए किसी व्यक्ति को स्कूल परिसर में प्रवेश देने से यह पता नहीं चल सकता कि वह व्यक्ति वहां आकर क्या गतिविधि करेगा। इसलिए विद्यार्थियों और खासकर छात्राओं

की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए यह व्यवस्था लागू की जा रही है।

मंत्री के अनुसार, गांव के प्रबुद्ध और जिम्मेदार लोगों को स्कूल से संबंधित आवश्यक कार्यों के लिए अनुमति के साथ प्रवेश दिया जा सकेगा। इसका उद्देश्य स्कूलों में प्रवेश पूरी तरह बंद करना नहीं, बल्कि अनधिकृत और बिना सत्यापन वाले प्रवेश पर रोक लगाना है। इस व्यवस्था से स्कूल प्रबंधन, शिक्षकों, विद्यार्थियों और अभिभावकों के बीच संपर्क के लिए एक निर्धारित प्रक्रिया बनाए जाने की उम्मीद है। किसी अभिभावक को बच्चे से संबंधित जरूरी काम होने पर स्कूल प्रबंधन से अनुमति लेनी होगी।

प्रतिभावान युवा सही दिशा और अवसर से सफलता की नई कहानी लिखेंगे: डॉ. अर्चना गुप्ता

एजेंसी

सोनीपत। सोनीपत के राई स्थित स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी में दीक्षारंभ एवं इंडक्शन समारोह में हरियाणा भाजपा अध्यक्ष डॉ. अर्चना गुप्ता मुख्य अतिथि ने कहा कि प्रतिभावान युवा सही दिशा और अवसर से सफलता की नई कहानी लिखेंगे के रूप में शामिल हुईं। मुख्य अतिथि ने मेडलिस्ट खिलाड़ियों को नकद पुरस्कार दिए, फीस की राशि लौटाकर सम्मानित किया। मुख्य अतिथि डॉ. अर्चना गुप्ता ने कहा कि हरियाणा के युवाओं में प्रतिभा की कोई कमी नहीं है। प्रदेश ने खेलों के क्षेत्र में देश को अनेक अंतरराष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी दिए हैं। जरूरत प्रतिभा को सही दिशा, बेहतर प्रशिक्षण और उचित अवसर देने की है। उन्होंने विद्यार्थियों से लक्ष्य निर्धारित कर अनुशासन और पूरी निष्ठा के साथ आगे बढ़ने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि युवा शिक्षा के साथ खेल भावना और राष्ट्र के प्रति जिम्मेदारी को भी अपने जीवन का हिस्सा बनाएं। समारोह में खिलाड़ियों की उपलब्धियों को

प्रोत्साहित करने के लिए उन्हें नकद पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। इसके अलावा विश्वविद्यालय के कुछ मेडलिस्ट खिलाड़ियों की फीस की राशि भी रिफंड की गई। इस पहल से खिलाड़ियों में खासा उत्साह देखने को मिला। समारोह में यह संदेश भी दिया गया कि मेहनत और उपलब्धि हासिल करने वाले खिलाड़ियों को विश्वविद्यालय स्तर पर हरसंभव प्रोत्साहन और सहयोग दिया जाएगा।

ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता सुमित आंतिल ने विद्यार्थियों को लक्ष्य पर ध्यान केंद्रित रखते हुए निरंतर मेहनत करने की प्रेरणा दी। उन्होंने कहा कि सफलता केवल प्रतिभा से नहीं मिलती, बल्कि अनुशासन, आत्मविश्वास और विपरीत परिस्थितियों में डटे रहने का जज्बा भी जरूरी है।

अंबाला छावनी में जल्द बनेगा 100 बिस्तरों का अत्याधुनिक ईएसआईसी अस्पताल : अनिल विज

ईएसआईसी अस्पताल की चारदीवारी का निर्माण कार्य भी जल्द शुरू किया जाएगा: विज

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के श्रम मंत्री अनिल विज ने कहा कि अंबाला छावनी में कर्मचारी राज्य बीमा निगम (ईएसआईसी) द्वारा 100 बिस्तरों के अत्याधुनिक अस्पताल की स्थापना के लिए हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण (एचएसवीपी) के सेक्टर-33 में 5.18 एकड़ भूमि की रजिस्ट्री जल्द की जाएगी तथा इसके बाद भूमि का कब्जा भी शीघ्र ईएसआईसी को सौंप दिया जाएगा। अस्पताल के निर्माण से अंबाला सहित आसपास के क्षेत्रों और समीपवर्ती जिलों के लगभग 70 हजार बीमाकृत श्रमिकों एवं उनके परिवारों को बेहतर और आधुनिक स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध होंगी। अनिल विज चंडीगढ़ में ईएसआईसी, श्रम

विभाग तथा हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण के अधिकारियों के साथ अंबाला छावनी में प्रस्तावित 100 बिस्तरों के ईएसआईसी अस्पताल की स्थापना को लेकर आयोजित समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। बैठक में उन्होंने परियोजना से संबंधित विभिन्न कार्यों की प्रगति की समीक्षा की और अधिकारियों को अस्पताल के निर्माण से जुड़ी सभी औपचारिकताएं जल्द पूरी करने के निर्देश दिए। विज ने बताया कि अंबाला छावनी में स्थापित होने वाले ईएसआईसी अस्पताल की चारदीवारी का निर्माण कार्य भी जल्द शुरू किया जाएगा।इसके साथ ही अस्पताल भवन का नक्शा तैयार करने की प्रक्रिया शीघ्र पूरी कर निविदाएं आमंत्रित की जाएंगी, ताकि निर्माण कार्य को निर्धारित समय-सीमा में आगे बढ़ाया जा सके। भूमि की रजिस्ट्री, कब्जा, चारदीवारी, भवन का नक्शा तथा निर्माण कार्य के लिए निविदा प्रक्रिया को प्राथमिकता के आधार पर पूरा करने के निर्देशः विजबैठक में अधिकारियों ने विज को अवगत कराया कि अंबाला छावनी के सेक्टर-33 में एचएसवीपी की 5.18 एकड़ भूमि पर ईएसआईसी द्वारा 100 बिस्तरों का अस्पताल स्थापित किया जाएगा। अस्पताल के लिए भूमि उपलब्ध करवाने के संबंध में केंद्र सरकार द्वारा लगभग 13 करोड़ रुपये की राशि स्वीकृत की गई है।

विज ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि अस्पताल की स्थापना से संबंधित आगामी सभी कार्यवाही में तेजी लाई जाए और भूमि की रजिस्ट्री, कब्जा, चारदीवारी, भवन का नक्शा तथा निर्माण कार्य के लिए निविदा प्रक्रिया को प्राथमिकता के आधार पर पूरा किया जाए।

कष्ट निवारण समिति की बैठकों का उद्देश्य शिकायतों का समयबद्ध समाधान: खेल राज्य मंत्री गौरव गौतम

जिला कष्ट निवारण समिति की बैठक की अध्यक्षता की

एजेंसी

जींद। हरियाणा के खेल राज्य मंत्री गौरव गौतम ने कहा कि प्रदेश सरकार आम नागरिकों की समस्याओं के समाधान के लिए पूरी संवेदनशीलता और प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। कष्ट निवारण समिति की बैठकों का उद्देश्य लोगों की शिकायतों का समयबद्ध और पारदर्शी तरीके से समाधान सुनिश्चित करना है ताकि नागरिकों को अनावश्यक परेशानियों का सामना न करना पड़े।

हरियाणा के खेल राज्य मंत्री गौरव गौतम डीआरडीए सभागार में जिला कष्ट निवारण समिति की बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। समिति अध्यक्ष एवं राज्य मंत्री के समक्ष बैठक में कुल 13 शिकायतें समाधान के लिए रखी गई। जिनमें से 10 शिकायतों का मौके पर ही निपटारा कर दिया गया। जबकि शेष तीन मामलों में विस्तृत जांच के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए गए। इस अवसर पर डीसी डॉ वैशाली शर्मा, पुलिस अधीक्षक कुलदीप सिंह भी मौजूद रहे। बैठक के दौरान विभिन्न विभागों से संबंधित शिकायतों पर विस्तार से चर्चा की गई। गौरव गौतम ने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि जनता से जुड़े मामलों में किसी प्रकार की

लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी तथा सभी शिकायतों का निर्धारित समय सीमा में समाधान सुनिश्चित किया जाए।

यह रखी शिकायतें

खेल राज्य मंत्री गौरव गौतम के समक्ष जींद से गुजरते हुए एनएचएआई पर नॉमर्श के अनुसार आवश्यक सुविधाएं सुनिश्चित करने के बारे में शिकायत रखी गई। जिसमें समिति अध्यक्ष ने जांच अधिकारी से विस्तृत जानकारी लेने उपरान्त एवं शिकायतकर्ता की रिपोर्ट पर शेष बचा काम जल्द ही करवाने के लिए कहा। बैठक में एनएचएआई के किसी अधिकारी के मौजूद न रहने पर राज्य मंत्री ने कड़ा संज्ञान लेते हुए इसकी रिपोर्ट लिखित रूप में नोटिस के माध्यम से सैक्रेटरी एनएचएआई को देने के लिए कहा। बैठक में गांव बीबीपूर में 2012 में अॅलाट हुए बीपीएल परिवारों को प्लॉटों के उपर से बिजली लाईन की वजह से मकान न बनाए जाने की समस्या रखी गई। इस पर समिति अध्यक्ष ने संज्ञान लेते हुए डीडीपीओ को निदेशक विकास एवं पंचायत विभाग को बराबर पड़ी पंचायती जमीन पर प्रभावित हो रहे चार प्लांटों का स्थानातरण प्रस्ताव भेजने के लिए कहा और मामले की जांच के लिए एडीसी की जिम्मेदारी लगाई।

कॉमनवेल्थ के विजेता खिलाड़ियों को नकद पुरस्कार से सम्मानित करेगी सरकार

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार कॉमनवेल्थ खेलों के दौरान देश और प्रदेश का नाम रोशन करने वाले हरियाणा के खिलाड़ियों को सम्मानित करेगी। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी 26 अगस्त को पंचकूला के ताऊ देवीलाल स्टेडियम में आयोजित होने वाले समारोह में पदक विजेता खिलाड़ियों के साथ कॉमनवेल्थ गेम्स में हिस्सा लेने वाले खिलाड़ियों को भी सम्मानित करेंगे। सरकार की ओर से इस कार्यक्रम में करीब साढे 13 करोड़ रुपए के नकद पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे। कार्यक्रम में करीब 2 हजार युवा खिलाड़ी भी मौजूद रहेंगे। कार्यक्रम पहले 7 अगस्त को होना था लेकिन पीएम का कार्यक्रम बनने के बाद इसे स्थगित कर दिया गया। कॉमनवेल्थ गेम्स में भारतीय खिलाड़ियों के शानदार प्रदर्शन में हरियाणा की अहम भूमिका रही। देश के खाते में आए 13 स्वर्ण पदकों में से 7 स्वर्ण हरियाणा के खिलाड़ियों ने जीते। इसके अलावा हरियाणा के खिलाड़ियों ने देश के लिए कुल 11 पदक अपने नाम किए। सरकार की ओर से सिर्फ पदक जीतने वाले खिलाड़ियों को ही सम्मानित नहीं किया जाएगा, बल्कि कॉमनवेल्थ गेम्स में भारत का प्रतिनिधित्व करने वाले अन्य खिलाड़ियों को भी सम्मान मिलेगा। इससे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश का प्रतिनिधित्व करने वाले खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ेगा और प्रदेश के युवा खिलाड़ियों को भी प्रेरणा मिलेगी। सूत्रों के अनुसार, हरियाणा सरकार की खेल नीति के अनुसार 11 पदक विजेता तथा 13 प्रतिभागी खिलाड़ियों को सम्मानित किया जाएगा। सात स्वर्ण पदक विजेताओं को डेढ-डेढ करोड़, दो रजत पदक विजेताओं को 75-75 लाख, दो कांस्य पदक विजेताओं को 50-50 लाख दिए जाएंगे।

शेयर बाजार बढ़त पर बंद

सेंसेक्स 287, निफ्टी 116 अंक ऊपर आया

मुम्बई ।

भारतीय शेयर बाजार मंगलवार को हल्की बढ़त पर बंद हुआ। सप्ताह के दूसरे ही कारोबारी दिन बाजार में ये उछाल दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीदारी हावी रहने से आया है। इसी कारण दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 286.98 अंकों की तेजी के साथ ही 77,656.09 पर बंद हुआ, जबकि 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 116 अंक उछलकर 24,335.55 पर बंद हुआ।

आज फार्मा और पीएसयू बैंकों के शेयरों में तेजी के चलते बाजार बढ़त लेकर बंद हुआ। वहीं व्यापक बाजार में मिश्रित कारोबार देखने को मिला। निफ्टी मिडकैप में 0.54 फीसदी की वृद्धि हुई, जबकि निफ्टी स्मॉलकैप में 0.10 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई। सेक्टरवार देखें तो, निफ्टी हेल्थकेयर, निफ्टी फार्मा और निफ्टी पीएसयू बैंक ने बेहतर प्रदर्शन किया, जबकि निफ्टी प्राइवेट बैंक और निफ्टी मेटल का प्रदर्शन खराब रहा।

निफ्टी इंडेक्स में अदाणी एंटरप्राइजेज, मैक्स हेल्थकेयर, अपोलो हॉस्पिटल्स, इंडिगो, अदाणी पोर्ट्स, श्रीराम फाइनेंस, इंफोसिस के शेयरों में सबसे ज्यादा तेजी देखने को मिली, जबकि एचडीएफसी लाइफ, सिप्ला और ओएनजीसी सबसे ज्यादा खराब प्रदर्शन करने वाले शेयरों में शामिल रहे। वहीं इससे पहले आज सुबह बाजार की कमजोर शुरुआत हुई।

सोने-चांदी की कीमतें धड़ाम, चांदी 1600 रुपए फिसली

सोना 1.62 लाख और चांदी 2.42 लाख प्रति किलोग्राम

नई दिल् ली।

सोने और चांदी की कीमतों में मंगलवार को घरेलू एवं अंतर्राष्ट्रीय बाजारों दोनों जगह तेज गिरावट दर्ज की गई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोना 299 रुपये टूटकर 1,62,930 रुपये प्रति 10 ग्राम पर आ गया, जबकि चांदी 1,607 रुपये फिसलकर 2,42,613 रुपये प्रति किलोग्राम पर कारोबार कर रही थी। निवेशक अब अमेरिकी महंगाई के आंकड़ों और फेडरल रिजर्व के अध्यक्ष के आगामी भाषण का इंतजार कर रहे हैं, जो कीमतों पर असर डालेगा। अंतर्राष्ट्रीय बाजारों में भी सोना 0.20 फीसदी गिरकर 4687 प्रति औंस पर और चांदी 0.96 फीसदी फिसलकर 67.905 डालर प्रति औंस पर पहुंच गई। कल जारी होने वाला अमेरिकी पर्सनल कंजम्पशन एक्सपेंडिचर डेटा और फेड के अध्यक्ष का भाषण ब्याज दरों की दिशा और भविष्य की मौद्रिक नीति पर महत्वपूर्ण संकेत दे सकता है, जिससे बाजार में अनिश्चितता बनी हुई है। घरेलू स्तर पर दिल्ली में 24 कैरेट सोने का भाव 16,390 रुपये प्रति ग्राम और 22 कैरेट सोना 15,025 रुपये प्रति ग्राम पर रहा। वहीं, कोलकाता में चांदी 2.60 लाख रुपये प्रति किलोग्राम पर दर्ज की गई। रिपोर्ट के मुताबिक सोना 4,600 डॉलर प्रति औंस से ऊपर टिक पाएगा या नहीं, यह काफी हद तक अमेरिकी डॉलर के कमजोर रहने और ट्रेजरी यील्ड के स्थिर या और गिरने पर निर्भर करेगा। पिछले हफ्ते अमेरिकी ट्रेजरी के बॉन्ड बैक प्लान से डॉलर कमजोर होने के बाद सोने में 5 फीसदी से ज्यादा की तेजी आई थी।

अमेरिकी राजदूत ने व्यापार बढ़ाने के लिए हैदराबाद में की उच्चस्तरीय बैठक

हैदराबाद में गोलमेज चर्चा- रक्षा, सेमीकंडक्टर और फार्मा क्षेत्रों के नेता शामिल

हैदराबाद ।

भारत में अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर और अमेरिकी महावाणिज्य दूत लॉरा विलियम्स ने सोमवार को यहां भारतीय उद्योग जगत के प्रमुख नेताओं के साथ एक गोलमेज बैठक की। इस बैठक का मुख्य उद्देश्य द्विपक्षीय व्यापार को गति देना, उच्च प्रौद्योगिकी आपूर्ति श्रृंखलाओं को सुरक्षित बनाना और भारत-अमेरिका के कारोबारी संबंधों का विस्तार करना था। हैदराबाद स्थित अमेरिकी महावाणिज्य दूतावास की एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार अमेरिका की स्वतंत्रता की 250वीं वर्षगांठ के अवसर पर आयोजित रात्रिभोज के साथ हुई इस बैठक में रक्षा विनिर्माण, सेमीकंडक्टर, दवा और प्रौद्योगिकी क्षेत्रों के शीर्ष अधिकारियों ने भाग लिया। इसका लक्ष्य रणनीतिक द्विपक्षीय नीतियों को दक्षिण भारत में वास्तविक कारोबारी निवेश में बदलना था। राजदूत गोर ने इस बात पर जोर दिया कि अमेरिका और भारत लंबे समय से रणनीतिक सहयोगी रहे हैं। उन्होंने कहा` कि इस तरह की बैठकें दिखाती हैं कि भारत-अमेरिका साझेदारी केवल रणनीतिक तालमेल से आगे बढ़कर रक्षा, प्रौद्योगिकी, जीवन विज्ञान और अंतरिक्ष सहित कई क्षेत्रों में सहयोग का ठोस ढांचा बन चुकी है। उन्होंने उद्योगपतियों द्वारा इन साझेदारियों को आगे बढ़ाने में निभाई गई भूमिका की सराहना की। राजदूत गोर ने तेलंगाना, आंध्र प्रदेश और ओडिशा के कारोबारियों से निवेश, आपूर्ति श्रृंखला साझेदारी और बाजार तक पहुंच के लिए ट्रस्ट पहल, पैक्स सिलिका, अमेरिका-भारत कॉम्पैक्ट और अमेरिका-भारत रणनीतिक खनिज पुनर्प्राप्ति पहल जैसे नीतिगत ढांचों का लाभ उठाने का आग्रह किया।

इंपोर्टेड कच्ची चीनी 60 दिन में बेचनी होगी: सरकार

नई दिल्ली । चीनी की बढ़ती कीमतों पर लगाम कसने के लिए केंद्र सरकार ने कड़े नियम लागू किए हैं। अब टैरिफ रेट कोटा के तहत विदेश से आने वाली कच्ची चीनी को देश में आने के 60 दिनों के भीतर रिफाइन कर घरेलू बाजार में बेचना अनिवार्य होगा। सरकार का यह कदम जमाखोरी रोकने और बाजार में चीनी की पर्याप्त आपूर्ति सुनिश्चित करने पर केंद्रित है।

मराठवाड़ा में बारिश की कमी से कृषि रकबे में बड़ी गिरावट

कृषि विभाग के आंकड़ों के अनुसार, 3.5 लाख हेक्टेयर घटा बुवाई क्षेत्र

छत्रपति संभाजीनगर ।

महाराष्ट्र के मराठवाड़ा में सामान्य से कम बारिश ने कृषि बुवाई को बुरी तरह प्रभावित किया है। कृषि विभाग के आंकड़ों के मुताबिक क्षेत्र में बुवाई का रकबा करीब 3.5 लाख हेक्टेयर घट गया है, जिससे किसानों की चिंताएं बढ़ गई हैं। इस साल मराठवाड़ा क्षेत्र में सामान्य से 20.3 प्रतिशत कम बारिश दर्ज की गई है। छत्रपति संभाजीनगर, जालना, बीड, परभणी, नांदेड़, हिंगोली, धाराशिव और लातूर जैसे आठ जिलों वाले इस क्षेत्र में अपेक्षित 586.1 मिलीमीटर के मुकाबले केवल 479.1 मिलीमीटर बारिश हुई है। कम वर्षा के चलते बुवाई का कुल रकबा 46.19 लाख हेक्टेयर रहा, जो पिछले पांच वर्ष के औसत 49.72 लाख हेक्टेयर से सात प्रतिशत और पिछले साल की तुलना में दो लाख हेक्टेयर कम है। इस कमी का सीधा असर प्रमुख फसलों पर पड़ा है। कपास का रकबा 2.65 लाख हेक्टेयर घटकर 12.14 लाख हेक्टेयर रह गया। गन्ने का रकबा भी पांच साल के औसत 3.24 लाख हेक्टेयर से भारी गिरावट के साथ मात्र 43,821 हेक्टेयर पर आ गया है। हालांकि, किसानों ने विपरीत परिस्थितियों में सोयाबीन, मक्का और सूरजमुखी जैसी फसलों पर ध्यान केंद्रित किया।

फेडएक्स दिल्ली में लगाएगा 15 करोड़ डॉलर का एयर कार्गो हब

2.3 लाख वर्ग फुट में फैले इस केंद्र से उत्तर-पूर्वी भारत की कनेक्टिविटी मजबूत होगी

नई दिल्ली।

प्रमुख लॉजिस्टिक्स कंपनी फेडएक्स दिल्ली हवाई अड्डे पर 15 करोड़ डॉलर (लगभग 1,400 करोड़ रुपये) का भारी निवेश कर एक अत्याधुनिक हवाई मालवाहन केंद्र विकसित करेगी। केंद्रीय नागर विमानन मंत्री के. राममोहन नायडू ने हाल ही में इसकी आधारशिला रखी, जिसका लक्ष्य भारत को वैश्विक हवाई मालवाहक परिवहन की रीढ़ बनाना है।

इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे (आईजीआईए) स्थित जीएमआर कार्गो सिटी में 2,30,000 वर्ग फुट में फैला यह एकीकृत केंद्र उत्तर और पूर्वी भारत के बीच संपर्क को मजबूत करेगा, जिससे व्यवसायी वैश्विक बाजारों से जुड़ पाएंगे। फेडएक्स के अनुसार, यह केंद्र चालू होने पर इसकी पैकेज हैंडलिंग क्षमता 600 से बढ़कर 5,000 पैकेज प्रति घंटे हो जाएगी, जिसे भविष्य में और बढ़ाया जा सकेगा। मंत्री नायडू ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि भारत को हवाई मालवाहक परिवहन का केंद्र बनना चाहिए।

नागर विमानन सचिव समीर कुमार सिन्हा ने भी हवाई मालवाहक परिवहन की बाधाओं को दूर करने के प्रयासों पर जोर दिया। जीएमआर कार्गो सिटी को चरणबद्ध तरीके से विकसित किया जाएगा और निर्माण कार्य जल्द शुरू होने की उम्मीद है, जो भारत के लॉजिस्टिक्स परिदृश्य में एक महत्वपूर्ण कदम होगा।

प्याज की महंगाई पर लगाम, केंद्र सरकार ने चलाया कांदा एक्सप्रेस अभियान

नासिक से विशेष रेलवे रैक के जरिए भारी स्टॉक रवाना, बड़े खपत केंद्रों पर 35 रुपए प्रति किलो में मिलेगा प्याज

नई दिल्ली ।

देशभर में प्याज की लगातार बढ़ती कीमतों को नियंत्रित करने के लिए केंद्र सरकार ने कमर कस ली है। महाराष्ट्र के नासिक से कांदा एक्सप्रेस नाम की विशेष रेलवे रैक के माध्यम से प्याज का भारी स्टॉक प्रमुख खपत वाले केंद्रों तक पहुंचाना शुरू कर दिया गया है। उपभोक्ता मामलों के एक अे धिकारी ने बताया कि यह खेप बुधवार तक चिह्नित शहरों में पहुंचने की उम्मीद है, जिससे उपभोक्ताओं को बड़ी राहत मिलेगी। मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार 24 अगस्त को प्याज की अखिल भारतीय औसत खुदरा कीमत सालाना आधार पर 59 फीसदी बढ़कर 43.53 रुपए प्रति किलोग्राम हो गई थी, जबकि थोक कीमतों में 68 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई। प्रमुख शहरों में, दिल्ली में प्याज 55 और चेन्नई में 60 रुपए प्रति किलोग्राम तक पहुंच गया था, जो एक साल पहले की तुलना में काफी अधिक था। शुरुआती चरण में यह आपूर्ति चेन्नई, मदुरै, दिल्ली, एर्नाकुलम और गुवाहाटी जैसे पांच बड़े खपत केंद्रों पर केंद्रित होगी। इन शहरों में एनसीसीएफ और नाफेड जैसी सरकारी एजेंसियां 35 रुपए प्रति किलोग्राम की रियायती दर पर प्याज उपलब्ध कराएंगी। अे धिकारी ने संकेत दिया कि नासिक में मंडी की कीमतें दिल्ली से अधिक हैं, जो संभावित गुटबाजी और सट्टेबाजी की ओर इशारा करती है। सरकार के पास 1.21 लाख टन का पर्याप्त बफर स्टॉक मौजूद है, जिसे मूल्य

स्थिरीकरण कोष के तहत रखा जाता है।

यह कदम त्योहारी मांग, मौसमी बाधाओं और आपूर्ति-श्रृंखला की चुनौतियों के कारण अगस्त-सितंबर में आमतौर पर होने वाली कीमतों में वृद्धि से निपटने के लिए उठाया गया है।

कांदा एक्सप्रेस पहल, जो पहले भी सफलतापूर्वक बड़े पैमाने पर प्याज के स्टॉक को वितरित कर चुकी है, इस वर्ष भी कीमतों को स्थिर करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

जापान के साथ बढ़ता व्यापार घाटा चिंताजनक: फिक्की अध्यक्ष

गोयनका ने जापानी बाजार में भारतीय निर्यातकों के लिए पहुंच बढ़ाने की मांग की

नई दिल्ली ।

उद्योग मंडल फिक्की के अध्यक्ष अनंत गोयनका ने जापान के साथ भारत के बढ़ते व्यापार घाटे पर गंभीर चिंता व्यक्त की है। उन्होंने भारतीय निर्यातकों के लिए जापानी बाजार तक पहुंच को आसान बनाने और देश में भारतीय प्रमाणपत्रों को अधिक मान्यता दिए जाने की पुरजोर वकालत की। गोयनका ने कहा कि मौजूदा कड़े प्रमाणन और नियामकीय मानदंड भारतीय कंपनियों, खासकर दवा क्षेत्र के लिए बड़ी बाधाएं हैं। फिक्की अध्यक्ष अनंत गोयनका के अनुसार, जापान के साथ भारत का व्यापार घाटा लगातार बढ़ रहा है, जो 2025-26 में रिकॉर्ड 15.4 अरब डॉलर तक पहुंच गया है, जबकि 2024-25 में यह 12.66 अरब डॉलर था।उन्होंने इस एकतरफा व्यापार वृद्धि पर चिंता जताते हुए कहा कि भारतीय निर्यातकों को जापानी बाजार में प्रवेश करने में लगातार दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। गोयनका ने विशेष रूप से भारतीय प्रमाणपत्रों को जापान में मान्यता न मिलने और कड़े नियामकीय मानदंडों को प्रमुख बाधा बताया। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि भारतीय दवा कंपनियां तो जापान में अपने उत्पादों का पंजीकरण तक नहीं करा पा रही हैं। गोयनका ने जापानी बाजार में उत्पादों की खरीद के लिए सांस्कृतिक पक्षपात का भी उल्लेख किया, जिससे भारतीय कंपनियों के लिए प्रतिस्पर्धा करना मुश्किल हो जाता है। उन्होंने कहा कि इन बाधाओं को दूर करना द्विपक्षीय व्यापार को संतुलित करने और भारतीय कंपनियों को अवसर तलाशने में मदद करने के लिए महत्वपूर्ण होगा। हालांकि, गोयनका ने उच्च प्रौद्योगिकी विनिर्माण, कृत्रिम मेधा, डेटा केंद्र, जहाज निर्माण, महत्वपूर्ण खनिज, इस्पात और सेमीकंडक्टर जैसे क्षेत्रों में भारत और जापान के बीच सहयोग की व्यापक संभावनाओं पर भी प्रकाश डाला।

रुपया बढ़त पर बंद

मुंबई।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले मंगलवार को भारतीय रुपया 30 पैसे की गिरावट के साथ ही 95.40 पर बंद हुआ। वहीं गत दिवस ये 95.70 पर बंद हुआ था। इससे पहले आज सुबह शुरुआती कारोबार में रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले चार पैसे टूटकर 95.74 पर आ गया। कच्चे तेल की ऊंची कीमतों और आयातकों की ओर से डॉलर की बढ़ती मांग के कारण घरेलू मुद्रा पर दबाव है। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि सरकारी बैंकों के जरिये भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के लगातार हस्तक्षेप से रुपये की गिरावट को अधिक बढ़ने से रोकने में मदद मिली। इससे एशियाई शेयर बाजारों में कमजोरी और ईरान को लेकर फिर बढ़ी भू-राजनीतिक अनिश्चितता के बावजूद रुपया सीमित दायरे में रहा। वहीं अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 95.74 प्रति डॉलर पर खुला जो पिछले बंद भाव से चार पैसे की गिरावट है।

टीसीएस ने जर्मनी की लग्जरी कार निर्माता पॉर्श के साथ की साझेदारी

टीसीएस का शेयर फिसला, ब्रोकरेज ने दिया 2,600 रुपए का टारगेट

मुंबई ।

भारतीय आईटी दिग्गज टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) ने जर्मनी की लग्जरी कार निर्माता पॉर्श के साथ एक महत्वपूर्ण रणनीतिक साझेदारी की घोषणा की है। इस डील के तहत टीसीएस पॉर्श के साथ आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) पर पांच साल तक काम करेगी और साथ ही पॉर्श की आईटी व कंसल्टिंग कंपनी एमएचपी का भी अधिग्रहण करेगी। हालांकि घोषणा के बावजूद मंगलवार को शुरुआती कारोबार में कंपनी के शेयर में हल्की गिरावट दर्ज की गई। टीसीएस और पॉर्श के बीच यह साझेदारी पांच साल के लिए हुई है, जिसकी कुल वैल्यू 1.25 अरब यूरो (करीब 11,000 करोड़ रुपये) है। इस समझौते के तहत टीसीएस पॉर्श के कारोबार में एआई के इस्तेमाल को बढ़ावा देगी। इसमें गाड़ियों की इंजीनियरिंग और मैन्युफैक्चरिंग से लेकर कंपनी के दैनिक कामकाज और ग्राहक अनुभव तक सभी पहलुओं पर ध्यान दिया जाएगा। टीसीएस इसके लिए एक विशेष एआई मोबिलिटी सेंटर भी स्थापित करेगी, जो ऑटो सेक्टर में एआई और नई तकनीकों के विकास पर केंद्रित होगा। डील का दूसरा महत्वपूर्ण हिस्सा पॉर्श की आईटी और कंसल्टिंग कंपनी का अधिग्रहण है, जिसे टीसीएस 32 करोड़ यूरो (लगभग 2,800 करोड़ रुपये) में खरीदेगी। अधिग्रहण के बाद एमएचपी पर टीसीएस का 100 फीसदी मालिकाना हक होगा, जिसमें उसकी रोमानिया, ब्रिटेन, अमेरिका, भारत और मैक्सिको में मौजूद सहायक कंपनियां भी शामिल हैं। आवश्यक मंजूरियां मिलने के बाद यह सौदा तीन से चार महीने में पूरा होने की उम्मीद है।

गेहूं उत्पादों के निर्यात से हटा प्रतिबंध, अच्छी पैदावार के बाद सरकार का फैसला

घरेलू खाद्य सुरक्षा और मूल्य नियंत्रण के लिए 2022 में लगाई गई थी रोक

नई दिल्ली ।

केंद्र सरकार ने गेहूं से बने उत्पादों की निर्यात नीति में बड़ा बदलाव करते हुए उन पर लगे प्रतिबंध हटा लिए हैं। विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार अब गेहूं या मेस्लिन आटा, मैदा, सूजी, होलमील आटा और मिश्रित गेहूं के आटे का निर्यात बिना किसी बाधा के किया जा सकेगा। यह फैसला देश में गेहूं की बेहतर उपलब्धता और रिकॉर्ड उत्पादन अनुमानों के बीच लिया गया है, जिससे घरेलू खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित होने के साथ-साथ किसानों और निर्यातकों को भी लाभ मिलने की उम्मीद है। यह निर्णय ऐसे समय में आया है जब भारत ने 2022 में गेहूं और उससे बने उत्पादों के निर्यात पर प्रतिबंध लगा दिया था। उस वक्त सरकार का मुख्य उद्देश्य देश की 1.4 अरब आबादी के लिए खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करना और घरेलू बाजार में गेहूं व आटे की बढ़ती कीमतों पर अंकुश लगाना था। 13 मई 2022 को गेहूं की निर्यात नीति को मुक्त से प्रतिबंधित श्रेणी में लाया गया था, जिसके बाद उसी साल अगस्त में गेहूं के आटे के निर्यात पर भी इसी तरह के प्रतिबंध लागू किए गए। यह कदम रूस-यूक्रेन संघर्ष के कारण वैश्विक स्तर पर गेहूं की आपूर्ति में आई बाधा और भारतीय गेहूं की बढ़ती विदेशी मांग के जवाब में उठाया गया था, जिसने घरेलू कीमतों पर भारी दबाव डाला था। हालांकि, प्रतिबंधों के बावजूद, सरकार ने कुछ विशेष गेहूं उत्पादों के निर्यात की अनुमति बनाए रखी थी। इस साल फरवरी में, बेहतर स्टॉक उपलब्धता का हवाला देते हुए, सरकार ने 25 लाख मीट्रिक टन (एलएमटी) गेहूं और अतिरिक्त 5 एलएमटी गेहूं उत्पादों के निर्यात की अनुमति दी थी। ताजा आंकड़ों के अनुसार, भारत का कुल खाद्यान्न उत्पादन रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचने का अनुमान है। मई में जारी अनुमानों के अनुसार, वर्ष 2024-25 के मुकाबले 2025-26 में कुल खाद्यान्न उत्पादन 5.3 प्रतिशत बढ़कर रिकॉर्ड 37.6563 करोड़ टन हो सकता है।

इसमें चावल का उत्पादन 15.4024 करोड़ टन और गेहूं का उत्पादन 12.0657 करोड़ टन रहने का अनुमान है, जो पिछले वर्ष की तुलना में क्रमशः 38.4 लाख टन और 27.12 लाख टन अधिक है। यह बंपर पैदावार ही निर्यात प्रतिबंध हटाने का प्रमुख कारण बनी है।

धतूरा बेचने पर एमेजान, स्विगी और बिगबास्केट के फूड लाइसेंस सस्पेंड

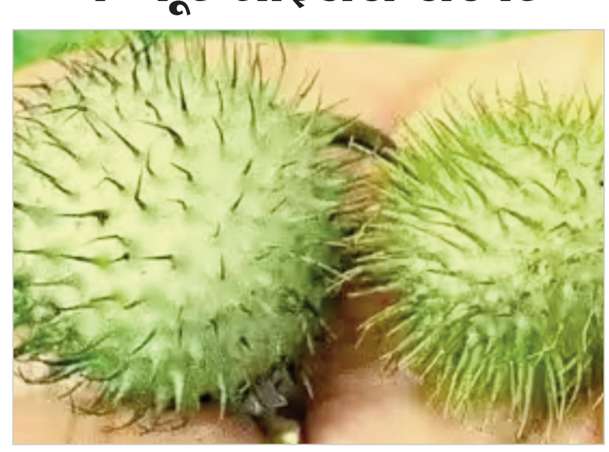

नई दिल्ली ।

कर्नाटक के खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग ने एक बड़ा कदम उठाते हुए एमेजान, `स्विगी इंस्टामार्ट और` बिग बास्केट के फूड लाइसेंस तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिए हैं। यह कार्रवाई इन ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म्स पर जहरीले धतूरे के फल और बीजों को खाद्य उत्पाद के रूप में बेचने पर की गई है, जो मानव स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा है।

विभाग की जांच में सामने आया कि धतूरे के उत्पाद एफएसएसएआई लाइसेंस या रजिस्ट्रेशन नंबर के साथ खाद्य उत्पाद के तौर पर बेचे जा रहे थे। सुनवाई में एमेजान ने कोई जवाब नहीं दिया,` स्विगी इंस्टामार्ट ने अतिरिक्त समय मांगा, जबे कि `बिगबास्केट ने बिक्री रोकने और मानव उपभोग के लिए नहीं लेबल लगाने की बात कही। हालांकि, प्राधिकरण ने इन स्पष्टीकरणों को संतोषजनक नहीं माना, क्योंकि निरीक्षण में वेयरहाउस में भी ऐसे पैकेट मिले थे।

धतूरे की जहरीली प्रकृति के कारण इसे खाद्य पदार्थ के रूप में बेचना अस्वीकार्य है। विभाग ने इन कंपनियों को धतूरे के उत्पाद से जुड़ी सभी ऑनलाइन लिस्टिंग तत्काल हटाने का निर्देश दिया है। साथ ही, उत्पाद उपलब्ध कराने वाले सप्लायर/विक्रेताओं के लाइसेंस भी निलंबित करने को कहा गया है। कंपनियों को जल्द अनुपालन रिपोर्ट दाखिल करनी होगी, जिसके बाद ही लाइसेंस बहाली पर विचार होगा। आदेश का उल्लंघन करने पर फूड सेफ्टी एंड स्टेंडर्ड एक्ट 2006 के तहत कड़ी कार्रवाई की चेतावनी दी गई है।

हॉर्मुज में फिर हमला! कच्चा तेल चढ़ा, ब्रेंट 91 डॉलर के पार

पश्चिम एशिया में तनाव से आपूर्ति पर संकट के फिर छाये बादल

नई दिल्ली ।

सोमवार की गिरावट के बाद मंगलवार को कच्चे तेल की कीमतों में एक बार फिर तेजी दर्ज की गई है। ईरान पर अमेरिकी सख्ती, हॉर्मुज जलडमरूमध्य में संभावित आपूर्ति बाधाओं और ताजा भू-राजनीतिक तनाव के चलते ब्रेंट क्रूड 91 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंच गया, जबकि डॅब्लयूटीआई क्रूड में भी उछाल देखने को मिला। बाजार की नजरें अब पश्चिम एशिया की अस्थिरता पर टिकी हैं, जहां एक तेल टैंकर पर हमले और ईरान की ताजा चेतावनियों ने आपूर्ति सुरक्षा को लेकर गंभीर चिंताएं पैदा कर दी हैं खबर लिखे जाने के समय ब्रेंट क्रूड का नवंबर वायदा 0.59 फीसदी की तेजी के साथ 91.07 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा था। वहीं डब्ल्यूटीआई क्रूड का अक्टूबर वायदा 0.73 फीसदी बढ़कर 85.63 डॉलर प्रति बैरल पर था। इस साल कच्चे तेल की कीमतों में भारी वृद्धि देखी गई है, जहां ब्रेंट क्रूड करीब 49.84 फीसदी और डब्ल्यूटीआई क्रूड लगभग 49.29 फीसदी महंगा हो चुका है, जो पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव का सीधा परिणाम है। ईरान ने 45 टैंकरों को चेतावनी दी है जिन पर उसने हॉर्मुज से गुजरते समय नियमों का उल्लंघन करने का आरोप लगाया है, जिसमें कार्गो जब्त करने जैसी कार्रवाई की धमकी भी शामिल है। वहीं, दूसरी ओर अमेरिका ने ईरान पर आर्थिक दबाव बढ़ाने की घोषणा की है। अमेरिकी ट्रेजरी सेक्रेटरी ने ईरान के साथ व्यापार करने वाले देशों को डॉलर-आधारित वित्तीय व्यवस्था तक पहुंच खोने की चेतावनी दी है।

अंतरिक्ष में भारत की निजी शक्ति एवं वैज्ञानिक सामर्थ्य की उड़ान

ललित गर्ग

आवश्यकता है कि वैज्ञानिक जिज्ञासा को उद्यमिता से, सरकारी नीति को निजी ऊर्जा से और भारतीय प्रतिभा को वैश्विक अवसरों से जोड़ा जाए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का अंतरिक्ष विजन इसी समन्वय को दिशा देता है। भारत ने धरती से चंद्रमा तक अपनी क्षमता सिद्ध कर दी है, अब चुनौती है कि वह अंतरिक्ष में अपनी वैज्ञानिक शक्ति के साथ-साथ आर्थिक, तकनीकी और मानवीय नेतृत्व की भी ऐसी छाप छोड़े, जिसे दुनिया लंबे समय तक याद रखे। यही नई अंतरिक्ष उड़ान आत्मनिर्भर भारत को विकसित भारत की व्यापक आकांक्षा से जोड़ने वाली एक महत्वपूर्ण कड़ी बन सकती है।

भारत की अंतरिक्ष यात्रा अब केवल सरकारी संस्थानों और वैज्ञानिक प्रयोगशालाओं तक सीमित नहीं रह गई है। यह यात्रा आज नवाचार, उद्यमिता, युवा प्रतिभा, निजी पूंजी और वैश्विक महत्वाकांक्षा के ऐसे संगम में बदल रही है, जिसने भारत को अंतरिक्ष महाशक्ति बनने की दिशा में एक नई गति प्रदान की है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में अंतरिक्ष क्षेत्र में निजी सहभागिता के द्वार खोलने का निर्णय इसी परिवर्तन का निर्णायक पड़ाव है। कभी जिस अंतरिक्ष क्षेत्र को लगभग पूरी तरह सरकारी नियंत्रण और संस्थागत सीमाओं के भीतर देखा जाता था, आज वहां सैकड़ों नवोदित उद्यम अपने सपनों, तकनीक और साहस के साथ नई संभावनाओं का आकाश तलाश रहे हैं। प्रधानमंत्री द्वारा भारतीय निजी अंतरिक्ष उद्यमियों से संवाद कर उन्हें प्रेरित करना केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि भविष्य के भारत की दिशा का उद्घोष है। इसमें उन्होंने जिस आत्मविश्वास के साथ भारत को विश्व की अंतरिक्ष प्रतिभा, निवेश और उद्यमिता का आकर्षण-केंद्र बनाने का सपना प्रस्तुत किया, वह भारत की बदलती वैश्विक भूमिका का भी संकेत है।

भारत की अंतरिक्ष उपलब्धियों का इतिहास अपने आप में असाधारण है। सीमित संसाधनों के बीच भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन ने जिस वैज्ञानिक अनुशासन, आत्मनिर्भरता और संकल्प का परिचय दिया, उसने दुनिया को चकित किया है। आर्यभट्ट से प्रारंभ हुई यात्रा मंगलयान तक पहुंची, चंद्रयान ने चंद्रमा के रहस्यों को समझने की भारतीय क्षमता सिद्ध की और चंद्रयान-3 ने भारत को चंद्रमा के दक्षिणी ध्रूवीय क्षेत्र में सफलतापूर्वक उतरने वाला पहला देश बनाकर इतिहास रचा। यह उपलब्धि केवल एक वैज्ञानिक सफलता नहीं थी, यह भारतीय प्रतिभा, तकनीकी आत्मविश्वास और असंभव को संभव करने की राष्ट्रीय क्षमता का प्रमाण थी। मंगलयान ने कम लागत में अंतरग्रहीय अभियान की सफलता से दुनिया को भारत की वैज्ञानिक दक्षता का परिचय दिया। आदित्य-एल1 ने सूर्य के अध्ययन की दिशा में भारत की महत्वाकांक्षा को नई ऊंचाई दी। अंतरिक्ष में मानव उपस्थिति की तैयारी से जुड़ा गगनयान अभियान भारत की अगली बड़ी छलांग का संकेत है। इस पूरी यात्रा ने यह स्पष्ट किया है कि भारत अब अंतरिक्ष विज्ञान मंद केवल उपलब्धियों का अनुकरण करने वाला देश नहीं, बल्कि नए मानदंड स्थापित करने की क्षमता रखने वाला राष्ट्र है।

इस उपलब्धि की अगली स्वाभाविक कड़ी निजी क्षेत्र की भागीदारी है। अंतरिक्ष क्षेत्र में सुधारों के बाद भारत में लगभग 440 अंतरिक्ष-प्रौद्योगिकी नवोदित उद्यमों का उभरना इस परिवर्तन की गहराई को दशार्ता है। इनमें कुछ उपग्रह निर्माण में लगे हैं, कुछ प्रक्षेपण यानों की तकनीक विकसित कर रहे हैं, कुछ अंतरिक्ष आधारित आंकड़ों के विश्लेषण, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, पृथ्वी अवलोकन, संचार, मौसम पूवार्नुमान और अंतरिक्ष मलबे के प्रबंधन जैसी अत्याधुनिक दिशाओं में काम कर रहे हैं। स्काईरूट एयरोस्पेस ने निजी क्षेत्र के रॉकेट प्रक्षेपण की दिशा में ऐतिहासिक कदम उठाया है, जबकि अग्निकुल कॉसमॉस ने स्वदेशी तकनीक और आधुनिक निर्माण पद्धतियों के माध्यम से यह दिखाया है कि भारतीय निजी उद्यम अंतरिक्ष प्रक्षेपण के कठिन क्षेत्र में भी अपनी जगह बना सकते हैं। ये प्रयास उस मानसिकता को बदल रहे हैं जिसमें अंतरिक्ष केवल वैज्ञानिक प्रतिष्ठानों का क्षेत्र माना जाता था। अब यह युवा उद्यमियों के लिए रोजगार, अनुसंधान, निवेश और वैश्विक व्यापार का नया क्षेत्र बन रहा है। इस परिवर्तन का सबसे महत्वपूर्ण पहलू यह है कि अंतरिक्ष अब केवल आकाश में उपलब्धियों का विषय नहीं, बल्कि धरती पर जीवन को बेहतर बनाने का साधन भी बन रहा है। उपग्रह आधारित सेवाएं कृषि की उत्पादकता बढ़ाने, फसल की निगरानी करने, जल संसाधनों की पहचान, मौसम की सटीक जानकारी देने, मछली पालन, वन संरक्षण और आपदा प्रबंधन में उपयोगी हो सकती हैं। बाढ़, चक्रवात, सूखा और भूस्खलन जैसी प्राकृतिक आपदाओं के समय अंतरिक्ष से प्राप्त सूचनाएं राहत और बचाव कार्यों को अधिक प्रभावी बना सकती हैं। गांवों और दूरदराज के क्षेत्रों में संचार तथा डिजिटल सेवाओं के विस्तार में भी अंतरिक्ष तकनीक महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। इसलिए भारत का अंतरिक्ष कार्यक्रम अब केवल वैज्ञानिक गौरव का विषय नहीं, बल्कि सामाजिक परिवर्तन और आर्थिक विकास का शक्तिशाली माध्यम बन रहा है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का अंतरिक्ष संबंधी दृष्टिकोण इसी व्यापक सोच पर आधारित दिखाई देता है। उनका सपना भारत को केवल अंतरिक्ष में पहुंचने वाला देश बनाना नहीं, बल्कि अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था में अग्रणी शक्ति बनाना है। वे चाहते हैं कि दुनिया की प्रतिभाएं भारत आएं, भारतीय युवा अंतरिक्ष क्षेत्र में नए विचारों के साथ आगे बढ़ें और भारत वैश्विक अंतरिक्ष कंपनियों तथा निवेशकों के लिए विश्वसनीय केंद्र बने। यह दृष्टिकोण भारत की आर्थिक शक्ति को नई दिशा दे सकता है। अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था आने वाले वर्षों में संचार, मौसम, रक्षा, कृषि, परिवहन, ऊर्जा, आपदा प्रबंधन और डिजिटल सेवाओं के साथ गहराई से जुड़ने वाली है। ऐसे में जो देश इस क्षेत्र में तकनीकी नेतृत्व स्थापित करेगा, उसकी आर्थिक और रणनीतिक शक्ति भी बढ़ेगी। निजी अंतरिक्ष उद्यमों के सामने संभावनाएं जितनी बड़ी हैं, चुनौतियां भी उतनी ही गंभीर हैं। अंतरिक्ष तकनीक में अनुसंधान और विकास के लिए भारी पूंजी चाहिए। प्रक्षेपण की असफलता का जोखिम सामान्य उद्योगों की तुलना में कहीं अधिक होता है। अत्यंत जटिल तकनीक, कठोर सुरक्षा मानक, कुशल मानव संसाधन और दीर्घकालिक निवेश की आवश्यकता इस क्षेत्र को कठिन बनाती है। इसलिए सरकार की भूमिका केवल नियम बनाने तक सीमित नहीं रह सकती। उसे ऐसी नीतियां बनानी होंगी जो नवाचार को प्रोत्साहित करें, निजी उद्यमों को परीक्षण सुविधाएं उपलब्ध कराएं, अनुसंधान संस्थानों और उद्योगों के बीच सहयोग बढ़ाएं तथा निवेशकों का विश्वास कायम रखें। अंतरिक्ष क्षेत्र की एकल खिड़की व्यवस्था और भारतीय राष्ट्रीय अंतरिक्ष संवर्धन एवं प्राधिकरण केंद्र जैसी संस्थागत व्यवस्थाएं इस दिशा में महत्वपूर्ण आधार तैयार कर रही हैं।

भारत के लिए एक और बड़ी संभावना अंतरिक्ष में लागत और दक्षता की अपनी पारंपरिक ताकत को वैश्विक बाजार से जोड़ना है। भारत ने पहले ही यह सिद्ध किया है कि सीमित लागत में उच्च गुणवत्ता वाली अंतरिक्ष सेवाएं प्रदान की जा सकती हैं। यदि यही क्षमता निजी क्षेत्र की गति, नवाचार और जोखिम उठाने की प्रवृत्ति से जुड़ती है तो भारत छोटे उपग्रहों के प्रक्षेपण, उपग्रह निर्माण, अंतरिक्ष आधारित आंकड़ों और वैश्विक अंतरिक्ष सेवाओं के क्षेत्र में बड़ा बाजार हासिल कर सकता है। इससे विदेशी मुद्रा अर्जन के साथ-साथ उच्च कौशल वाले रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे। यहां भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन का अनुभव निजी क्षेत्र के लिए अमूल्य पूंजी है। दशकों की वैज्ञानिक साधना से अर्जित ज्ञान, प्रक्षेपण तकनीक, उपग्रह निर्माण की क्षमता और मिशन प्रबंधन का अनुभव अब देश के नवोदित उद्यमों के लिए मार्गदर्शक शक्ति बन सकता है। सरकारी संस्थान और निजी उद्यम यदि प्रतिस्पर्धा के साथ सहयोग की संस्कृति विकसित करें तो भारत की अंतरिक्ष शक्ति कई गुना बढ़ सकती है। सरकार का काम रास्ता खोलना है, वैज्ञानिक संस्थानों का काम ज्ञान और अनुभव उपलब्ध कराना है और निजी क्षेत्र का काम गति, नवाचार और बाजार की शक्ति को आगे बढ़ाना है। इन तीनों का समन्वय भारत को नई ऊंचाई दे सकता है।

प्रधानमंत्री मोदी का यह आह्वान कि भारत ऐसा वातावरण बनाए जहां दुनिया भर के युवा अंतरिक्ष क्षेत्र में अपना भविष्य बनाने के लिए यहां आने की सोचें, वास्तव में प्रतिभा की वैश्विक प्रतिस्पर्धा में भारत की नई आकांक्षा को व्यक्त करता है। यह केवल रॉकेटों की संख्या बढ़ाने का लक्ष्य नहीं है, यह भारत को अंतरिक्ष आधारित ज्ञान, तकनीक और अर्थव्यवस्था का केंद्र बनाने की कल्पना है। आने वाले समय में अंतरिक्ष में भारत की सफलता का मूल्यांकन केवल कितने उपग्रह भेजे गए या कितने रॉकेट छोड़े गए, इससे नहीं होगा। असली कसौटी यह होगी कि अंतरिक्ष तकनीक ने भारतीय किसान, विद्यार्थी, उद्यमी, सैनिक, वैज्ञानिक और सामान्य नागरिक के जीवन को कितना बेहतर बनाया। भारत की अंतरिक्ष यात्रा अब उस मुकाम पर है जहां आकाश सीमा नहीं, बल्कि अवसर है। चंद्रयान-3 की चंद्र विजय से लेकर सूर्य की ओर आदित्य-एल1 की यात्रा, मंगलयान की ऐतिहासिक सफलता से लेकर मानव को अंतरिक्ष में भेजने की तैयारी और सरकारी संस्थानों से निकलकर निजी स्टार्टअप के प्रक्षेपण तक भारत ने लंबी दूरी तय की है। अब अगला अध्याय और अधिक महत्वाकांक्षी होना चाहिए। आवश्यकता है कि वैज्ञानिक जिज्ञासा को उद्यमिता से, सरकारी नीति को निजी ऊर्जा से और भारतीय प्रतिभा को वैश्विक अवसरों से जोड़ा जाए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का अंतरिक्ष विजन इसी समन्वय को दिशा देता है। भारत ने धरती से चंद्रमा तक अपनी क्षमता सिद्ध कर दी है, अब चुनौती है कि वह अंतरिक्ष में अपनी वैज्ञानिक शक्ति के साथ-साथ आर्थिक, तकनीकी और मानवीय नेतृत्व की भी ऐसी छाप छोड़े, जिसे दुनिया लंबे समय तक याद रखे। यही नई अंतरिक्ष उड़ान आत्मनिर्भर भारत को विकसित भारत की व्यापक आकांक्षा से जोड़ने वाली एक महत्वपूर्ण कड़ी बन सकती है।

संपादकीय

बीमार हैं स्कूल

देश के सरकारी स्कूलों की बदहाली किसी से छिपी नहीं है। जिस देश में एक लाख स्कूल एक ही शिक्षक के भरोसे चल रहे हों, मूलभूत शैक्षिक सुविधाओं का अभाव हो, वहां पढ़ाई का स्तर क्या होगा, अंदाज लगाना कठिन नहीं है। कुछ स्कूल जर्जर इमारतों में चल रहे हैं, कुछ पेड़ तले व बरामदों में- तो सवाल स्वाभाविक है कि सुधार क्यों नहीं होता? आखिर इन स्कूलों का सुधार हमारे नीति-नियंताओं की प्राथमिकताओं में क्यों नहीं होता? जिस शिक्षा विभाग में अधिकारियों व कर्मचारियों की पूरी फौज तैनात है, उसकी जवाबदेही तय क्यों नहीं होती? अब भले ही सरकारी स्कूलों को सीजेपी ने अपना मुद्दा बना लिया हो, लेकिन इससे पहले ही देश के कई भागों में छात्र स्कूलों में सुधार की मांग को लेकर सड़कों पर उतरे हैं। विडंबना यह है कि इन स्कूलों पर ग्रामीण, समाज के वंचित वर्गों, श्रमिकों व गरीब बच्चों की निर्भरता अधिक होती है, फलतः उनकी आवाज भी अनसुनी कर दी जाती है। यदि नेताओं और अधिकारियों के बच्चों के लिये सरकारी स्कूलों में भर्ती अनिवार्य कर दी जाती तो शायद इन स्कूलों के दिन फिर जाते। सरकारी स्कूलों का सच किसी से छिपा नहीं है। नीति आयोग के हालिया आंकड़े इस सच को अनावृत करते हैं। आयोग के आंकड़ों के मुताबिक पिछले एक दशक में पूरे देश में 94 हजार सरकारी स्कूल बंद हुए हैं। साथ ही इसी अवधि में सरकारी अनुदान प्राप्त स्कूल भी 83 हजार से घटकर 79 हजार रह गये हैं। स्कूलों में छात्रों के दाखिले में कमी का सिलसिला भी बदस्तूर जारी है। लेकिन वहीं दूसरी ओर मुनाफा कमा रहे निजी स्कूलों का कुनबा लगातार बढ़ ही रहा है। उनकी संख्या अब 2.9 लाख से बढ़कर 3.4 लाख के करीब हो गई है। यह एक हकीकत है कि सरकारी स्कूलों की स्थिति को लेकर राजनीतिक दलों की जो फिक्र सामने आ रही है, उसके निहितार्थ समझना कठिन नहीं है। इन दलों की सरकारों के दौरान भी इन स्कूलों की दिशा-दशा में कोई बड़ा बदलाव नजर नहीं आया।

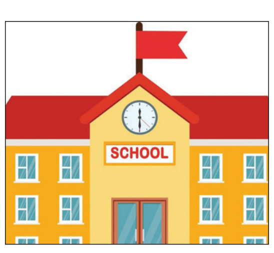

चिंता इस बात को लेकर है कि इस मुद्दे पर जो राजनीति हो रही है, कहीं उसके चलते सुधार के विमर्श पर आंच न आए। सही मायने में सरकारी स्कूलों का कायाकल्प होना चाहिए। इसमें शासन, प्रशासन, पक्ष-विपक्ष और नागरिकों की भी अहम भूमिका होनी चाहिए। नीति-नियंताओं को सोचना चाहिए कि अभिभावकों से मोटी फीस लेने वाले निजी स्कूल क्यों फल-फूल रहे हैं? सरकारी स्कूलों के पास भवन हैं, पर्याप्त जगह है, सम्मानजनक पगार वाले शिक्षक हैं और सरकारी तंत्र का समर्थन है, तो ये स्कूल पनप क्यों नहीं रहे हैं? क्यों सरकारी स्कूलों में पानी, बिजली, बेंच, टेबल व शौचालय जैसी मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध नहीं कराई जा रही हैं? बल्कि सुधारों के बजाय शिक्षकों की नियुक्ति में राजनेताओं की धांधली की खबरें अकसर मीडिया में तैरती रहती हैं। विडंबना देखिये कि पढ़ाई-लिखाई के लिये अनुकूल वातावरण की मांग को लेकर राजस्थान व उत्तर प्रदेश के कई शहरों में विद्यार्थी सड़कों पर उतरे हैं। इन बच्चों को अपने भविष्य की फिक्र थी और ये स्कूलों में गुणवत्ता का शैक्षिक वातावरण मांग रहे थे। निश्चित रूप से हमारे नीति-नियंताओं ने सरकारी स्कूलों का उद्धार करने के लिये कभी कोई बड़ा अभियान नहीं चलाया। अब जब मुद्दा तूल पकड़ रहा है तो तमाम घोषणाएं की जा रही हैं। सही मायने में प्राथमिक शिक्षा किसी भी देश के भविष्य की बुनियाद होती है। जब इन स्कूलों में बीमार भविष्य वाले नागरिक तैयार करेंगे तो देश का भला कैसे होगा? दरअसल, सरकारी स्कूल हमारे समाज में व्याप्त आर्थिक विषमता का पर्याय हैं। जो लोग अपने बच्चों को महंगे सरकारी स्कूलों में नहीं पढ़ा सकते हैं, वे ही अपने बच्चों को सरकारी स्कूलों में भेजने के लिये मजबूर हैं। लेकिन सोचने वाली बात यह कि मिड-डे-मील जैसे प्रलोभनों से ये सरकारी स्कूल कब तक अपना अस्तित्व बना पाएंगे? कहीं न कहीं इन स्कूलों की अनदेखी करके हम एक बड़ी आबादी को शिक्षा के मौलिक अधिकार से वंचित तो नहीं कर रहे हैं?

भूत को छोड़ो, वर्तमान और भविष्य की चिंता करो

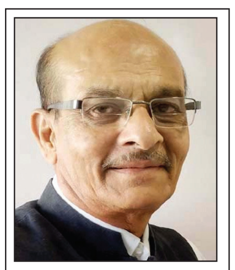

सनत जैन

भारत की राजनीति पिछले तीन दशकों से लगातार भूतों के सहारे चल रही है। कभी बोफोर्स, कभी 2जी, कभी कोयला घोटाला, कभी राम मंदिर, कभी स्वतंत्रता आंदोलन, कभी नेहरू-गांधी परिवार, कभी भारत-पाकिस्तान विभाजन और अब दशकों पुराने घटनाक्रमों की फाइलें खोलकर राजनीति को वर्तमान से हटाकर अतीत में धकेला जा रहा है। सवाल यह है, क्या भूतों को बार-बार कब्र से निकालने से देश का भविष्य बनेगा? बोफोर्स का मामला दशकों तक राजनीतिक हथियार बना रहा। जांच हुई, अरबों रुपए खर्च हुए, देश-विदेश में यात्राएं हुईं, राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप चलते रहे। अंततः फाइल बंद करना पड़ी, क्योंकि कोई भी सबूत नहीं मिला। हां राजनीति से गांधी परिवार जरूर बाहर हो गया। 1989 से लेकर 2026 तक गांधी परिवार का कोई भी सदस्य सरकार के किसी पद पर नहीं रहा। यह सत्य है। इसी तरह मनमोहन सिंह सरकार के समय लगाए गए कई बड़े घोटालों के आरोप, जांच और न्यायिक प्रक्रिया में अलग-अलग रूप में सामने आए। 2जी और कोयला आवंटन इसके उदाहरण हैं। कैग के तत्कालीन सर्वेसर्वा विनोद राय ने कथनी और करनी को लेकर क्षमा भी मांग ली। साजिश एवं राजनीति की इन घटनाओं से सबक लेने के बजाय उन्हें सत्ता तक पहुंचाने के लिए सीढ़ी बना लेने से आज देश स्वतंत्रता के समय की स्थिति में पहुंचने जा रहा है।

2012 के बाद तो जैसे अतीत ही राजनीति का सबसे बड़ा हथियार बन गया है। सवाल यह नहीं है, आज रोजगार कहां है, शिक्षा कैसी है, स्वास्थ्य व्यवस्था क्यों कमजोर है, किसानों की आय और युवाओं का भविष्य क्या होगा। करोड़ों डिग्रीधारी और असंगठित क्षेत्र के युवा बेरोजगार हैं। लाखों स्कूल बंद हो गए हैं। अनपढ़ों की जमात बढ़ती जा रही है। 35, 50 या 75 साल पहले किसने क्या गलती की थी? इस पर राजनीति हो रही है। ऐसी स्थिति में वर्तमान और भविष्य कैसे सुधरेगा? 1998 का जम्मू-कश्मीर वंधामा नरसंहार की जांच फिर से शुरू करने की चर्चा सामने आ रही है। उस घटना में 23 लोगों की हत्या हुई थी, जिनमें महिलाएं और बच्चे भी थे। अपराधियों को सजा और पीड़ितों को न्याय पहले भी दिया जा चुका है। सवाल यह है, न्याय और राजनीति के बीच की सीमा कौन तय करेगा? जो पहले हुआ है, वह सही है, या गलत है। सत्ता की लड़ाई में पुराने जख्मों को भरने के बजाय उन्हें कुरेदकर कश्मीरी पंडित बनाम मुसलमान के बीच एक नई खाई तैयार की जा रही है? भूत को न्याय देना, भूत के सहारे राजनीति करना यह दो अलग बातें हैं। जीवन का सबसे बड़ा सत्य यही है, जो चला गया, वह वापस नहीं आता। मृत्यु के बाद जीवन रुकता नहीं है। परिवार को आगे बढ़ना पड़ता है। बच्चों को भोजन चाहिए, शिक्षा चाहिए, रोजगार चाहिए। इसलिए मृत शरीर को सम्मानपूर्वक अंतिम संस्कार के रूप में विदा करके हम उसे भूलते हैं। यह कहने में कठोर लग सकता है, लेकिन यही जीवन का सत्य है। राष्ट्र भी इसी नियम से चलता है। भारत मे कब तक कब्रें खोद-खोदकर हम भूतों को निकालते रहेंगे?

आज देश में राज्य सरकार, केंद्र सरकार, स्थानीय प्रशासन और आम आदमी कर्ज बढ़ने से हैरान और परेशान है। 20 करोड़ लोगों के पास कोई काम नहीं है। रोजगार की चुनौती, कमजोर होती सार्वजनिक व्यवस्थाओं, बंद होते स्कूलों, महंगी शिक्षा, चिकित्सा और 80 करोड़ लोगों को 5 किलो अनाज, तथा सरकारी सहायता पर निर्भरता बुनियादी सवाल हैं। सामाजिक व्यवस्था धर्म और जाति के संघर्षों में उलझती जा रही है। देश की राजनीति बार-बार अतीत में लौट जाती है। जनरेशन-जी और जनरेशन-अल्फा इस राजनीति को अलग नजर से देख रही है। यह पीढ़ी मोबाइल, इंटरनेट और डिजिटल दुनिया के बीच पैदा होकर बड़ी हुई है। उसके लिए 50 साल पहले क्या हुआ, यह इतिहास है, उसके लिए आज नौकरी मिलेगी या नहीं, शिक्षा कैसी होगी, तकनीक उसके जीवन को कैसे बदलेगी, भविष्य सुरक्षित होगा या नहीं,यह उसकी वास्तविक चिंता है। नई पीढ़ी अपने मां-बाप से कह रही है, आपने जो किया, वह इतिहास बन गया है। हमारी आज की जरूरतें पूरी करें। यदि आप हमारी जरूरत पूरी नहीं कर सकते हैं, तो अपना भविष्य हम स्वयं बनाएंगे। यह संदेश सत्ता और व्यवस्था में बैठे लोगों को समझना होगा।

न्यायपालिका को भी समझना होगा। भारतीय संविधान ने मौलिक अधिकारों के साथ नागरिक अधिकार पैदा किए हैं। ध्यान रखना होगा, भूख और बेरोजगारी का कोई धर्म नहीं होता है। खाली पेट की भीड़ को धर्म एवं इतिहास नहीं, रोटी पानी की जरूरत होती है। बेरोजगार युवा को पुरानी लड़ाइयां नहीं, वर्तमान में रोजगार और नौकरी चाहिए। बीमार व्यक्ति को भाषण नहीं, चिकित्सा के लिए अस्पताल चाहिए। विद्यार्थी को अतीत की बहस नहीं, अच्छी शिक्षा के अवसर चाहिए। सत्ता में बने रहने के लिए यदि हर बार नया भूत निकाला जाएगा। एक दिन वर्तमान सत्ता इतनी कमजोर हो जाएगी। भविष्य के लिए उसके पास कुछ नही बचेगा। सबसे बड़ा खतरा यही है। भूतों के साथ रहते-रहते भूत न बन जाएं। भारत की राजनीति को अब भूत से निकालकर वर्तमान और भविष्य के लिए प्रयोग शालाओं, स्कूलों, अस्पतालों, उद्योगों और रोजगार तकनीकी और शोध के मैदान में सारी दुनिया के साथ प्रतिस्पर्धा के लिए मैदान में आना होगा। अतीत से सीखना जरूरी होता है, अतीत में रहना आत्मघाती होता है। समय गतिशील है, वर्तमान और भविष्य भी इस गतिशीलता से बदलता है। अतीत मे अटक कर वर्तमान और भविष्य को खो देते हैं। भूतों को इतिहास के पन्नों में रहने दीजिए, वर्तमान को बचाइए। भविष्य का निर्माण वर्तमान से जुड़ने पर होगा। यही वर्तमान भारत की सबसे बड़ी जरूरत है।

मदर टेरेसा: गरीबों की सांसों में बसने वाली संत

योगेश कुमार गोयल

मदर टेरेसा का नाम सुनते ही मानवता, करुणा और सेवा का पवित्र स्वरूप आंखों के सामने उभर आता है। उनका जीवन इस तथ्य का सबसे बड़ा प्रमाण है कि निस्वार्थ भाव से दूसरों के दुःख को दूर करने का संकल्प ही मनुष्य को वास्तविक अर्थों में महान बनाता है। 26 अगस्त 1910 को अल्बानिया के स्कोप्जे में एगनेस गोंझा बोयाज्यू के रूप में जन्मी इस नन्हीं बालिका ने बचपन से ही धर्म और सेवा के प्रति गहरी आस्था प्रकट की थी। जब वे केवल 12 वर्ष की थी, तभी उनके भीतर यह संकल्प जाग उठा था कि उनका जीवन केवल दूसरों की भलाई के लिए समर्पित होगा। यही संकल्प आगे चलकर उन्हें पूरी मानवता के लिए करुणा की मूर्ति बना गया।

18 वर्ष की आयु में उन्होंने 'सिस्टर्स ऑफ लोरेटो' से जुड़कर धार्मिक जीवन की ओर कदम बढ़ाए और 1929 में भारत आईं। कलकत्ता स्थित सेंट मैरी स्कूल में उन्होंने अध्यापिका के रूप में कार्य करना शुरू किया। अध्यापन कार्य के दौरान वे छात्रों को केवल पढ़ाई ही नहीं, अनुशासन और नैतिक मूल्यों का भी पाठ पढ़ाती थी किंतु धीरे-धीरे उनका मन स्कूल की चारदीवारी से बाहर रहने वाले निर्धन, रोगग्रस्त और बेसहारा लोगों की ओर अधिक खिंचने लगा। 1946 में दार्जिलिंग की यात्रा के दौरान उन्हें अपने जीवन का वास्तविक ध्येय मिला। उन्होंने महसूस किया कि उन्हें शिक्षण कार्य से ऊपर उठकर गरीबों और असहायों की सीधी सेवा करनी चाहिए। यह क्षण उनके जीवन की दिशा बदल देने वाला साबित हुआ।

कलकत्ता की झुग्गियों और गलियों में रहने वाले लोगों की असहनीय पीड़ा को देखकर उन्होंने 1950 में 'मिशनरीज ऑफ चैरिटी' की स्थापना की। इस संस्था का मुख्य उद्देश्य था सबसे गरीब, सबसे लाचार और सबसे उपेक्षित लोगों की निःस्वार्थ सेवा करना। संस्था का ध्येय वाक्य ही था, 'सबसे गरीबों में भी सबसे गरीब की सेवा।' मदर टेरेसा ने सेवा की परिभाषा केवल भोजन और दवा देने तक सीमित नहीं रखी बल्कि उनके लिए सेवा का अर्थ था पीड़ित व्यक्ति को यह अनुभव कराना कि वह अकेला नहीं है, उसे प्यार और सम्मान मिला हुआ है। यही कारण था कि वे सदैव कहा करती थी, 'हम बड़े-बड़े कार्य नहीं कर सकते लेकिन हम छोटे-छोटे कार्य बड़े प्रेम से कर सकते हैं।'

उनके आश्रमों में केवल भोजन या उपचार की सुविधा ही नहीं दी जाती थी बल्कि वहां पीड़ित व्यक्तियों को जीवन की गरिमा और आत्मसम्मान भी लौटाया जाता था। उन्होंने कुष्ठ रोगियों को समाज में सम्मान दिलाने के लिए आश्रम बनाए, अनाथ और परित्यक्त बच्चों के लिए घर खोले और मृत्युशैया पर पड़े लोगों को अंतिम क्षणों में भी प्रेम और स्नेह का अहसास कराया। उनकी संस्था धीरे-धीरे भारत ही नहीं बल्कि पूरी दुनिया में फैल गई, जिसके सैंकड़ों केंद्र आज विभिन्न देशों में मानव सेवा का कार्य कर रहे हैं। मदर टेरेसा की असाधारण सेवाओं को देखते हुए उन्हें अनेक राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कारों से सम्मानित किया गया। 1962 में भारत सरकार ने उन्हें पद्मश्री से अलंकृत किया और 1980 में 'भारत रत्न' प्रदान कर सर्वोच्च नागरिक सम्मान दिया। विश्व स्तर पर उन्हें 1979 में नोबेल शांति पुरस्कार दिया गया। इसके अतिरिक्त अनेक देशों ने उन्हें अपने सर्वोच्च सम्मानों से विभूषित किया किंतु इन सब पुरस्कारों और मान-सम्मानों के बीच भी वे सदैव विनम्र बनी रही और स्वयं को केवल ईश्वर का साधन मानती रही।

उनके जीवन और कार्यों की इतनी ऊंचाई होने के बावजूद वे आलोचनाओं से अछूती नहीं रही। कई बार उन पर धर्मांतरण के आरोप लगाए गए तो कई बार उनके आश्रमों में आधुनिक चिकित्सा सुविधाओं की कमी की बात उठाई गई किंतु यह निर्विवाद सत्य है कि मदर टेरेसा ने लाखों असहायों को आशा, सहारा और जीवन का सम्मान प्रदान किया। उनके कार्यों का व्यापक प्रभाव इसी से समझा जा सकता है कि वे समाज की उस परत तक पहुंची, जिसे प्रायः शासन और व्यवस्था भी अनदेखा कर देती थी। 5 सितंबर 1997 को 87 वर्ष की आयु में जब उनका निधन हुआ, तब समूचे विश्व ने उन्हें खोने का दुःख अनुभव किया। उनके अंतिम संस्कार में दुनिया के अनेक देशों के नेता उपस्थित हुए और भारत ने उन्हें राजकीय सम्मान के साथ विदाई दी। उनकी मृत्यु के बाद भी उनकी संस्था 'मिशनरीज ऑफ चैरिटी' उसी निष्ठा से मानवता की सेवा में कार्यरत है। 2016 में पोप फ्रांसिस ने उन्हें संत की उपाधि प्रदान की, जिससे उनका जीवन एक वैश्विक आध्यात्मिक प्रेरणा का प्रतीक बन गया। मदर टेरेसा का जीवन इस तथ्य को रेखांकित करता है कि वास्तविक महानता किसी पद, संपत्ति या शक्ति में नहीं बल्कि निस्वार्थ सेवा और करुणा में निहित है। उन्होंने यह साबित किया कि जब तक हम दूसरों के दुःख को अपना नहीं मानते, तब तक जीवन का सही अर्थ अधूरा रहता है। आज जब दुनिया हिंसा, असमानता और स्वार्थ की चपेट में है, तब मदर टेरेसा का संदेश पहले से कहीं अधिक प्रासंगिक हो उठता है। उन्होंने सिखाया कि प्रेम और करुणा ही वह शक्ति है, जो मानवता को जोड़ सकती है। उन्होंने धर्म, जाति और भाषा की सीमाओं से परे जाकर यह बताया कि इंसानियत ही सबसे बड़ा धर्म है। यही उनकी सबसे बड़ी विरासत है, जिसे आगे बढ़ाना हर व्यक्ति का कर्त्तव्य है। मदर टेरेसा की जयंती का अवसर केवल स्मरण का नहीं बल्कि आत्ममंथन का अवसर है, जो हमें यह सोचने पर विवश करता है कि हम अपने जीवन में कितना समय और कितनी संवेदनशीलता समाज के जरूरतमंदों के लिए समर्पित करते हैं। यदि हर व्यक्ति अपने आसपास के जरूरतमंदों के लिए थोड़ा-सा भी प्रयास करे तो समाज में फैली असमानता और पीड़ा काफी हद तक कम हो सकती है। मदर टेरेसा का जीवन हमें यही सिखाता है कि सच्चा धर्म केवल मानव सेवा है और सच्ची पूजा केवल करुणा है।

संक्षिप्त समाचार

कैब बुक करती ही आती है स्मार्ट कार, मशीन से कट जाते हैं पैसे: एआई ने कैसे बदली रोजमर्रा की जिंदगी

बीजिंग, एजेंसी। चीन में लोकप्रिय पर्यटन स्थल की सड़कों पर टहलते हुए या दफ्तर से घर लौटते वक्त अथवा शॉपिंग करते समय इन्सान का न किसी एआई डिवाइस से टकराए बिना चलना नामुमकिन हो चुका है। इनमें से कई चीजें वाकई काम की हैं। बूढ़ी होती चीनी आबादी के लिए श्रमिकों की कमी रोबोट पाट रहे हैं, बाजारों में ह्यूमनॉइड का चलन बढ़ चुका है। सड़क पर एक डिवाइस रोड पार करने वाले पैदल यात्रियों को ट्रैक कर पुलिस की मदद कर रही है। सड़क पर गलती की तो डिवाइस आपको पकड़ती है। पर्यटन स्थलों में वेंडिंग मशीन चेहरा पहचान कर वीचैट जैसे डिजिटल वॉलेट से पैसे काटती है। चीनी कंपनियां बीजिंग के इस विजन को हकीकत में बदलने की होड़ में जुट गई है। इसी का नतीजा है बढ़ते ह्यूमनॉइड्स, स्मार्ट कारें और कई तरह के रोबोट्स। यह सोच अमेरिकी सोच से इसलिए अलग है क्योंकि अमेरिका खास जगहों पर ही इस तरह के रोबोट्स का प्रयोग करता है। ह्यूमनॉइड रोबोट खुद ही ग्रॉसरी स्टोर को खुद रोबोट संभालता है। यहां तक कि आपके कूड़े को भी पहले एआई स्कैन करता है और बताता है कि वह सूखा कचरा है या गीला। उसके बाद आप सही डिब्बा चुनकर कचरा डालते हैं। सबसे बड़ी बात है कि सरकार खुद अर्थव्यवस्था को गति देने के लिए एआई को सीधे फैक्टरियों, अस्पतालों, स्कूलों और दुकानों में लगाने को प्रेरित कर रही है। जहां अमेरिकी कंपनियां ज्यादातर चैटबॉट्स और सुपरह्यूमन इंटेलिजेंस के अनिश्चित लक्ष्य पर केंद्रित हैं, वहीं चीन सरकार चाहती है कि एआई सीधे फैक्ट्रियों और दुकानों में इस्तेमाल होकर अर्थव्यवस्था को नई ताकत दे।

थाईलैंड के तीन प्रांतों में हिंसा, प्रधानमंत्री अनुतिन ने बुलाई आपात बैठक; क्या है पूरा मामला

बैंकाक, एजेंसी। थाईलैंड के प्रधानमंत्री अनुतिन चार्नविराकुल ने रविवार को वरिष्ठ सुरक्षा अधिकारियों के साथ आपात बैठक की। देश के उत्तर में पहले से ही बाढ़ का संकट बना हुआ है। इसी बीच, दक्षिण के तीन प्रांतों में रातभर एक साथ हिंसा हुई। इन इलाकों में कुछ मुस्लिम विद्रोही संगठन सरकार के खिलाफ लड़ रहे हैं और अपने इलाके के लिए अलग शासन की मांग कर रहे हैं। अनुतिन के उत्तर की ओर रवाना होने से कुछ समय पहले यह बैठक हुई। उन्हें बुरी तरह बाढ़ प्रभावित नान प्रांत का जायजा लेना था। बैठक शनिवार रात दक्षिण के सबसे आखिरी तीन प्रांतों में हुई 51 घटनाओं के बाद बुलाई गई। इनमें नाराथिवाट, पट्टानी और याला शामिल हैं। हमलावरों का सेना या पुलिस से कोई सामना नहीं हुआ। अब तक सिर्फ तीन नागरिकों के घायल होने की जानकारी है। रविवार को बताया गया कि तीनों की हालत में सुधार हो रहा है। हिंसा में मुख्य रूप से छोटे बमों का इस्तेमाल हुआ। आगजनी की गई। संपत्तियों को भी नुकसान पहुंचाया गया। सबसे बड़ा निशाना पट्टानी का 7-इलेवन स्टोर था। सोशल मीडिया पर चल रहे एक वीडियो में हथियारबंद लोग स्टोर के बाहर घूमते दिखे। ग्राहक और कर्मचारी वहां से भागते नजर आए। इसके बाद स्टोर में आग लगा दी गई।

ईरान का दावा; खोज निकाला नया गैस भंडार, 15 साल तक होगी आपूर्ति; तेल मंत्री ने क्या बताया

तेहरान, एजेंसी। ईरान ने दक्षिणी फार्स प्रांत में एक नया गैस क्षेत्र खोजने का दावा किया है। ईरान के तेल मंत्री मोहसिन पाकनेजाद ने यह जानकारी दी। ईरानी समाचार एजेंसी आईआरआईबी के मुताबिक, इस नए गैस क्षेत्र में करीब 7,500 अरब घन फीट गैस होने का अनुमान है। पाकनेजाद ने रविवार को कहा कि 7,500 अरब घन फीट गैस की खोज हुई है। उन्होंने बताया कि 73 प्रतिशत गैस निकाली जा सकती है। इसके हिसाब से करीब 5,700 अरब घन फीट गैस निकालना संभव है। उन्होंने दावा किया कि यह मात्रा दक्षिण पार्स गैस क्षेत्र के एक ब्लॉक के बराबर है और इससे 15 साल तक गैस की आपूर्ति की जा सकती है। पाकनेजाद ने कहा कि नई खोजी गई स्वीट गैस है। इसका मतलब है कि इसमें सल्फर जैसी अशुद्धियां कम होती हैं। इससे गैस क्षेत्र को विकसित करने और संचालित करने की लागत कम करने में मदद मिलेगी। उन्होंने बताया कि इस खोज में गैस कंडेनसेट भी मिला है। यह गैस के साथ निकलने वाला एक तरह का तरल ईंधन होता है। पाकनेजाद ने कहा कि इससे ईरान को अरबों डॉलर की नई संपत्ति मिल सकती है। इस बीच, शनिवार को ईरान के पेट्रोलियम मंत्रालय की समाचार एजेंसी सना ने दक्षिण पार्स गैस क्षेत्र की फेज-14 रिफाइनरी को लेकर जानकारी दी।

ट्रंप के दामाद की डेमोक्रेट नेता से मुलाकातः मध्यावधि चुनाव से पहले बढ़ी हलचल; क्या बदलेगा सियासी समीकरण

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी संसद के निचले सदन प्रतिनिधि सभा में डेमोक्रेटिक नेता हकीम जेफरीज और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दामाद व बाहरी सलाहकार जरेड कुशनर ने हाल ही में न्यूयॉर्क में निजी मुलाकात की। यह मुलाकात ऐसे समय हुई है, जब नवंबर के मध्यावधि चुनाव में यह तय होना है कि प्रतिनिधि सभा किसका नियंत्रण होगा। अगर डेमोक्रेट रिपब्लिकन से प्रतिनिधि सभा में बहुमत छीन लेते हैं, तो माना जा रहा है कि व्हाइट हाउस उनके साथ काम करने के रास्ते तलाश सकता है।

मुलाकात में किन मुद्दों पर हुई बात : न्यूयॉर्क टाइम्स ने रविवार को सबसे पहले इस मुलाकात की सूचना दी। बातचीत में आवास, आव्रजन और बढ़ती महंगाई जैसे कई मुद्दे शामिल रहे। अमेरिका में लोग बढ़ती कीमतों से परेशान हैं। डेमोक्रेट इसके लिए ट्रंप और रिपब्लिकन पार्टी को जिम्मेदार ठहराते हैं। उनका आरोप है कि सरकार महंगाई को काबू करने में नाकाम रही है। कुशनर ने जेफरीज को व्हाइट हाउस की चीफ ऑफ स्टाफ सूसी विल्स से आगे की बातचीत के लिए मिलने का सुझाव दिया। नवंबर में अगर डेमोक्रेट फिर से सत्ता में आते हैं, तो जेफरीज के हाउस स्पीकर बनने की संभावना है। जेफरीज ने रविवार को दिए बयान में इस निजी बातचीत का जिक्र नहीं किया। हालांकि, उन्होंने कहा कि रिपब्लिकन सरकार को अपनी मेरी बात मानो या रास्ता छोड़ो वाली नीति छोड़नी चाहिए। उनके मुताबिक, यह नीति अमेरिकी लोगों के लिए नाकाम रही है। न्यूयॉर्क से सांसद जेफरीज ने कहा कि इस समस्या को रोकने के लिए वे कई बार साफ कर चुके हैं कि सख्ती का तरीका काम नहीं करेगा। उन्होंने कहा कि इसका जोरदार विरोध किया जाएगा। उन्होंने सवाल किया कि क्या रिपब्लिकन भी उनके साथ आएंगे।

बहुमत खोने की चिंता क्यों : इस मुलाकात से इस बात का संकेत मिल रहा है कि रिपब्लिकन पार्टी को कांग्रेस में अपना बहुमत खोने की कितनी चिंता है। खासकर प्रतिनिधि सभा को लेकर चिंता ज्यादा है। व्हाइट हाउस भी राष्ट्रपति पर पड़ने वाले संभावित राजनीतिक असर को रोकने के लिए विपक्षी डेमोक्रेट से संपर्क बढ़ाना चाहता है।

अगर नवंबर के चुनाव में डेमोक्रेट प्रतिनिधि सभा का बहुमत हासिल कर लेते हैं, तो वे सरकार के कामकाज की कड़ी जांच कर सकते हैं। जेफरीज प्रशासन के कुछ लोगों को धोखेबाज कह चुके हैं। ऐसे में डेमोक्रेट के पास महाभियोग चलाने समेत सरकार पर दबाव बनाने के कई विकल्प होंगे।

माइक जॉनसन ने मुलाकात पर क्या कहा : ट्रंप के करीबी सहयोगी और हाउस स्पीकर माइक जॉनसन ने रविवार को इस मुलाकात के बारे में सवाल पूछे जाने पर नाराजगी जताई। उन्होंने कुशनर की भूमिका को कम करके बताया। जॉनसन ने कहा कि कुशनर अपना दांव दोनों तरफ रखते हैं। लुइसियाना से रिपब्लिकन सांसद जॉनसन ने फॉक्स न्यूज चैनल के कार्यक्रम में कहा कि प्रतिनिधि सभा में रिपब्लिकन के खिलाफ दांव लगाना ठीक नहीं होगा। जॉनसन ने कहा कि उन्हें नहीं पता कि यह मुलाकात किस बारे में थी। उन्होंने कहा कि जरेड के कई दूसरे कामों में भी हित हैं। उनके मुताबिक, कुशनर प्रशासन में सीधे तौर पर शामिल नहीं हैं, कम से कम व्हाइट हाउस के रोजमर्रा के काम में नहीं। व्हाइट हाउस ने इस मामले पर अब तक टिप्पणी नहीं की। कुशनर के प्रतिनिधि ने भी कोई जवाब नहीं दिया। कुशनर डेमोक्रेट नेताओं के लिए ट्रंप के पुराने संदेशवाहक रहे हैं। जेफरीज और कुशनर एक-दूसरे के लिए नए नहीं हैं। दोनों न्यूयॉर्क से हैं। ट्रंप के पहले कार्यकाल में दोनों ने एक अहम प्रस्ताव पर साथ काम किया था। इस प्रस्ताव में कुछ नशीली दवाओं से जुड़े अपराधों में सजा तय करने में ज्यादा लचीलापन देने का प्रावधान था। इसका मकसद संघीय जेल व्यवस्था में लंबी सजा को कम करना था।

दोनों के बीच बहुत करीबी संबंध नहीं हैं। इसके बावजूद दोनों ने संपर्क बनाए रखा है। ट्रंप लगातार जेफरीज पर हमला करते रहे हैं और डेमोक्रेटिक नेता भी उन्हें जवाब देते रहे हैं।

ट्रंप के दूसरे कार्यकाल में कुशनर की बड़ी भूमिका : ट्रंप के दूसरे कार्यकाल में कुशनर की भूमिका काफी बड़ी है। हालांकि, व्हाइट हाउस में उनके पास कोई आधिकारिक पद नहीं है। वह बाहरी सलाहकार और दूत के तौर पर काम करते हैं। खासकर विदेश में कूटनीतिक मिशनों के लिए वह यात्रा करते रहे हैं। अमेरिका और ईरान का युद्ध छठे महीने में पहुंच चुका है। राष्ट्रपति के दोबारा व्हाइट हाउस लौटने के बाद ट्रंप जेफरीज से अब तक केवल एक बार मिले हैं। उस मुलाकात में ट्रंप ने प्रतिनिधि सभा के नेता जेफरीज और न्यूयॉर्क के सीनेट डेमोक्रेटिक नेता चक शूमर को चिढ़ाया था। उन्होंने ओवल ऑफिस में दोनों के सामने मेज पर लाल रंग की मेक अमेरिका ग्रेट अगेन 2028 टोपी रखी थी।

अधिकृत देशों के होर्मुज से गुजरने वाले जहाजों से शुल्क वसूलेगा ईरान, क्या बताई वजह

तेहरान, एजेंसी। ईरान ने रविवार को कहा कि अधिकृत देशों के जो जहाज होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरेंगे, उन्हें अब तेहरान को सेवा शुल्क देना होगा। ईरान की राष्ट्रीय सुरक्षा आयोग के प्रवक्ता इब्राहिम रेजाई ने इस फैसले की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह शुल्क समुद्री, पर्यावरण और लॉजिस्टिक से जुड़ी कई तरह की सेवाओं के लिए लिया जाएगा। सरकारी प्रसारक आईआरआईबी के मुताबिक, यह फैसला होर्मुज जलडमरूमध्य की सुरक्षा और प्रगति सुनिश्चित करने के लिए रणनीतिक कार्रवाई योजना के अनुच्छेद 3 को मंजूरी मिलने के बाद लिया गया है। रेजाई ने कहा कि राष्ट्रीय सुरक्षा आयोग ने इस योजना के अनुच्छेद 3 को मंजूरी दे दी है। इसके तहत होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने की अनुमति पाने वाले देशों के जहाजों को ईरान की ओर से दी जाने वाली सेवाओं का भुगतान करना होगा।

जहाजों से किस वजहों से शुल्क लिया जाएगा : उन्होंने कहा कि इन सेवाओं में जहाजों की आवाजाही के लिए मदद, पर्यावरण से जुड़ी सेवाएं, कुछ परिस्थितियों में ईंधन, बीमा, सुरक्षा और दूसरी सेवाएं शामिल हैं। प्रवक्ता ने बताया कि भुगतान के लिए लचीली वित्तीय व्यवस्था तैयार की गई है। उन्होंने कहा कि शुल्क ईरानी रियाल या इस्लामी गणराज्य ईरान की ओर से पसंद की जाने वाली किसी दूसरी मुद्रा में लिया जा सकता है।

होर्मुज जलडमरूमध्य अब भी बंद है- रेजाई : इससे पहले शनिवार को ईरान की सर्वोच्च राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के सचिव मोहसिन रेजाई ने कहा था कि होर्मुज जलडमरूमध्य अभी भी बंद है। उन्होंने कहा था कि जब तक अमेरिका अपनी जिम्मेदारियां पूरी नहीं करता और अपना रवैया नहीं बदलता, तब तक यह जलमार्ग दोबारा नहीं खोला जाएगा। आईआरआईबी को दिए इंटरव्यू में रेजाई ने कहा कि अमेरिकी दावों के बावजूद होर्मुज जलडमरूमध्य बंद है और अमेरिका का रवैया ठीक होने तक यह नहीं खुलेगा। उन्होंने कहा कि इस बार अमेरिका को पहले अपनी जिम्मेदारियां पूरी करनी होंगी। रेजाई ने यह भी आरोप लगाया कि अमेरिका सैन्य विकल्पों से निराश हो चुका है और अब आर्थिक नाकाबंदी के जरिये ईरान पर दबाव बनाने की कोशिश कर रहा है। उन्होंने दावा किया कि इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को भरोसा दिलाया है कि आर्थिक नाकाबंदी ईरान को आत्मसमर्पण करने के लिए मजबूर कर देगी। दूसरी ओर, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने फिर होर्मुज जलडमरूमध्य पर अमेरिका के नियंत्रण का दावा किया है। उन्होंने ट्रुथ सोशल पर एक तस्वीर साझा की। इसमें होर्मुज जलडमरूमध्य को न्यू यूएस टेरिटरी यानी नया अमेरिकी क्षेत्र बताया गया है। ट्रंप ने इससे पहले 18 अगस्त को एक पोस्ट साझा की थी।

जापानी कंपनियों की पहली पसंद भारत, फिर भी कारखाने थाईलैंड में ज्यादा; क्या है रणनीति

टोक्यो, एजेंसी। जापान के लिए भारत कागज पर पहली पसंद है, कारखाने के लिए थाईलैंड। जापानी कंपनियों की पसंद में भारत भले 61.8त्न वोट के साथ पसंदीदा ठिकानों की सूची में लगातार चौथे साल शीर्ष पर है, पर जापानी कंपनियां भारत में 1400 हैं जबकि थाईलैंड में छह हजार। 11 साल में निवेश का लक्ष्य 3.5 लाख करोड़ येन (2.10 लाख करोड़ रुपये) से बढ़कर 10 लाख करोड़ येन (6 लाख करोड़ रुपये) हो गया, कंपनियों की गिनती नहीं बढ़ी। रकम के वादे काम नहीं आए, इसलिए इस बार सरकार 220 भारतीय उद्योगपतियों को सीधे जापानी कारखानों के दरवाजे पर ले जा रही है। केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल के नेतृत्व वाला यह दल सोमवार से 27 अगस्त तक जापान में रहेगा। रणनीति दौरे के नक्शे से समझ आती है। पैसा टोक्यो में है, पर कारखाना लगाने वाली कंपनियां वहां नहीं हैं। जापान की असली विनिर्माण ताकत आइची और कंसाई की उन हजारों मझोली कंपनियों में है, जो बड़ी कंपनियों को कलपुर्जे देती हैं। कोई जापानी कंपनी जब कहीं जाती है, तो आपूर्तिकर्ताओं का पूरा झुंड साथ ले जाती है। इसीलिए भारत पहली बार इंतजार के बजाय खुद उनके पास गया है। भारतीय दल नागोया में चुकेइरेन व नागोया चैंबर के साथ रोड शो करेगा, ओसाका व क्योटो में क्षेत्रीय उद्योग से जुड़ेगा।

सेमीकंडक्टर, इलेक्ट्रॉनिक्स व एआई पर गोलमेज बैठक : इस कार्यक्रम में मशीन को समझने या जानने पर जोर है। सेमीकंडक्टर, एआई और इलेक्ट्रॉनिक्स पर एक गोलमेज बैठक है, पूंजीगत वस्तुओं, मशीनरी और वाहन उद्योग पर दूसरी। दौरे का मकसद दोतरफा निवेश बढ़ाना है। इसी क्रम में भारतीय कंपनियों का जापान जाना भी अहम है, जहां अभी सिर्फ 100 भारतीय कंपनियां हैं। दल में रिलायंस के औद्योगिक नगर मेट सिटी के प्रमुख हैं, जो जापानी कंपनियों को जमीन बेचते हैं। मारुति सुजुकी है, गुजरात राज्य उर्वरक एवं रसायन है, बीमा व संपत्ति प्रबंधन कंपनियां हैं, जो जापान की सस्ती पेंशन पूंजी की तलाश में हैं, और स्टार्टअप का पूरा जत्था है।

चांद के दक्षिणी ध्रुव में भारत से पिछड़ा चीन कैसे कर रहा बराबरी की कोशिश, क्या है मिशन, कितना अहम

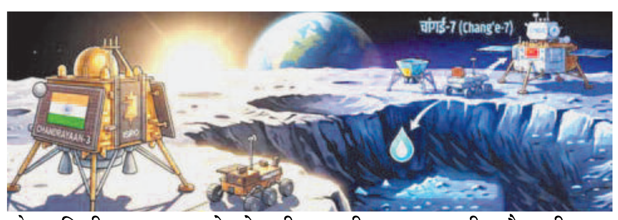

बीजिंग, एजेंसी। चीन जल्द ही चांद के लिए अपना नया चंद्र मिशन लॉन्च करने वाला है। जानकारी के मुताबिक, अपने चांगई-7 मिशन को चीन सोमवार सुबह से लेकर अगले कुछ दिनों में सही मौका देखकर लॉन्च कर सकता है। चीन का यह मिशन इस लिए भी अहम है, क्योंकि इसके जरिए वह चांद के दक्षिणी ध्रुव पर अपना रोवर उतारना चाहता है, जहां सूरज की रोशनी नहीं पहुंचती। मजेदार बात यह है कि भारत करीब तीन साल पहले ही चांद के इस इलाके में अपने रोवर की सफल लैंडिंग कराने वाला पहला देश बन चुका है। यानी चीन जिस रेस में पहले ही पिछड़ चुका है, अब वहां बराबरी की कोशिश में जुटा है।

ऐसे में यह जानना अहम है कि भारत से पिछड़ने के बावजूद चीन का यह मिशन क्यों अहम है क्यों कई देशों की अपने मिशन को चांद के दक्षिणी ध्रुव पर भेजने की कोशिशें नाकाम हो चुकी हैं अब चीन इस मिशन के जरिए क्या हासिल करना चाहता है भारत फिलहाल दक्षिणी ध्रुव पर रिसर्च के मामले में किस पड़ाव पर है आइये जानते हैं...

चांगई-7 चीन का चांद के लिए तय मानवरहित, रोबोटिक चंद्र मिशन है, जिसे अब तक का सबसे महत्वाकांक्षी और जटिल रोबोटिक मिशन माना जा रहा है। इस मिशन का मुख्य मकसद चांद के दक्षिणी ध्रुव पर मौजूद स्थायी रूप से अंधेरे क्रेटरों (गड्ढों) में बर्फ (पानी) की खोज करना और जमीन पर इनकी मौजूदगी का नक्शा बनाना है। इस मिशन को लॉन्ग मार्च-5 वाई14 रॉकेट के जरिए हेनान प्रांत के वेनचांग स्पेस लॉन्च साइट से प्रक्षेपित किया जाएगा। इसके प्रक्षेपण की संभावित समय-सीमा 24 अगस्त से 31 अगस्त 2026 के बीच की है। यह मिशन चांद के दक्षिणी ध्रुव पर मौजूद शेकलटन क्रेटर के किनारे पर उतरेगा। यह सौर मंडल के सबसे ठंडे स्थानों में से एक है, जहां तापमान -203 डिग्री सेल्सियस तक गिर सकता है। चीन के इस मिशन की खास बात यही है कि मिशन को मुख्यतः चांद की सतह पर पानी की खोज के लिए लॉन्च किया जा रहा है, इसलिए इसमें एक हॉपर भी भेजा जाएगा, जो कि ऐसा समर्पित हॉपर उपयोग करने वाला यह दुनिया का पहला मिशन होगा। अंतरराष्ट्रीय सहयोग- मिशन में विभिन्न देशों और संगठनों के उपकरण भी शामिल हैं। जैसे इटली का लेजर रेट्रोरिफ्लेक्टर, रूस का धूल संसूचक यंत्र, स्विट्जरलैंड का रेडिएशन स्पेक्ट्रोमीटर और हांगकांग विश्वविद्यालय और आईएलओए हुआवे की ओर विकसित एक कॉम्पैक्ट कैमरा आईएलओ-सी शामिल है, जो चंद्रमा की सतह से हमारी आकाशगंगा के गैलेक्टिक प्लेन की तस्वीरें लेगा। भविष्य का रास्ता- यह मिशन चीन के चंद्र अन्वेषण के चौथे चरण का हिस्सा है। यह 2030 तक चंद्रमा पर पहले चीनी मानव लैंडिंग के लिए आधार तैयार कर रहा है।

अमेरिका के जंगल में लगी भीषण आग, हजारों एकड़ इलाका खाक; 42 हजार लोगों को इलाका खाली करने के निर्देश

वॉशिंगटन, एजेंसी। नेवाडा-कैलिफोर्निया बॉर्डर के पास उत्तर-पश्चिमी नेवाडा के शहर रेनो की ओर जंगल की आग तेजी से फैल रही है। अधिकारियों के मुताबिक आग की वजह से कम से कम छह लोग घायल हो गए। अधिकारियों ने बताया कि करीब 42,000 लोगों को इलाका छोड़ने का आदेश दिया गया है। सिन्हुआ समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, यह आग शनिवार को शुरू हुई थी। अग्निशमन अधिकारियों ने रविवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि आग अब तक 13,000 एकड़ से ज्यादा क्षेत्र में फैल चुकी है। आग अभी तक पूरी तरह नियंत्रण से बाहर है।

आग से छह लोग घायल : अधिकारियों ने कहा कि घायलों में तीन आम नागरिक और तीन आपातकालीन सेवा कर्मी शामिल हैं। इसके अलावा, लगभग 45,000 लोग ऐसे क्षेत्र में हैं जहां उन्हें किसी भी समय इलाके को खाली करने की चेतावनी दी जा सकती है। अधिकारियों ने यह भी पुष्टि की कि आग में कई इमारतें और ढांचे नष्ट हो चुके हैं। रविवार को वाशो काउंटी में करीब 10,000 बिजली उपभोक्ता बिना बिजली के थे। रेनो, वाशो काउंटी का मुख्य शहर और सबसे अधिक आबादी वाला इलाका है।

तेज हवाओं ने बढ़ाई परेशानी : अधिकारियों के अनुसार, आग का व्यवहार बेहद खतरनाक और असामान्य देखा गया है। तेज हवाओं के कारण आग सूखी और आसानी से जलने वाली वनस्पतियों में बहुत तेजी से फैल रही है। नेवादा के गवर्नर जो लोम्बार्डो ने शनिवार रात वाशो काउंटी में आपातकाल की घोषणा कर दी। लोम्बार्डो ने एक बयान में कहा, यह स्थिति लगातार बदल रही है और बहुत तेजी से विकसित हो रही है। मैं प्रभावित इलाकों में रहने वाले सभी लोगों से सतर्क रहने और स्थानीय अधिकारियों के निर्देशों का पालन करने की अपील करता हूं। राज्य सरकार पूरी तरह सक्रिय है और हम स्थानीय प्रशासन तथा राहतकर्मियों के साथ मिलकर लोगों की जान बचाने, समुदायों की सुरक्षा करने और नागरिकों को खतरे से दूर रखने के लिए हर संभव संसाधन लगा रहे हैं।

पूर्व पीएम इमरान खान की जांच पर सवाल, पीटीआई ने पूछा- एंजियोग्राफी क्यों नहीं हुई शिफा अस्पताल की मांग दोहराई

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) ने पूर्व प्रधानमंत्री और पार्टी संस्थापक इमरान खान की स्वास्थ्य जांच को लेकर सरकार पर सवाल उठाए हैं। पार्टी ने मांग की है कि इमरान खान की ष्ट्ज्ञ कोरोनरी एंजियोग्राफी शिफा इंटरनेशनल अस्पताल में कराई जाए। पीटीआई ने आरोप लगाया कि पाकिस्तान इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज में डॉक्टरों की सलाह के बावजूद यह जांच नहीं कराई गई। पीटीआई के केंद्रीय सूचना सचिव शेख वकास अकरम के मुताबिक, 10 अगस्त को एक सरकारी मेडिकल बोर्ड ने इमरान खान की जांच की थी। इससे पहले के एक हृदय रोग विशेषज्ञ ने 1 अगस्त को उनकी बदलती ब्लड प्रेशर स्थिति, बेचैनी और संभावित हृदय संबंधी जटिलताओं के जोखिम को देखते हुए ष्ट्ज्ञ कोरोनरी एंजियोग्राफी की सलाह दी थी। अकरम ने कहा कि इमरान की उम्र और लंबे समय से अलगाव में रहने को देखते हुए यह जांच जरूरी मानी गई थी। उनका दावा है कि सरकारी डॉक्टरों ने भी इस जांच को चिकित्सकीय रूप से आवश्यक माना था।

पीटीआई नेता के अनुसार, इमरान खान को ले जाने के बाद भी सुझाई गई जांच नहीं की गई। अस्पताल अधिकारियों ने कथित तौर पर कहा कि इसके लिए जरूरी उपकरण उपलब्ध नहीं था। अकरम ने दावा किया कि अस्पताल के रेडियोलॉजी विभाग में ष्ट्ज्ञ स्कैनर मौजूद था और वह इस तरह की जांच करने में सक्षम था। उन्होंने कहा कि इस घटना से इमरान को समय पर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने को लेकर चिंताएं और बढ़ गई हैं। पीटीआई ने शिफा अस्पताल में इलाज की मांग क्यों की पीटीआई का कहना है कि शिफा इंटरनेशनल अस्पताल में जरूरी विशेषज्ञ और चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध हैं। पार्टी ने इमरान खान की ष्ट्ज्ञ कोरोनरी एंजियोग्राफी इसी अस्पताल में स्वतंत्र विशेषज्ञों और उनके निजी डॉक्टरों की निगरानी में कराने की मांग की है। पार्टी ने इमरान के परिवार, निजी मेडिकल टीम और कानूनी सलाहकारों को उनके सभी मेडिकल रिकॉर्ड, रिपोर्ट और जांच के नतीजे उपलब्ध कराने की भी मांग की है।

सुप्रीम कोर्ट ने इमरान को लेकर क्या आदेश दिया था : सुप्रीम कोर्ट ने 18 अगस्त को जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान को चिकित्सा जांच और इलाज के लिए दो दिनों के भीतर इस्लामाबाद स्थित शिफा इंटरनेशनल अस्पताल ले जाने का निर्देश दिया था। अदालत ने उनके इलाज के लिए एक विशेष मेडिकल बोर्ड गठित करने को भी कहा था। तीन सदस्यीय पीठ में न्यायमूर्ति शाहिद वहीद, न्यायमूर्ति नईम अख्तर अफगान और न्यायमूर्ति इश्तियाक इब्राहिम शामिल थे। पीठ इमरान के चिकित्सा उपचार, परिवार और वकीलों से मुलाकात समेत उनसे जुड़े कई मामलों की सुनवाई कर रही थी। पीटीआई के मुताबिक, सरकार ने 20 अगस्त को इमरान खान को कुछ समय के लिए पहुंचाया और मेडिकल जांच के बाद उन्हें वापस अदियाला जेल भेज दिया। सरकार ने इसके पीछे सुरक्षा कारणों का हवाला दिया था। विपक्ष ने इस कदम की आलोचना करते हुए इसे सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों का उल्लंघन बताया। यह स्पष्ट करने की मांग की है कि इमरान को शिफा इंटरनेशनल के बजाय क्यों ले जाया गया और डॉक्टरों द्वारा सुझाई गई कोरोनरी एंजियोग्राफी क्यों नहीं कराई गई।

ईरान के खिलाफ अमेरिका का 'इकोनॉमिक डी-डे'; तेहरान बोला- नहीं जाने देंगे तेल की एक भी बूंद

तेहरान, एजेंसी। अमेरिकी ट्रेजरी सेक्रेटरी स्कॉट बेसेंट ने रविवार को कहा कि ट्रंप प्रशासन ईरान के खिलाफ अपने अभियान के 'आखिरी चरण' में प्रवेश कर रहा है। उन्होंने ईरान की आर्थिक जीवन-रेखाओं को काटने के मकसद से 'इकोनॉमिक डी-डे' शुरू करने की घोषणा की। बेसेंट के मुताबिक, यह किसी दुश्मन देश के खिलाफ अब तक का सबसे बड़ा वित्तीय हमला होगा। एक्स पर एक पोस्ट में बेसेंट ने कहा, राष्ट्रपति ट्रंप ने ईरान की सैन्य क्षमताओं को खत्म कर दिया है, उसकी लगभग 100 प्रतिशत सैन्य फैक्ट्रियों को नष्ट कर दिया है और उसके परमाणु कार्यक्रम को खत्म कर दिया है। अब हम आखिरी चरण में प्रवेश कर रहे हैं। सुबह एक आर्थिक डी-डे की शुरुआत होगी यह किसी दुश्मन के खिलाफ अब तक का सबसे बड़ा वित्तीय हमला होगा।

'सुरक्षा गारंटी' को लेकर ईरान पर गंभीर आरोप : बेसेंट ने ईरान पर सुरक्षा गारंटी का इस्तेमाल 'वसूली' के तौर पर करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि तेहरान इस धारणा पर टिका हुआ था कि ईरानी जवाबी कार्रवाई तय है, जबकि अमेरिका की सख्ती पर बातचीत की जा सकती है। इस्लामिक रिपब्लिक ने वसूली को सुरक्षा गारंटी का रूप देकर अपना अस्तित्व बनाए रखा है। इसे इस सोच से ताकत मिली है कि ईरानी जवाबी कार्रवाई तो तय है और अमेरिकी सख्ती पर बातचीत की जा सकती है। राष्ट्रपति ट्रंप के कार्यकाल में वह दौर खत्म हो गया है। और जो लोग तेहरान का विरोध करने के खतरे से डरते हैं, उन्हें वॉशिंगटन को आजमाने की कीमत को कम नहीं आंकना चाहिए।

'हर एजेंसी और हर अधिकार का इस्तेमाल होगा' : बेसेंट ने कहा कि ट्रंप ने अमेरिकी सरकार के लिए ईरान के खिलाफ अपनी सभी शक्तियों का इस्तेमाल करने की परिस्थितियां तैयार कर दी हैं। राष्ट्रपति ने हर एजेंसी, हर अधिकार और ऐसी कार्रवाई का इस्तेमाल करने की परिस्थितियां बना दी हैं, जिनके बारे में कई लोगों को लगता था कि हम कभी उनका इस्तेमाल नहीं करेंगे। हमारा मकसद उस अत्याचारी शासन को बनाए रखने वाली हर आर्थिक जीवन-रेखा को काटना है, ताकि तेहरान अकेला पड़ जाए।

आर्थिक युद्ध जारी रहा तो तेल निर्यात बंद : इस बीच, ईरान की सर्वोच्च राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के सचिव मोहसेन रेज़ाई ने सोमवार को चेतावनी दी कि अगर ईरान के खिलाफ अमेरिका का 'आर्थिक युद्ध' जारी रहता है, तो तेहरान होर्मुज जलडमरूमध्य और फारस की खाड़ी में अन्य जगहों से तेल का पूरा निर्यात रोक सकता है। रेजाई ने एक्स पर एक पोस्ट में यह भी चेतावनी दी कि तेहरान के खिलाफ अमेरिकी आर्थिक अभियान का समर्थन करने या उसमें भाग लेने वाले किसी भी देश के कदम को ईरान 'युद्ध की कार्रवाई' मानेगा। अगर आर्थिक युद्ध जारी रहता है, तो तेल की एक भी बूंद एक्सपोर्ट नहीं की जाएगी न तो होर्मुज जलडमरूमध्य से और न ही फारस की खाड़ी में कहीं से भी। ईरान किसी भी देश की अमेरिका के आर्थिक युद्ध में भागीदारी या समर्थन को जो ईरानी लोगों के खिलाफ है युद्ध की कार्रवाई मानेगा। यह चेतावनी ऐसे समय आई है जब तेहरान और वॉशिंगटन के बीच तनाव लगातार बढ़ रहा है और अमेरिका ईरान पर और सख्त आर्थिक प्रतिबंध लगाने की तैयारी कर रहा है।

घालीबाफ ने अमेरिकी प्रतिबंधों का उड़ाया मजाक : इससे पहले रविवार को ईरानी संसद के स्पीकर मोहम्मद बाघेर घालीबाफ ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से नए आर्थिक प्रतिबंधों की धमकी के बाद अमेरिका पर तंज कसा। उन्होंने व्यंग्यात्मक अंदाज में कहा कि कठोर आर्थिक प्रतिबंधों का असर अंततः उल्टा पड़ सकता है। एक्स पर एक पोस्ट में घालीबाफ ने अल्पकालिक सरकारी उपायों के जरिए गहरे वित्तीय संकट से निपटने की कोशिशों की सीमाओं पर टिप्पणी की और आर्थिक दबाव के असर पर व्यंग्य किया। उन्होंने कहा,मांस की कीमतों को नियंत्रित करने के लिए फ्रोजन मीट का आयात। ठीक है, यह काम कर सकता है। बॉन्ड के लिए क्या योजना है, क्या फ्रोजन यील्ड का आयात करेंगे आवास के लिए फ्रोजन घर खरीदार वेतन के लिए फ्रोजन पेचेक एक फ्रोजन विदेश नीति एक फ्रोजन अर्थव्यवस्था देती है। एकमात्र चीज जो अभी भी चल रही है ईरान का बूमरैंग।

सुझाव

काजल लगाते समय अपनाएं ये 5 टिप्स

ठहर जाएंगी सबकी नजरें आप पर

अच्छे आई मेकअप के बगैर आपका लुक कंप्लीट नहीं होगा। आई मेकअप की बात करें तो सबसे पहले बात काजल लगाने की आती है। काजल लगाना भी एक आर्ट है जो सबके बस की बात नहीं। ज्यादातर महिलाएं काजल को साधारण तरीके से ही लगाती हैं। पर इन टिप्स को अपना कर आपके आंखों की खूबसूरती और बढ़ जाएगी।

टोनर से साफ करें चेहरा

काजल लगाने से पहले बहुत जरूरी है कि आप अपना चेहरा टोनर से साफ कर लें। इससे त्वचा पर मौजूद तेल साफ हो जाएगा और काजल नहीं फैलेगा। पसीने से बचने के लिए चेहरे और आंखों के आसपास बर्फ भी रगड़ सकती हैं।

काजल को करें सेट

काजल को फैलने से बचाने के लिए उसे सेट कर लें। इसके ब्लैक आईशैडो पाउडर का इस्तेमाल करें। काजल का आप रोजाना यूज करती हैं तो आंखों के नीचे ट्रांसलूसेंट पाउडर लगाएं। इससे काजल लंबे समय तक टिका रहेगा।

बाहरी कोनों पर लगाएं पाउडर

लंबे समय तक काजल टिकी रहे इसके लिए अपनी आंखों के बाहरी कोनों पर अच्छी तरह पाउडर लगाएं। इससे आंखों के बाहरी कोने ड्राई हो जाएंगे। अब काजल लगाएं। काजल लगाने के बाद आइलिड पर जरा सा न्यूट्रल कलर का आईशैडो ब्रश से फैला लें। इससे काजल जल्दी सूख जाएगा और टिका रहेगा।

लॉग स्टे काजल लगाएं

अगर आंखों की खूबसूरती बरकरार रखनी है तो लंबे समय तक टिके रहने वाले काजल लगाएं। इससे आप जो भी आई मेकअप करेंगी, उसमें आपका लुक निखरकर सामने आएगा। काजल हमेशा अच्छी कंपनी का ही लगाएं।

काजल लगाने के बाद आईशैडो लगाएं

काजल लगाने के बाद वाटर लाइन के बाहर हल्का सा आईशैडो लगाएं। आईशैडो ब्रश से इसे हल्का सा मर्ज कर लें। इससे काजल फैलेगा नहीं और आंखें बहुत खूबसूरत दिखेंगी।

माताओं की नींद उड़ा देता है

निकालें खुद के लिए भी वक्त

मां बनें सुपर मॉम नहीं

दुनिया में एक नई जिंदगी लाने की खुशी अतुलनीय है, लेकिन नई जिंदगी को निखारना-संवारना-सहेजना 24 घंटे की नौकरी जैसा है। इसमें अभिभावक, खासतौर पर नई मां, थककर चूर हो जाती हैं। इसी साल की शुरुआत में किए गए एक अध्ययन से इस बात की पुष्टि हुई है कि बच्चा जब रोते, पैर पटकते इस दुनिया में कदम रखता है तो दोनों अभिभावकों, खासतौर पर मां के लिए यह एक मुश्किल भरा दौर होता है।

अध्ययन में पाया गया कि बच्चे के जन्म के बाद दोनों अभिभावकों की नींद की अवधि कम हो जाती है। अध्ययन के मुताबिक, मां तो हर रात एक घंटे की नींद खोती है। यह सिलसिला बच्चे के तीन माह का होने तक चलता रहता है।

फिर वह बच्चे को स्तनपान कराती हो या नहीं कराती हो। इसकी तुलना में पिता की हर रात की 15 मिनट की ही नींद कम होती है। शिशु की देखभाल एक बहुत ही मुश्किल काम है। लेकिन जब आपकी नींद भी पूरी न हो पा रही तो यह चुनौती और बढ़ी लगने लगती है। नींद की कमी के कारण महिलाओं में कार्डियो वेस्कुलर बीमारी का खतरा बढ़ जाता है सो अलग।

कुछ चतुराई भरे रचनात्मक विकल्प इन नई मम्मियों को नींद को पूरा करने में और स्वास्थ्य सुधारने में मदद कर सकते हैं।

अगर आप नई मां बनी हैं तो इस बात को समझने की कोशिश कीजिए कि आप बच्चे की नींद के वक्त, अवधि पर नियंत्रण नहीं कर सकतीं। बच्चों का आधी रात को उठकर रोना और उन्हें भूख लगना, बार-बार पेशाब करना बिलकुल कुदरती प्रक्रिया है। मदद लीजिए और जब आपके भरोसे के लोगों से मिल रही हो तो बेहिचक उसका स्वागत कीजिए। अपने साथी या परिवार के अन्य सदस्यों से बच्चे का कुछ देर खयाल रखने के लिए कहिए ताकि आप अपनी नींद पूरी कर सकें।

उपाय

सुबह की हवा खाइए: बच्चे की देखभाल का एक मतलब होता है आप अपना भी खयाल रखें। हमेशा चौकन्ने और सक्रिय रहें। अपने वॉकिंग शूज को आराम का मौका मत दीजिए। सुबह उठकर उन्हें पहनें और सैर के लिए निकल पड़े। कुछ चलिए, कुछ स्ट्रेचिंग कीजिए, सूरज की धूप और सुबह की ताजी हवा का मजा लीजिए। इससे आपको सुकून मिलेगा और तनाव कम होगा।

खुद के लिए वक्त निकालिए: अपनी बेहद पसंदीदा शौक की और लौटिए। बच्चे का खयाल रखते हुए भी आप इसे पूरा कर सकती हैं। अगर आप काम से मातृत्व अवकाश पर हैं तो किसी नए कौशल को सीखने या नई किताबों को पढ़कर खुद को व्यस्त रखिए। निश्चित तौर पर इसका यह मतलब नहीं है कि आपको बहुत खाली वक्त मिल रहा है।

बच्चे के भोजन और डाइपर बदलने में वक्त पंख लगाकर उड़ने लगता है। इसलिए जरूरी है कि बीच के वक्त में आप खुद के लिए कम से कम 20 मिनट का वक्त तो निकाल ही लीजिए। ऐसा आपको बच्चे के भोजन, नैपी बदलने के बीच कम के कम तीन बार करना चाहिए। वक्त सिर्फ अकेले के लिए।

सोइए जब बच्चा सोए: बच्चा आपकी जरूरतों के मुताबिक एडजस्ट नहीं करेगा, आपको ही उसकी दिनचर्या के साथ तालमेल बिठाना होगा। इसलिए कामकाज की लिस्ट को कुछ देर के लिए परे रख दीजिए। जब बच्चा सो रहा हो तो आप भी नींद ले लीजिए।

15-30 मिनट्स की यह छोटी झपकियां आपको दिनभर तरोताजा रखेंगी। निश्चित ही यह रात के वक्त की आपकी नींद की कीमत पर नहीं किया जाना है। आपका साथी या परिवार का कोई अन्य सदस्य भी डायपर्स बदल सकता है। और अगर आप बिस्तर में जाने से पहले बच्चे को बोतल से दूध पिलाती हैं तो दूसरे भी ऐसा कर सकते हैं।

कैफीन से तौबा कीजिए: कुछ सुस्ताने के लिए कॉफी या चाय का एक गरमा-गरम प्याला एक अच्छा विकल्प लग सकता है। लेकिन बेहतर होगा यदि आप इसे केवल एक कप तक ही सीमित रखें। कॉफी में बहुत ज्यादा मात्रा में कैफीन होता है और कैफीन आपकी नींद उड़ा देता है। कॉफी के अतिरिक्त घूंट आपको आपकी बेशकीमती नींद से वंचित कर सकते हैं।

सेहत

बदलते मौसम में त्वचा की चमक रखेंगे बरकरार लहसुन के ये 5 उपाय

लगभग हर भारतीय रसोई में लहसुन मौजूद होता है। लहसुन के लाभ किसी औषधि से कम नहीं हैं। हालांकि कुछ लोग इसकी तीखी महक की वजह से खाने में इसका इस्तेमाल करने से बचते हैं, जबकि लहसुन में मौजूद कई एंटीऑक्सीडेंट्स गुण मधुमेह, ह्दय रोग, पेट के संक्रमण के साथ त्वचा संबंधी कई बीमारियों से आपको दूर रखता है। आयुर्वेद में तो त्वचा की रंगत निखारने के लिए लहसुन के हजारों उपयोग बताए गए हैं। लहसुन को अपने ब्यूटी रुटिन का हिस्सा बनाकर आप भी त्वचा और बालों से जुड़ी अपनी कई परेशानियों से छुटकारा पा सकते हैं। आइए जानते हैं कैसे।

सौंदर्य निखारने के लिए अपनाएं लहसुन के ये 5 उपाय

- त्वचा में खाज-खुजली, जलन और लाल रैशेज होना आदि कुछ ऐसी समस्याएं हैं, जो लोगों को आए दिन परेशान करती हैं। अगर आप इन समस्याओं से छुटकारा पाने के लिए दवा का उपयोग नहीं करना चाहती है तो लहसुन का प्रयोग कर सकती हैं। त्वचा में जहां भी आपको ऐसी समस्या हो रही है, वहां पर लहसुन की एक कली का पेस्ट बनाकर लगा लें। इसके अलावा लहसुन के पेस्ट को दूध या मलाई में मिलाकर लगाने से भी त्वचा की हर तरह की समस्या से छुटकारा मिलता है।

- पिंपल्स से छुटकारा पाने के लिए लहसुन का उपाय बेहद कारगर है। इसके लिए आपको सफेद सिरके में लहसुन का पेस्ट डालकर उसे अच्छी तरह से मिलाना है। अब इस पेस्ट को एक्ने पर लगाकर 10 मिनट बाद चेहरा धो लें। इसके अलावा एक कच्चे लहसुन की कली चबाएं और एक गिलास ठंडा पानी पी लें। ऐसा करने से आपको काफी लाभ होगा।
- लहसुन का उपाय आपको एंटी एजिंग और झुर्रियों से बचाए रखने में भी मदद करता है। लहसुन में भारी मात्रा में एंटीऑक्सीडेंट्स पाए जाते हैं, जो झुर्रियों से लड़ने में काफी मदद करते हैं। इससे बचने के लिए सुबह खाली पेट गुनगुने पानी के साथ लहसुन की एक कच्ची कली नियमित रू प से खाकर भी बढ़ती उम्र को जवां रखा जा सकता है। इसके अलावा लहसुन के पेस्ट को किसी भी फल के रस या गुलाब जल में मिलाकर त्वचा पर लगाने से भी झुर्रियां दूर होती हैं।
- लड़कियां ही नहीं लड़के भी कई बार ब्लैकहेड और वाइटहेड की समस्या से परेशान रहते हैं। इस समस्या से निजात पाने के लिए आप हफ्ते में 2 बार अपने स्क्रब में लहसुन का पेस्ट या फिर उसका रस मिलाकर स्क्रब करेंगी तो आपकी यह परेशानी दूर हो जाएगी। इसेक अलावा संतरे के छिलके के पाउडर में लहसुन का पेस्ट मिलाकर लगाने से भी ब्लैकहेड और वाइटहेड दूर होते हैं।
- त्वचा के बाद अगर बात बालों की करें तो उनका समय से पहले सफेद होना आजकल हर दूसरे व्यक्ति की सबसे बड़ी समस्या बन चुकी है। इससे बचने के लिए लहसुन के पेस्ट को जैतून के तेल में मिलाकर गर्म कर लें और जब तक धुआं न निकले, गैस बंद न करें। अब इस पेस्ट को ठंडा कर अपने बालों की जड़ों पर लगाएं। सफेद बालों की समस्या दूर हो जाएगी।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश सफल होगी। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम को प्राथमिकता से करें। शुभांक-3-7-9

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): कारोबारी काम में बाधा उभरने से मानसिक अशांति बनी रहेगी। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। यात्रा शुभ रहेगी। मांगलिक कार्योक्रमों का आयोजन होगा। शुभांक-3-4-6

मिथुन (का की कू घ ड छ के को हा): स्वास्थ्य लाभ में समय और धन व्यय होगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। परिश्रम से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। शुभांक-3-6-9

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): पर-प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। आलस्य का त्याग करें। कारोबारी काम में नवीन तालमेल बन जाएगा। यार-दोस्तों के साथ किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। शुभांक-5-8-9

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। मित्रों से सावधान रहें तो ज्यादा उत्तम है। शुभांक-3-5-7

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। निष्ठा से किया गया कार्य पराक्रम व आत्मविश्वास बढ़ाने वाला होगा। शुभांक-3-4-8

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। खान-पान में सावधानी रखें। व्यापार में प्रगति होगी। अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। शुभांक-3-5-8

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। आलस्य का त्याग करें। पुरुषार्थ का सहारा लें। कार्यसिद्धि होने में देर नहीं लगेगी। आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा। शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। किसी मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। शुभांक-4-6-9

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। शुभांक-6-7-9

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। शत्रुपक्ष से सावधान रहें। शुभांक-5-7-9

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। साथ ही आगे के लिए रास्ता भी बन जाएगा। धार्मिक स्थलों की यात्रा का योग। दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूंजी निवेश सोच-समझकर करें। शुभांक-3-5-7

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। शुभकार्यों में अड़चनें और परिवार के बुजुर्ग-जनों से मतभेद रहेगा। शुभांक-2-4-6

काकुरो पहेली - 2568

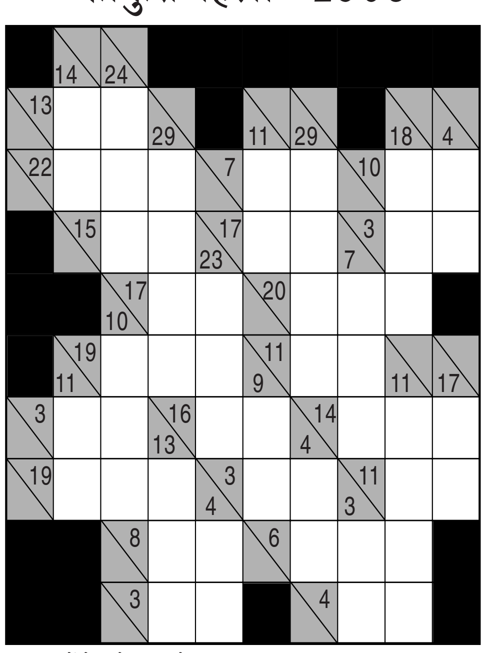

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

11 → 1 2 3 5; 7 ↓ 1 2 4

1+2+3+4+5+6=21
1+2+3+4+5+7=22
3+5+6+7+8+9=38
4+5+6+7+8+9=39

काकुरो - 2567 का हल

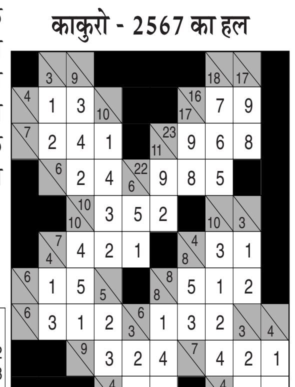

लॉफिंग ज़ोन

एक सूटबूटधारी सज्जन एक व्यस्त बाजार में कारो के बीच हाथ-पैर फैलाए लेटा हुआ था. सिपाही ने देखा तो पूछा- क्या हुआ? दौरा-वौरा पड़ गया या चक्कर आ गए?

सज्जन बोले - नहीं जी दरअसल मेरी बीवी कार लेकर यहां पहुंचने वाली है और मैं इस व्यस्त बाजार में कार पार्क करने की जगह घेरे हुए हूं.

☺ ☺ ☺

रोहित (राहुल से) - तुम स्विटरजरलैड में कहां रहे?

राहुल (रोहित से) - 'जानहेग' कस्बे में.

रोहित (राहुल से) - तुम्हे मालूम होना चाहिए कि स्विस भाषा में 'जे' का उगारण 'एच' होता है. वह 'जानहेग' नहीं 'हानहेग' है. वैसे आप वहां कब तक रहे?

राहुल (रोहित से) - हून-हुलाई तक.

☺ ☺ ☺

एक युवक पायलट के लिए इंटरव्यू देने पहुंचा. इंटरव्यू में उससे पूछा गया - आपका दिल कहीं कमजोर तो नहीं?

युवक - जी मेरा दिल तो इतना मजबूत है कि पिछले तीन सालों में मुझे तीन-तीन दिल के दौरे पड़े फिर भी मै जिंदा हूं.

युवक से फिर पूछा गया- दौरे तुम्हें कब-कब पड़े?

युवक - जी जब श्रीदेवी, माधुरी और काजोल की शादी हुई थी तब.

फिल्म वर्ग पहेली- 2568

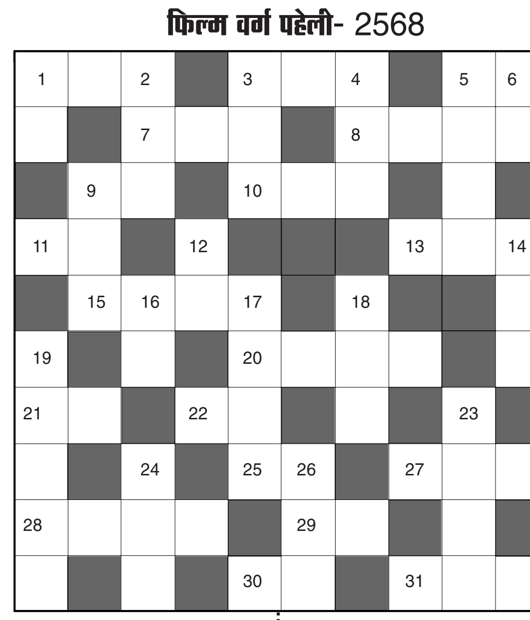

बायें से दायें:-

१. डिनो मारिया, बिपाशा बसु की 'जब दिल चुराए' गीत वाली फिल्म-३
३. 'ऐ हवा ये बता' गीत वाली धर्मेन्द्र, रेखा की फिल्म-३
५. सलमान, नगमा की 'चांदनी रात है' गीत वाली फिल्म-२
७. 'टुट गई तड़क करके' गीत वाली नाना पाटेकर, माधुरी की फिल्म-३
८. अनिल धवन, रेहाना सुल्तान की 'दिल बेचैन रहा' गीत वाली फिल्म-२,२
९. 'चाँदनी रूप की' गीत वाली संजयदत्त, सलमान खान, रवीना की फिल्म-२
१०. डैनी, विनोद मेहरा, मौसमी की 'संसार है एक' गीत वाली फिल्म-३
११. 'गाड़ी बुला रही है' गीत वाली धर्मेन्द्र, हेमा की फिल्म-२
१३. जीतेन्द्र, रामेश्वरी की 'काहे बिंदिया लगाई' गीत वाली फिल्म-३
१५. 'वो लड़की बहुत' गीत वाली अजय देवगन, नेहा धूपिया की फिल्म-४
२०. बॉबी, अक्षय खन्ना, अमीषा की 'दिल ने कर लिया' गीत वाली फिल्म-४
२१. 'मुझे साजन के' गीत वाली अनिल, जैकी, मनीषा, माधुरी की फिल्म-२
२२. सनी, सुनील, सेलिना की 'प्यार होने लगा' गीत वाली फिल्म-२
२५. 'क्या है तुम्हारा नाम' गीत वाली जैकी श्रॉफ, डिम्पल की फिल्म-२
२७. फरदीन खान, उर्मिला की 'दो प्यार करने वाले' गीत वाली फिल्म-३
२८. 'लाल लाल होठों पे' गीत वाली अजय देवगन, जूही की फिल्म-४
२९. फिल्म 'एलओसी' में अजय देवगन के साथ किस की जोड़ी है-२
३०. 'सोल्जर' में प्रीति का नायक?-२
३१. 'मेरे दिल का पता' गीत वाली राहुल राय, दीपक, पूजा की फिल्म-३

ऊपर से नीचे:-

१. 'दुनिया हसीनों का' गीत वाली बॉबी देओल, मनीषा, काजोल की फिल्म-२
२. अनिल धवन, नीतूसिंह की 'अपने दिल में जगह' गीत वाली फिल्म-३
३. 'मैं निकला' गीत वाली सनी देओल, अमीषा पटेल की फिल्म-३
४. करण दीवान, वैजयंती की 'दुनिया का मजा लेलो' गीत वाली फिल्म-३
५. 'किताबें बहुत सी' गीत वाली शाहरूख, काजोल, शिल्पा शेट्टी की फिल्म-४
६. राजेंद्रकुमार, माला सिन्हा की 'बांसुरी बजाय के' गीत वाली फिल्म-२
९. 'मिलने से पहले' गीत वाली शरद कपूर, मुकुल आनंद, सुष्मिता की फिल्म-३
१२. विवेक ओबेराय, दीया मिर्जा की 'दिल ही दिल में' गीत वाली फिल्म-२
१४. 'एक तो ये बैरी' गीत वाली दिलीपकुमार, शर्मिला की फिल्म-३
१६. रितिक, करीना की 'ए री रे एरी क्या है' गीत वाली फिल्म-२
१७. 'आपका चेहरा' गीत वाली धर्मेन्द्र, नसीर, सोनू, पल्लवी की फिल्म-४
१८. गोविंदा, ऋषिकपूर, नीलम, मीनाक्षी की 'तेरे डैडी ने दिया' गीत वाली फिल्म-३
१९. शाहरूख, सैफ, प्रीती जिंटा की 'कुछ तो हुआ है' गीत वाली फिल्म-२,१,१,१
२३. अमिताभ, सलमान, हेमा की 'चली चली फिर चली' गीत वाली फिल्म-४
२४. 'रूखी सूखी रोटी' गीत वाली फिल्म-३
२६. 'इंतहा हो गई' गीत वाली फिल्म-३

फिल्म वर्ग पहेली- 2567

सूडोकु -2568

5	9			3			8	7
8	7		1		5			
		2			9			4
	6				2		3	5
3	8		4	1	7		2	9
2	4		6				1	
7			3			8		
			5		8		7	3
9	3			2			6	1

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -2567 का हल

7	4	8	3	9	2	1	5	6
2	6	9	5	7	1	8	4	3
3	1	5	4	8	6	7	2	9
5	7	4	8	6	9	3	1	2
8	9	1	2	3	4	6	7	5
6	3	2	1	5	7	4	9	8
4	8	7	6	2	5	9	3	1
9	2	6	7	1	3	5	8	4
1	5	3	9	4	8	2	6	7

शब्द पहेली - 2568

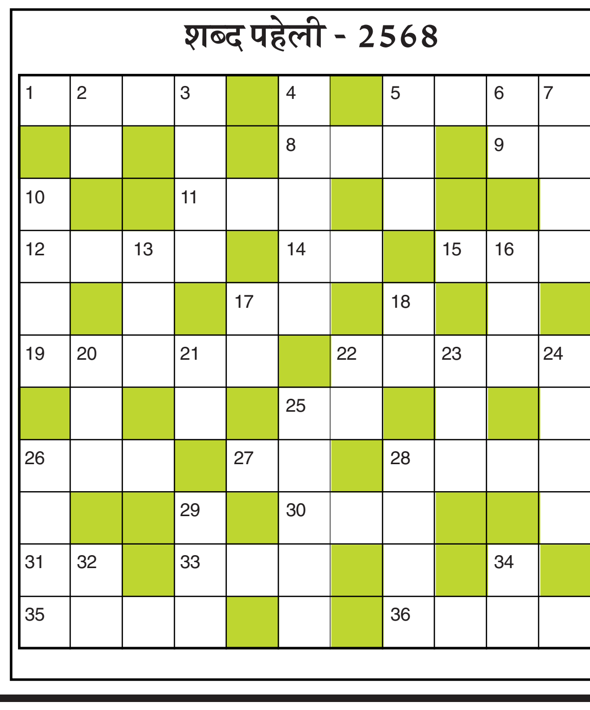

बाएँ से दाएँ

1.आदत से मजबूर-4
5.एक वाद्य यंत्र (अंग्रेजी-4)
8.हवा,समीर-3
9.रुष्ट,गुस्सा होना-2
11.सफेद,श्वेत-3
12.हमेशा,सदैव-4
14.मस्तूल, नाव पर बांधा जाने वाला कपड़ा-2
15.सिर्फ,महज-3
17.अनाज का कण-2
19.आधुनिक,नया-5
22.एक प्रकार का मसाला, अजमोदा-5
25.सदैव-2
26.ध्वजा-3
27.अधिकार-2
28.असमकक्ष-4
30.चिलमन,नकाब-3
31.वायु रोग-2
33.नल,टोंटी-3
35.आवश्यकता-4
36.शमशीर-4

ऊपर से नीचे

2.राजनीतिक पार्टी-2
3.नीच,अपराधी-4
4.बिजली कौंधना-5
5.बंदर,मर्कट-3
6.जूं का अंडा-2
7.दक्षता,होशियारी-4
10.उपकार,दया भार-4
13.कुचलना,दबाना-3
16.आमदनी-3
17.मूल्य,कीमत-2
18.वाद्य यंत्र-2
20.बहादुरी-3
21.इस पर रोटी सेंकते हैं-2
22.नाज,नखरा-2
23.उत्तराधिकारी-3
24.आधुनिकता-4
25.झिझकना-5
26.हौसला, ताकत-4
28.शत्रुता,दुश्मनी-4
29.हूर,परी,अप्सरा (उर्दू-3)
32.पेड़,दरख्त-2
34.औषधि-2

शब्द पहेली -2567 का हल

उपराज्यपाल ने सभी एजेंसियों को बेहतर तालमेल के साथ तेजी से काम करने के दिए निर्देश

एजेंसी
नई दिल्ली। दिल्ली के उपराज्यपाल तरनजीत सिंह संधू ने दिल्ली पुलिस, दिल्ली विकास प्राधिकरण, दिल्ली नगर निगम और दिल्ली फायर सर्विस के बीच एक समन्वय बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में सभी एजेंसियों को बेहतर तालमेल बिठाकर काम करने पर जोर दिया गया। उपराज्यपाल ने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि सभी एजेंसियां अलग-अलग काम करने के बजाय आपस में बेहतर तालमेल बिठाकर काम करेंगे और खासकर उन मामलों में जहां तेजी से और मिलकर कार्रवाई करने की जरूरत पर न। उन्होंने एक सुरक्षित, बेहतर ढंग से प्रबंधित और विकसित दिल्ली बनाने की दिशा में मुख्य नागरिक और प्रशासनिक प्राथमिकताओं पर तय समय-सीमा के भीतर काम करने, साफ जवाबदेही तय करने और जमीनी स्तर पर तेजी से नतीजे लाने के निर्देश दिए।

ओखला सब्जी मंडी में मिले 508 किलो नकली पनीर को किया गया नष्ट

नई दिल्ली। दिल्ली के खाद्य सुरक्षा विभाग ने ओखला सब्जी मंडी में चलाए गए विशेष अभियान के दौरान मिले लगभग 508 किलोग्राम नकली पनीर को नष्ट कर दिया। इस मामले में खाद्य सुरक्षा और मानक अधिनियम, 2006 और कानूनी प्रावधानों के तहत जरूरी कार्रवाई शुरू कर दी गई है। स्वास्थ्य मंत्री डॉ. पंकज कुमार सिंह ने विज्ञप्ति जारी करते हुए बताया कि पिछले दो दिनों में विभाग ने दिल्ली के अलग-अलग जिलों से खाद्य पदार्थों के 22 सैंपल भी लिए हैं। इन सैंपल को विस्तृत जांच के लिए निर्धारित प्रयोगशालाओं में भेजा गया है। टेस्ट रिपोर्ट के आधार पर 'फूड सेफ्टी एंड स्टैंडर्ड्स एक्ट' और उससे जुड़े नियमों और कानूनों के अनुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि खाद्य सुरक्षा दिल्ली सरकार की प्राथमिकता है, खासकर त्योहारों के मौसम में जब दूध से बने उत्पादों, पनीर, मिठाइयों, खाने के तेल और अन्य खाद्य पदार्थों की मांग काफी ज्यादा बढ़ जाती है।

मध्य प्रदेश के सीहोर में उमड़ा आस्था का जनसैलाब, 11 किमी लंबी कांवड़ यात्रा में गूंजे हर-हर महादेव के जयकारे

सीहोर। सावन के पवित्र महीने में मंगलवार को मध्य प्रदेश के सीहोर में आस्था का बड़ा जनसैलाब उमड़ा। सीवन नदी के तट से कुबेरेश्वरधाम तक करीब 11 किलोमीटर लंबी कांवड़ यात्रा सुबह 9 बजे शुरू हुई। यात्रा में मध्य प्रदेश के अलावा महाराष्ट्र, हरियाणा, पंजाब, उत्तर प्रदेश समेत देश के कई राज्यों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। बारिश के बीच भगवा वस्त्रों में सजे कांवड़िए हर-हर महादेव और भगवान कुबेरेश्वर महादेव के जयकारों के साथ धाम की ओर बढ़े। श्रद्धालुओं के सीहोर पहुंचने का सिलसिला सुबह हो गया था। मंगलवार सुबह करीब 5 बजे से सीवन नदी तट और आसपास के इलाकों में कांवड़ियों की भीड़ जुटने लगी। यात्रा शुरू होने के बाद सीवन नदी से लेकर कुबेरेश्वरधाम तक पूरा मार्ग श्रद्धालुओं से भरा नजर आया। श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए प्रशासन ने सीवन नदी के घाट पर एंट्री रोक दी है। सुरक्षा कारणों से कांवड़ियों को नदी में उतरने की अनुमति नहीं दी जा रही। इसके लिए पुल पर नलों के माध्यम से कांवड़ में जल भरने की व्यवस्था की गई है। श्रद्धालु यहीं से जल लेकर कुबेरेश्वरधाम के लिए रवाना हो रहे हैं। कांवड़िए कुबेरेश्वरधाम पहुंचकर सीवन नदी के जल से भगवान कुबेरेश्वर महादेव का अभिषेक करेंगे।

भोजशाला विवाद को लेकर धार बंद, बाजारों में सन्नाटा

भोपाल/धार। मध्य प्रदेश के धार स्थित ऐतिहासिक भोजशाला मामले को लेकर हिंदू संगठन के आह्वान पर मंगलवार को आधे दिन के लिए धार जिला बंद रखा गया। हिंदू संगठनों के सदस्य सुबह से ही सड़कों पर उतरे और दुकानदारों से व्यापारिक प्रतिष्ठान बंद रखने की अपील की। बंद के दौरान आवश्यक सेवाओं को मुक्त रखा गया, वहीं किसी भी अप्रिय स्थिति से निपटने के लिए प्रशासन ने संवेदनशील इलाकों में भारी पुलिस बल तैनात किया। धार जिले में ऐतिहासिक भोजशाला विवाद को लेकर हिंदू संगठन के आह्वान पर मंगलवार को आधे दिन के बंद के दौरान सुबह से ही धार शहर के प्रमुख बाजारों और व्यापारिक क्षेत्रों में दुकानें पूरी तरह बंद रहीं। इससे रोजमर्रा की तुलना में सन्नाटा पसरा नजर आया। हिंदू संगठनों से जुड़े सदस्य शहर के विभिन्न बाजारों और व्यावसायिक क्षेत्रों में पहुंचे। उन्होंने दुकानदारों से हाथ जोड़कर अपने प्रतिष्ठान बंद रखने और विरोध प्रदर्शन में सहयोग करने का अनुरोध किया। बंद का प्रभाव शहर के मुख्य बाजारों में स्पष्ट दिखाई दिया।

महाराष्ट्र पहाड़ हादसा : आईफोन नहीं, पारिवारिक कलह थी वजह

परिजनों ने नकारा अफवाहों का दौर, माता-पिता को एक देखना चाहता था बेटा

एजेंसी
मुंबई/पुणे। महाराष्ट्र में पहाड़ से कूदकर माता-पिता और बेटे की मौत के सनसनीखेज मामले में नया मोड़ सामने आया है। सोशल मीडिया और शुरुआती चर्चाओं में बेटे कुणाल द्वारा महंगे 'आईफोन' की मांग पूरी न होने पर आत्महत्या का कदम उठाने की बात कही जा रही थी, जिसे परिजनों ने सिरे से खारिज करते हुए कोरी अफवाह बताया है। कुणाल की मौसी पल्लवी ने स्पष्ट किया कि इस दुखद घटना का किसी मोबाइल फोन से कोई संबंध नहीं है और बिना सच्चाई जाने अफवाहें नहीं फैलाई जानी चाहिए। पारिवारिक सूत्रों के अनुसार, बेटा कुणाल किसी गैजेट के पीछे नहीं था, बल्कि वह केवल यह चाहता था कि उसके माता-पिता के बीच के मतभेद खत्म हो और दोनों एक साथ रहें। मामले की जांच

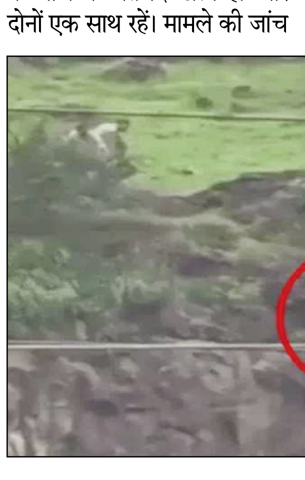

कर रहे पुलिस उपायुक्त (DCP) पंकज अतुलकर ने बताया कि परिवार में पिछले दो-तीन महीनों से आपसी विवाद चल रहा था, जिसके चलते घर में लगातार भारी तनाव और कलह की स्थिति बनी हुई थी। हालांकि, दंपति के बीच कानूनी रूप से तलाक हुआ था या नहीं, इसकी आधिकारिक पुष्टि अभी नहीं हो सकी है।

हादसे से ठीक पहले मां का भावुक वीडियो संदेश

21 अगस्त को बेटे के साथ जान गंवाने वाली मां संगीता चांदगुडे सोशल मीडिया पर काफी सक्रिय थीं और उनके यूट्यूब चैनल पर 29,000 से अधिक फॉलोअर्स थे।

वे अक्सर अपने बेटे के साथ व्लॉग्स साझा करती थीं। हादसे से महज एक दिन पहले संगीता ने अपने चैनल पर रिश्तों और प्रेम की अहमियत को लेकर एक भावुक वीडियो पोस्ट किया था। वीडियो में उन्होंने कहा था– 'जो व्यक्ति प्यार को महत्व नहीं देता, उसके लिए कुछ भी करने का कोई मतलब नहीं है।' उनका यह अंतिम वीडियो अब सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बना हुआ है।

नेमरा से शुरू हुई जेपीएससी-जेएसएससी अभ्यर्थियों की भर्ती सुधार यात्रा

24 जिलों में उठेगी पारदर्शी सिस्टम की मांग

एजेंसी
रामगढ़। झारखंड में 'जेपीएससी-जेएसएससी अभ्यर्थी न्याय मंच' की भर्ती सुधार यात्रा शुरू हुई। छात्र नेता देवेंद्र नाथ महतो ने शिबू सोरेन की मूर्ति पर फूल चढ़ाकर अभियान शुरू किया। यह यात्रा नेमरा से शुरू हुई और सभी 24 जिलों में जाएगी। यह यात्रा भ्रष्टाचार मुक्त और पारदर्शी भर्ती सिस्टम की मांग के लिए आयोजित की जा रही है।

छात्र नेता देवेंद्र नाथ महतो ने कहा, 'रस्मों के अनुसार, पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ दिशोम गुरु शिबू सोरेन, झारखंड पितामह विनोद बाबू, झारखंड आंदोलन में शहीद हुए निर्मल महतो, भगवान बिरसा मुंडा, शहीद सिदो-कान्हू, चांद-भैरव, फूलो-झानो, शहीद नीलांबर-पीतांबर, शहीद शेख भिखारी समेत हमारे सभी वीर महापुरुषों का आशीर्वाद लेकर हम 24 जिलों की भर्ती व्यवस्था सुधार यात्रा पर निकल रहे हैं। 24 जिला, 24 संकल्प, एक आवाज- भर्ती व्यवस्था में सुधार। ये हमारे लिए एक यात्रा नहीं, बल्कि एक संकल्प है, जो 26 सालों से झारखंड में सभी परीक्षाओं में गड़बड़ी, धांधली, सिफारिश, पेपर लीक, भ्रष्टाचार खत्म करना है।

उन्होंने आगे कहा कि आपने हमारे आंदोलन को देखा है। सबने भूख हड़ताल और सत्याग्रह का आंदोलन देखा है। सरकार द्वारा 17 अगस्त को ऐतिहासिक फैसला लिया गया, जिसमें 45 परीक्षाओं को लेकर कार्रवाई हुई है, जोकि स्वागत योग्य है।

हम चाहते हैं कि सरकार का जो निर्णय है, वो बना रहे। मामला कोर्ट में लंबित है। हम चाहते हैं कि सीआईडी को जो मामला दिया गया है, वो निष्पक्ष जांच करे और सरकार कोर्ट के सामने जांच रिपोर्ट को मजबूती से रखे और अपने निर्णय पर कायम रहे। आगामी अब एक भी परीक्षा में कोई धांधली न हो, इसकी गारंटी ली जाए।

राजस्थान हाई कोर्ट ने स्कूलों में जंक फूड पर रोक लगाई

एजेंसी
जयपुर। राजस्थान हाई कोर्ट ने बच्चों की सेहत, शिक्षा और सर्वांगीण विकास को ध्यान में

कैंटीन और स्कूल गेट के 50 मीटर के दायरे में बिक्री पर पाबंदी

रखते हुए पूरे राज्य में स्कूल कैंटीन और स्कूल गेट के 50 मीटर के दायरे में जंक फूड की बिक्री पर रोक लगा दी है। जस्टिस अनूप कुमार ढंड की अध्यक्षता वाली बेंच ने स्कूलों के अंदर और आसपास जंक फूड मिलने और बच्चों के स्क्रीन टाइम में हो रही बढ़ोतरी पर चिंता जताई। कोर्ट ने स्कूलों को निर्देश दिया कि वे ज्यादा फैट, शुगर और नमक (एचएफएसएस) वाले खाद्य पदार्थों की बिक्री पर सख्ती से रोक लगाएं। इनमें कार्बोनेटेड ड्रिंक्स, चिप्स, ट्रांस फैट वाले बेकरी प्रोडक्ट्स और अन्य जंक

फूड शामिल हैं। नियमों का पालन सुनिश्चित करने के लिए डिस्ट्रिक्ट मजिस्ट्रेट और ब्लॉक एजुकेशन ऑफिसर्स को हर महीने निरीक्षण करने का निर्देश दिया गया है। कोर्ट ने कहा कि स्कूलों में सुरक्षित और संतुलित भोजन के लिए 2020 में गाइडलाइंस बनाई गई थीं, लेकिन छह साल से ज्यादा समय बीतने के बाद भी उनका असरदार तरीके से पालन नहीं हो रहा है। नियमों का पालन मजबूत करने के लिए हर स्कूल को चार हफ्ते के अंदर 'स्कूल फ़ूड सेफ्टी एंड न्यूट्रिशन कमेटी' बनानी होगी।

स्कूलों को यह भी निर्देश दिया गया है कि वे आठ सप्ताह के अंदर एक मेन्यू बोर्ड लगाएं, जिसमें कैंटीन में बिकने वाले खाने-पीने की चीजों की कैलोरी, सामग्री और पोषण संबंधी जानकारी दी गई हो।

कोर्ट ने अधिकारियों को यह भी निर्देश दिया कि वे पक्का करें कि मिड-डे मील और दूसरी पोषण योजनाओं में तय संतुलित आहार के मानकों का पालन हो, ताकि बच्चों को मोटापे और जीवनशैली से जुड़ी बीमारियों से बचाया जा सके। हाई कोर्ट ने शिक्षा में टेक्नोलॉजी और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के इस्तेमाल की जरूरत पर भी जोर दिया, साथ ही यह भी कहा कि ये टूल्स सीखने के बुनियादी तरीकों की जगह न लें। कोर्ट ने बच्चों की बुनियादी शिक्षा के हिस्से के तौर पर हाथ से लिखने, किताबें पढ़ने, नोट्स बनाने और लिखित परीक्षाओं के महत्व पर जोर दिया।

सीजेपी हिंसा मामलाः जांच समिति के पुनर्गठन की मांग पर सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल

एसजी तुषार मेहता बोले- यह कोई राजनीतिक मंच नहीं

एजेंसी
नई दिल्ली। दिल्ली के जंतर-मंतर पर कॉकरोच जनता पार्टी के नेतृत्व में हुए प्रदर्शनों के दौरान पुलिस पर कथित ज्यादती के आरोप लगे थे। कोर्ट ने इन आरोपों की जांच के लिए एक हाई लेवल कमेटी बनाने का आदेश दिया था। हालांकि, अब इस कमेटी के पुनर्गठन की मांग को लेकर सुप्रीम कोर्ट में एक आवेदन दायर किया गया है। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्य बागची और जस्टिस वी मोहना की बेंच के सामने इस मामले का जिक्र किया गया। याचिकाकर्ता की ओर से पेश हुए वरिष्ठ वकील शंकरनारायण ने आवेदन के विषय का उल्लेख नहीं किया, लेकिन सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने इसे शरारती आवेदन बताया। लाइव लॉ की रिपोर्ट के मुताबिक, सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा, 'यह शरारतपूर्ण है। याचिका में समिति का पुनर्गठन करने और इस-उस मंत्री की जांच करने की मांग की गई है। यह कोई राजनीतिक मंच नहीं है। उन्होंने न्यायाधीशों के नाम दिए हैं। ' इसके बाद मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने कहा, 'हम न्यायाधीशों के नामों का उल्लेख पसंद नहीं करते।' वकील शंकरनारायण ने जवाब देते हुए कहा, 'मैंने बस इतना कहा कि आवेदन सूचीबद्ध किया जा सकता है। मैं किसी का नाम नहीं ले रहा हूं। आवेदन सूचीबद्ध होने पर भी, मैं किसी का नाम नहीं लूंगा, जैसा कि मैंने पिछली बार नहीं किया था। हममें से किसी ने भी नाम नहीं लिया। हमने हार मान ली और कोशिश की। इन चीजों को करने का एक तरीका होता है। इसलिए हम बस इतना अनुरोध करते हैं कि आवेदन सूचीबद्ध किया जाए। बस इतना ही।'

मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि न्यायालय ने सर्वश्रेष्ठ उपलब्ध व्यक्तियों का चयन किया है। याचिकाकर्ताओं की आशंकाओं को दूर करते हुए मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि समिति सुप्रीम कोर्ट की देखरेख में और सभी पक्षों के सहयोग से काम कर रही है। मुख्य न्यायाधीश ने आवेदन को सूचीबद्ध करने पर सहमति जाहिर करते हुए कहा, 'जो भी काम करेगा, वह हमारी देखरेख में काम करेगा।'

मदरसा गरीबों का शेल्टर होम नहीं, शिक्षा की पवित्र जगह है : आलोक कुमार

एजेंसी
नई दिल्ली। यूपी के 558 अनुदानित मदरसों में गड़बड़ियों की जांच के आदेश पर विश्व हिंदू परिषद के अध्यक्ष आलोक कुमार ने योगी सरकार का समर्थन किया। उन्होंने कहा कि मदरसा गरीब बच्चों का शेल्टर होम नहीं, बल्कि पढ़ाई की पवित्र जगह है, इसलिए वहां सुविधाएं और साफ-सफाई होनी चाहिए और जो असली हैं, उन्हें जांच से ऐतराज नहीं होगा। उन्होंने अयोध्या में कांग्रेस की मछली दावत और मुंबई में गणपति जुलूस पर अंडे फेंके जाने की घटना पर भी प्रतिक्रिया दी। उत्तर प्रदेश के 558 अनुदानित मदरसों में कथित गड़बड़ियों की जांच के आदेश पर विश्व हिंदू परिषद के अध्यक्ष आलोक कुमार ने कहा, 'जो लोग असली हैं, उन्हें जांच से कोई ऐतराज नहीं होगा। जहां भी मदरसे में पढ़ाई ठीक से हो रही है, वहां बेसिक सुविधाएं हैं, साफ-सुथरा किचन है, पढ़ने के लिए काफी जगह है और रात में छात्रों के सोने का इंतजाम है। ' उन्होंने कहा कि यह आदेश सही है क्योंकि मदरसा गरीब बच्चों का शेल्टर होम नहीं है। इसे पढ़ाई के लिए पवित्र जगह माना जाना चाहिए। मदरसे चलाने वालों की यह जिम्मेदारी है कि वे अपने छात्रों के लिए अच्छे इंतजाम करें। हम योगी जी के आदेश का समर्थन करते हैं।

यूपी के 558 अनुदानित मदरसों में गड़बड़ियों की जांच के आदेश पर विश्व हिंदू परिषद के अध्यक्ष आलोक कुमार ने योगी सरकार का समर्थन किया

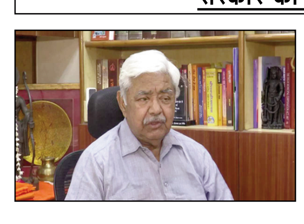

वहीं, अयोध्या में कांग्रेस के यूपी इकाई के अध्यक्ष अजय राय के स्वागत समारोह के दौरान रखी गई मछली की दावत पर आलोक कुमार ने कहा, 'मुझे लगता है कि कांग्रेस नेता आजकल खुद को भगवान राम का भक्त दिखाने की बहुत कोशिश कर रहे हैं और वे अयोध्या की घटनाओं से काफी परेशान भी हैं। अजय राय पहले भी अयोध्या गए थे, लेकिन उन्हें रोक दिया गया था, और उन्होंने कहा कि उन्हें पूजा करने और दर्शन करने से रोका जा रहा है। '

विरोध प्रदर्शन के लोकतांत्रिक अधिकार को कुचलना चाहती है हेमंत सरकार : बाबूलाल मरांडी

एजेंसी
रांची। झारखंड विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष और भाजपा नेता बाबूलाल मरांडी ने हेमंत सरकार पर छात्रों के विरोध प्रदर्शन के लोकतांत्रिक अधिकार को कुचलने का आरोप लगाया। उन्होंने सरकार और संबंधित मजिस्ट्रेटों को चेतावनी दी कि 21 अगस्त को छात्रों के पुतला दहन कार्यक्रम के दौरान कथित रूप से मारपीट करने वाले झामुमो कार्यकर्ताओं के खिलाफ एफआईआर दर्ज नहीं हुई तो 25 अगस्त से भाजपा संबंधित मजिस्ट्रेटों का घेराव करेगी। बाबूलाल मरांडी छात्रा प्रतिमा कुमारी के साथ बदसलूकी के मामले में उनके साथ कोतवाली थाना पहुंचे। छात्रा ने आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग करते हुए लिखित शिकायत दी और एफआईआर दर्ज कराने की मांग की। थाने से बाहर निकलने के बाद मीडिया से बातचीत में मरांडी ने आरोप लगाया कि 21 अगस्त को छात्रों के पूर्व निर्धारित पुतला दहन कार्यक्रम के दौरान रांची,

झारखंड विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष और भाजपा नेता बाबूलाल मरांडी ने हेमंत सरकार पर छात्रों के विरोध प्रदर्शन के लोकतांत्रिक अधिकार को कुचलने का आरोप लगाया

गिरिडीह, हजारीबाग, रामगढ़ और गढ़वा सहित कई जिलों में झामुमो कार्यकर्ताओं ने छात्रों के साथ मारपीट की। शिक्षिका के पहनावे पर टिप्पणी से जुड़े केस में स्वास्थ्य मंत्री इरफान ने कोर्ट में किया सरेंडर, मिली जमानत उन्होंने आरोप लगाया कि कई जगह झामुमो नेता और जिला अध्यक्ष लाठी-डंडे लेकर छात्रों की पिटाई करते देखे गए। उन्होंने कहा कि पुतला दहन कार्यक्रम के लिए हर जगह मजिस्ट्रेट नियुक्त किए गए थे। इसके बावजूद कथित रूप से हमला करने वाले झामुमो कार्यकर्ताओं पर कार्रवाई नहीं की गई और शांतिपूर्ण आंदोलन करने वाले छात्रों के खिलाफ मामले दर्ज किए जा रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि पुलिस छात्रों के घर जाकर उन्हें डराने-धमकाने का काम कर रही है।

मरांडी ने कहा कि सरकार और मजिस्ट्रेटों के पास अभी भी कार्रवाई करने का समय है। उन्होंने कहा कि यदि कथित हमलावरों के खिलाफ एफआईआर दर्ज नहीं की गई तो 25 अगस्त से भाजपा संबंधित मजिस्ट्रेटों का घेराव करेगी और उनसे जवाब मांगेगी कि लाठी-डंडे लेकर प्रदर्शनकारियों पर हमला करने वालों के खिलाफ कार्रवाई क्यों नहीं की गई।

आगामी त्योहारों को देखते हुए सरकार ने मिलावटखोरों और जमाखोरों के खिलाफ कार्रवाई तेज की

मुख्यमंत्री के निर्देश के बाद अधिकारियों को सभी जिलों में हफ्तेभर अभियान चलाने का निर्देश दिया गया है।

एजेंसी
देहरादून। उत्तराखंड सरकार ने आने वाले त्योहारों को देखते हुए मिलावटखोरों और जमाखोरों के खिलाफ कार्रवाई तेज कर दी है। पूरे राज्य में बड़े पैमाने पर जांच और प्रवर्तन अभियान शुरू किया गया है। मुख्यमंत्री के निर्देश के बाद अधिकारियों को सभी जिलों में हफ्तेभर अभियान चलाने का निर्देश दिया गया है। डिविजनल कमिश्नरों को इस अभियान की निगरानी करने और खाने-पीने की चीजों में मिलावट, जमाखोरी और दूसरे नियमों को तोड़ने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी सौंपी गई है। पूरे उत्तराखंड में खाने-पीने की दुकानों और प्रतिष्ठानों पर छापे मारे जा रहे हैं, जांच की जा रही है और सैंपल

लिए जा रहे हैं। अधिकारियों को यह भी निर्देश दिया गया है कि वे एक्सपायर हो चुके, खराब और घटिया क्वालिटी के खाने-पीने के सामान को मौके पर ही नष्ट कर दें। नियमों का उल्लंघन करने वाले दुकानदारों को नोटिस जारी किए जा रहे हैं, और कई मामलों में कोर्ट में केस भी शुरू किए गए हैं। अधिकारी जरूरी चीजों, खासकर चीनी की जमाखोरी और घरेलू एलपीजी सिलेंडरों के कमर्शियल इस्तेमाल पर भी कड़ी नजर रख रहे हैं। देहरादून में खाने-पीने की चीजों के 11 सैंपल लिए गए। 1 अगस्त से अब तक अधिकारियों ने जिले में 70 प्रतिष्ठानों की जांच की है और टेस्टिंग के लिए 48 सैंपल लिए हैं। हरिद्वार में 47 प्रतिष्ठानों की जांच की गई और 27 सैंपल लिए गए। नैनीताल में 10 दुकानों की जांच की गई और छह सैंपल लिए गए, जबकि 10 किलो घटिया क्वालिटी की मिठाइयां नष्ट कर दी गईं। पौड़ी में दस, बागेश्वर में तीन, अल्मोड़ा और पिथौरागढ़ में दो-दो, टिहरी में छह और उत्तरकाशी में चार सैंपल लिए गए। चंपावत में 21 जगहों की जांच की गई और 10 सैंपल जांच के लिए लैब भेजे गए। सरकार की ओर से यह अभियान रक्षा बंधन, कृष्ण जन्माष्टमी, नवरात्रि और दिवाली जैसे कई बड़े त्योहारों से पहले चलाया जा रहा है। एफएसएसएआई (भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण) राज्य के अधिकारियों के साथ मिलकर खाने-पीने की चीजों में मिलावट को रोकने के लिए सख्त जांच, मोबाइल टेस्टिंग लैब और भारी कानूनी जुर्माने के जरिए पूरे देश में जीरो-टॉलरेंस वाला सिस्टम लागू करता है।

'आपका धर्म पारसी, अन्य धर्मों पर टिप्पणी करने का हक नहीं', राहुल गांधी पर निशिकांत दुबे का जुबानी हमला

एजेंसी
नई दिल्ली। भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी पर 'मनुस्मृति' संबंधी बयान को लेकर उन पर तीखा हमला बोला। भाजपा सांसद ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, 'राहुल गांधी जी आप फिरोज गांधी जी के पोते हैं यानि वंशज है, भारत के संविधान और धार्मिक मान्यताओं के अनुसार आप पारसी धर्म के हैं, आप अल्पसंख्यक हैं...पारसी धर्म आपका कर्म है।

आपको सनातन धर्म यानि हिंदू धर्म, कुरान यानि मुस्लिम तथा बाइबल यानि ईसाई धर्म और धार्मिक ग्रंथों पर टिप्पणी करने का कोई हक और हूकूक नहीं है। इससे पहले भाजपा सांसद ने अपनी पोस्ट में एलओपी को संबोधित करते हुए कहा कि राहुल गांधी वारेन हैस्टिंग ब्रिटेन के गवर्नर जनरल ने 27 मार्च 1775 को 11 पंडितों / विद्वानों का एक समिति बनाया, जिसका उद्देश्य था, भारत में उपलब्ध सभी संस्कृत, पाली ग्रंथ का अनुवाद/अध्ययन करना था। आज भारत में जितने ग्रंथ पर चर्चा होती है, सभी अंग्रेजों की कमिटि द्वारा अनुवादित किया गया है। उस कमेटी का अनुवाद सहित रिपोर्ट 1777 में गवर्नर जनरल को सौंपा गया, 1777 के रिपोर्ट में साफ लिखा गया है कि मनुस्मृति के कुछ श्लोक सही हैं। कुछ गलत हैं, काल्पनिक कालखंड है, दूसरे विद्वान ने अपने शब्द मनुस्मृति में घुसेड़ने का प्रयास किया है। कांग्रेस पार्टी को सनातन धर्म के अलावा यही विचार अन्य धर्म ग्रंथों में भी देखना चाहिए। यह देश तो हिन्दू, मुस्लिम, ईसाई का भी है। वहीं, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मनुस्मृति से संबंधी बयान को लेकर कांग्रेस सांसद राहुल गांधी पर हमला बोला था। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी के रूप में देश को उनसे बहुत अपेक्षा नहीं है, लेकिन भारत की संसद में नेता प्रतिपक्ष के पद पर होने के नाते उनकी लोकतंत्र और संविधान के प्रति जवाबदेही है।

बल्लेबाजी नहीं, अब गेंदबाजी में भी वैभव का जलवा

बंगलूरू एजेंसी। दलीप ट्रॉफी में ईस्ट जोन और नॉर्थ ईस्ट जोन के बीच मुकाबला जारी है। बंगलूरू के सीओई में खेले जा रहे इस मुकाबले में भले ही वैभव सूर्यवंशी बल्लेबाजी में कोई कमाल न दिखा पाए हों, लेकिन गेंदबाजी में उनका जलवा जारी है। ईस्ट जोन से खेल रहे वैभव ने नॉर्थ ईस्ट जोन की दूसरी पारी में महज चार गेंदों में दो विकेट झटके। उन्होंने तीन ओवर का स्पेल डाला, जिसमें 11 रन खर्च किए और दो विकेट लिए।

पहली पारी में वैभव ने नहीं की गेंदबाजी

दरअसल, मैच में ईस्ट जोन ने पहले बल्लेबाजी करते हुए अपनी पहली पारी में 467 रन बनाए थे। वैभव छह गेंद में दो चौके की मदद से आठ रन बना पाए थे। इसके बाद उनकी आलोचना भी हुई थी और सवाल भी उठे थे कि क्या वह रेड बॉल क्रिकेट के लायक हैं। हालांकि, ईस्ट जोन ने कुमार कुशाग्र के 55 रन, सुदीप कुमार घरामी के 146 रन और शाहबाज अहमद के 167 रन की बदौलत पहाड़ जैसा स्कोर खड़ा किया। जवाब में नॉर्थ ईस्ट जोन की पहली पारी 111 रन पर सिमट गई। इस तरह उन्हें फॉलो ऑन खेलने पर मजबूर होना पड़ा। पहली पारी में वैभव ने गेंदबाजी नहीं की।

गेंद से जवाब

मैच में सूर्यवंशी बल्ले से ज्यादा प्रभाव नहीं छोड़ सके। हालांकि, उन्होंने जल्द ही गेंदबाजी से इसकी भरपाई कर दी। किशोर खिलाड़ी ने अपनी गेंदबाजी से दिखाया कि उनकी क्रिकेटिंग क्षमता सिर्फ आक्रामक बल्लेबाजी तक सीमित नहीं है। सूर्यवंशी पहले ही अपनी विस्फोटक बल्लेबाजी और गेंदबाजों पर आक्रमण करने की क्षमता के लिए सुर्खियां बटोर चुके हैं।

विकेट झटके और चौंकाया

हालांकि, फॉलोऑन खेलते हुए भी नॉर्थ ईस्ट जोन ने एक वक्त 102 रन बनाने में आठ विकेट गंवा दिए थे। इनमें दो विकेट वैभव ने लिए। उन्होंने अपने दूसरे ओवर की दूसरी गेंद पर मध्यक्रम के बल्लेबाज किशन लिंगडोह को आउट किया। किशन अच्छी बल्लेबाजी कर रहे थे और 40 गेंद में दो चौके और एक छक्के की मदद से 25 रन बना लिए थे। वैभव ने उन्हें कैच आउट कराया। फिर ओवर की पांचवीं गेंद पर लोअर ऑर्डर के बल्लेबाज इमलीवाती लेमतुर को ईशान किशन के हाथों कैच कराया। इमलीवाती चार रन बना सके। वैभव एक लेफ्ट आर्म ऑर्थोडॉक्स स्पिनर हैं। हालांकि, उनकी गेंद नॉर्थ ईस्ट जोन के बल्लेबाजों को समझ नहीं आई। फॉलो ऑन खेलते हुए नॉर्थ ईस्ट जोन की पूरी टीम 146 रन पर सिमट गई और ईस्ट जोन ने मुकाबला पारी और 210 रन से अपने नाम किया। वैभव के अलावा अनुकूल रॉय ने पांच विकेट लिए। वहीं, मुकेश कुमार, अभिजीत सरकार और शाहबाज को एक-एक विकेट मिला।

सूर्यवंशी ने छोड़ी अपनी छाप

दलीप ट्रॉफी में सूर्यवंशी की एंट्री नए सीजन की शुरुआत के साथ हुई है। युवा खिलाड़ी ने टी20 क्रिकेट की तेज-तर्रार मांगों से अब लंबे प्रारूप की चुनौती का रुख किया है। उन्हें ईस्ट जोन का उपकप्तान भी बनाया गया है। हालांकि, उनकी उम्र और प्रथम श्रेणी क्रिकेट में सीमित अनुभव को देखते हुए यह फैसला कुछ लोगों के लिए हैरानी भरा भी था।

संक्षिप्त समाचार

कोको गॉफ और आर्थर फिल्स चैंपियन बने

मेसन (अमेरिका) (एजेंसी)। कोको गॉफ ने हमवतन अमेरिकी खिलाड़ी जेसिका पेगुला को सीधे सेटों में हराकर सिनसिनाटी ओपन टेनिस टूर्नामेंट का महिला एकल खिताब दूसरी बार अपने नाम कर लिया। वहीं, पुरुष एकल के फाइनल में फ्रांस के आर्थर फिल्स ने अमेरिका के फ्रांसिस टियाफो को हराकर अपने करियर का पहला एटीपी मास्टर्स 1000 खिताब जीत लिया। महिला एकल के फाइनल में कोको गॉफ ने शानदार प्रदर्शन करते हुए जेसिका पेगुला को 6-2, 6-4 से मात दी। गॉफ ने मैच की शुरुआत से ही आक्रामक खेल दिखाया और पहले सेट में 5-0 की मजबूत बढ़त हासिल करने के बाद उसे 6-2 से अपने नाम किया। दूसरे सेट में पेगुला ने वापसी करने की कोशिश की और स्कोर को 5-4 तक पहुंचा दिया। हालांकि, गॉफ ने दबाव में शानदार संयम दिखाया और मैच जीतकर सिनसिनाटी में अपना दूसरा महिला एकल खिताब जीत लिया। गॉफ ने मुकाबले के दौरान मिले छह में से पांच ब्रेक प्वाइंट को भुनाया। पेगुला ने सेमीफाइनल में मौजूदा चैंपियन इगा स्वियातेक को हराया था, जबकि गॉफ ने सारा बेजलेक को मात देकर फाइनल में जगह बनाई थी। इसके साथ ही सिनसिनाटी ओपन में 56 वर्षों बाद दो अमेरिकी महिला खिलाड़ियों के बीच महिला एकल का फाइनल खेला गया। इससे पहले वर्ष 1970 में सिनसिनाटी ओपन के महिला फाइनल में अमेरिका की रोजी कैसल्स और नैन्सी रिची आमने-सामने हुई थीं। उस मुकाबले में कैसल्स ने जीत दर्ज की थी। गॉफ इससे पहले वर्ष 2023 में कैरोलिना मुचोवा को हराकर सिनसिनाटी ओपन का अपना पहला खिताब जीत चुकी थीं। अब उन्होंने दूसरी बार ट्रॉफी अपने नाम कर इस टूर्नामेंट में अपनी मजबूत पकड़ साबित की है।

अंपायर पर हमले का आरोपी 36 साल बाद पकड़ा गया

मुंबई (एजेंसी)। 1990 में मुंबई के बोरीवली इलाके में क्रिकेट मैच के दौरान अंपायर पर हमला करने के आरोपी ओमप्रकाश ललता पासी को 36 साल बाद गिरफ्तार किया गया है।घटना के वक्त पासी 18 साल का था। पासी आउट दिए जाने से नाराज होकर उसने अंपायर पर बल्ले से हमला किया था। हमले में अंपायर गंभीर रूप से घायल हो गया था। इसके बाद पासी मौके से भाग गया।पासी पर हत्या की कोशिश का मामला दर्ज है। अब 55 साल का पासी पड़ोसी ठाणे जिले के मीरा रोड इलाके में रह रहा था।

तकनीकी जांच से आरोपी तक पहुंची पुलिस– एक अधिकारी ने बताया, 'बोरीवली पुलिस की तकनीकी जांच और लगातार कोशिशों से पासी का पता लगाया गया।'पुलिस के अनुसार 1990 में पासी बोरीवली में क्रिकेट मैच खेलने गया था। अंपायर ने उसे आउट करार दिया, जिससे नाराज होकर उसने अपने पास मौजूद क्रिकेट बैट से अंपायर पर हमला कर दिया।

हॉकी : भारतीय पुरुष टीम के खराब प्रदर्शन के बाद दिग्गजों ने उठाए सवाल

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय पुरुष हॉकी टीम का विश्व कप में 51 साल बाद पदक जीतने का इंतजार इस बार भी खत्म नहीं हो सका। अर्जेंटीना के खिलाफ 3-5 की हार के साथ टीम की सेमीफाइनल में पहुंचने की उम्मीदें भी समाप्त हो गईं। इस हार ने पेरिस ओलंपिक के बाद से टीम के प्रदर्शन में नजर आ रही कमजोरियों को एक बार फिर सामने ला दिया है।

पूर्व दिग्गज खिलाड़ियों का मानना है कि समस्या सिर्फ धीमी शुरुआत, मौकों को गंवाने या डिफेंस में चूक तक सीमित नहीं है। उनका कहना है कि युवा खिलाड़ियों को समय रहते मौके नहीं देना और एक ही कोर ग्रुप पर लगातार निर्भर रहना भी टीम के लिए नुकसानदेह साबित हुआ है।

युवा खिलाड़ियों को मौका नहीं देने पर सवाल

पेरिस ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने के बाद संन्यास लेने वाले पूर्व गोलकीपर पीआर श्रीजेश ने टीम में युवा खिलाड़ियों को समय पर शामिल नहीं किए जाने पर सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि लॉस एंजिलिस ओलंपिक में अब ज्यादा समय नहीं बचा है और इतने कम अंतरराष्ट्रीय मैचों में नए खिलाड़ियों को तैयार करना मुश्किल होगा।

श्रीजेश ने कहा, 'सीनियर खिलाड़ियों के जाने के बाद उनकी जगह कौन लेगा। क्या हमने दूसरी जमात तैयार की है। लॉस एंजिलिस ओलंपिक में दो ही साल बचे हैं और उससे पहले करीब तीस अंतरराष्ट्रीय मैच ही होंगे। क्या ओलंपिक के लिये इससे खिलाड़ी तैयार हो सकते हैं। नहीं।' उन्होंने कहा, 'विश्व कप की टीम में भी वही कोर खिलाड़ी हैं जबकि मनमीत सिंह, आमिर अली, रोशन कुजूर, तालेम प्रियब्रत, रोहित, अर्शदीप जैसे कई प्रतिभाशाली जूनियर इंतजार ही कर रहे हैं।'

चयन के पर भी उठे सवाल

पूर्व ओलंपियन जगबीर सिंह ने भी चयन प्रक्रिया को लेकर सवाल उठाए। उनका मानना है कि जूनियर खिलाड़ियों को सही समय पर अवसर दिए जाने चाहिए थे और कुछ चयन फैसलों को बेहतर किया जा सकता था। जगबीर सिंह ने कहा, 'जूनियर खिलाड़ियों को सही समय पर मौके मिलने चाहिये और चयन के कुछ फैसले बेहतर हो सकते थे। तैयारी ओलंपिक से ओलंपिक की होनी चाहिये। कोचिंग स्टाफ ने अनुभव को ही तरजीह दी जो काम नहीं आया। भारत के पास यह सर्वश्रेष्ठ मौका था लेकिन प्रदर्शन में निरंतरता नहीं दिखी। हर दस मिनट में डिफेंस चरमरा रहा था।'

घरेलू ढांचे को बताया कमजोर

पूर्व ओलंपियन परगट सिंह ने भारतीय हॉकी के घरेलू ढांचे को लेकर चिंता जताई। उनका मानना है कि अच्छी घरेलू प्रतियोगिताओं की कमी के कारण टीम के पास मजबूत बेंच स्ट्रेंथ तैयार नहीं हो पा रही है। परगट सिंह ने कहा, 'अच्छी घरेलू स्पर्धायें नहीं होने से हमारे पास अच्छी बेंच स्ट्रेंथ नहीं है। यूरोप में कई डिविजन की लीग होती है जो हमारे यहां नहीं है। पहले बेटन कप, आगा खान कप, बांबे गोल्ड कप, मुरूगप्पा कप, नेहरू हॉकी से अच्छी प्रतिभायें निकलती थी। सारा ढांचा ही खराब कर दिया है। इसके अलावा नये खिलाड़ियों को मौका देना था तो दो साल पहले ही बदलाव की शुरूआत कर देनी चाहिये थी।

भास्करन ने फॉरवर्ड और मिडफील्ड पर उठाए सवाल

ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता और पूर्व कप्तान वासुदेवन भास्करन ने भारतीय टीम के आक्रमण और मिडफील्ड के प्रदर्शन पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि पिछले चार साल में भारतीय फॉरवर्ड लाइन का प्रदर्शन उन्हें प्रभावित नहीं कर सका। भास्करन ने कहा, 'मैंने पिछले चार साल में किसी भारतीय फॉरवर्ड को अच्छा खेलते नहीं देखा। बैक पास कहां थे, गोल पर कितने हमले किये और फुल प्रेस जाने के समय मिडफील्ड पूरा खाली छोड़ दिया।'

उन्होंने टीम में नए खिलाड़ियों को मौके नहीं देने पर भी सवाल उठाया। भास्करन ने कहा, 'हमने नये खिलाड़ियों को मौके ही नहीं दिये। नीदरलैंड की पेरिस ओलंपिक टीम के छह स्वर्ण पदक विजेता खिलाड़ी विश्व कप टीम में नहीं थे। हम हमदर्दी, पिछले रिकॉर्ड और आंकड़ों पर ही टीम चुन लेते हैं। कम से कम छह जूनियर खिलाड़ियों को प्रो लीग में आजमाना चाहिये था।' उन्होंने जूनियर विश्व कप कांस्य पदक विजेता कोच श्रीजेश से सलाह नहीं लिए जाने पर भी सवाल उठाया। उनका कहना था कि दूसरे देशों में जूनियर कोचों की भूमिका अहम होती है और वे सीनियर कोचों को भी अपनी राय देते हैं।

जीसीटी ग्रैंड फिनाले: फाइनल में पहुंचे प्रज्ञानंद

नई दिल्ली। भारतीय ग्रैंडमास्टर आर. प्रज्ञानंद ने जर्मनी के विंसेंट कीमर पर 19-9 की शानदार जीत हासिल करके आसानी से ग्रैंड शतरंज टूर (जीसीटी) के अंतिम चरण के फाइनल में जगह बनाई। प्रज्ञानंद का फाइनल में मुकाबला खिताब के प्रबल दावेदार और मौजूदा चैंपियन अमेरिका के फैबियानो कारुआना से होगा।

प्रज्ञानंद ने अब तक किया है शानदार प्रदर्शन

भारतीय खिलाड़ी ने दूसरा क्लासिकल गेम जीतने के बाद अंतिम दिन से पहले छह अंकों की बड़ी बढ़त हासिल कर ली थी। उन्होंने लगातार दो रैपिड मुकाबलों में कीमर को हराकर 17-3 की अजेय बढ़त हासिल करके फाइनल में अपनी जगह पक्की कर दी। इसके बाद ब्लिट्ज के पहले गेम में एक और जीत ने उनके अंकों की संख्या 19 तक पहुंचा दी। कीमर ने आखिरी तीन ब्लिट्ज गेम जीतकर वापसी की, लेकिन इससे हार का अंतर ही कम हुआ। कारुआना ने ब्लिट्ज गेम में अपने शानदार प्रदर्शन के दम पर 18-9 से जीत हासिल की। उन्होंने मौकों का पूरा फायदा उठाया और अमेरिका के अपने हमवतन खिलाड़ी वेस्ली सो को हराया।

बालाजी-चंद्रशेखर बने चैम्पियन

मैक्सिको (एजेंसी)। भारत के एन. श्रीराम बालाजी और अनिरुद्ध चंद्रशेखर ने मैक्सिको में खेले गए कानकुन कंट्री टेनिस ओपन का डबल्स खिताब जीत लिया है।

भारतीय जोड़ी ने फाइनल में मैक्सिको के मिगुएल एंजेल रेयेस-वरेला और बेलारूस के इवान ल्युटारेविच को 6-3, 7-6(4) से हराया।इस जीत के साथ बालाजी और अनिरुद्ध को 125-125 एसोसिएशन ऑफ टेनिस प्रोफेशनल्स रैंकिंग पॉइंट्स और 9,900 डॉलर (करीब 9.5 लाख रुपए) की इनामी राशि मिली।

पहले सेट में 6-3 से जीते, दूसरा टाईब्रेकर में

फाइनल के पहले सेट में दोनों जोड़ियों के बीच मुकाबला कड़ा रहा, लेकिन भारतीय जोड़ी ने अहम मौकों पर बढ़त बनाते हुए सेट 6-3 से अपने नाम किया।भारतीय जोड़ी ने पहली सर्विस पर 68 प्रतिशत और दूसरी सर्विस पर 81 प्रतिशत अंक जीते। दूसरे सेट में भी मुकाबला बराबरी का रहा और सेट टाईब्रेकर तक पहुंचा।बालाजी और अनिरुद्ध ने टाईब्रेकर में 7-4 से जीत दर्ज की और 7-6(4) से दूसरा सेट अपने नाम करते हुए खिताब जीत लिया।

श्रीलंका मुश्किल में, मंडराया फॉलोऑन का खतरा

कोलंबो(एजेंसी)। कोलंबो टेस्ट में श्रीलंका पर फॉलोऑन का खतरा मंडरा रहा है। उसने भारत के खिलाफ पहली पारी में 257 रन पर 8 विकेट गंवा दिए हैं। मंगलवार को मैच के तीसरे दिन श्रीलंका को फॉलोऑन बचाने के लिए 47 रन और बनाने हैं। भारत ने पहली पारी में 503 रन बनाए थे।

सोनल दिनूषा फिफ्टी बनाकर खेल रहे हैं। लाहिरू कुमारा उनका साथ दे रहे हैं। पसिंदु सूरियाबंडारा ने 133 गेंदों पर 80 रन की पारी खेलकर श्रीलंका की पारी संभालने की कोशिश की, लेकिन रवींद्र जडेजा ने उन्हें बोल्ड कर दिया।

मोहम्मद सिराज ने निरोशन डिकवेला को बिना खाता खोले पवेलियन भेज दिया। भारत की ओर से प्रसिद्ध कृष्णा और मानव सुथार ने 3-3 विकेट लिए। रवींद्र जडेजा और मोहम्मद सिराज को एक-एक विकेट मिला।

श्रीलंका ने पहली पारी में 250 रन का आंकड़ा पार कर लिया है। लाहिरू कुमारा ने रवींद्र जडेजा के ओवर की आखिरी बॉल पर चौका लगाया। इसी चौके से टीम 250 पार पहुंच गई।69वें ओवर में श्रीलंका ने 8वां विकेट गंवा दिया। मानव सुथार ने केशरा नुवानथा को सारांश जैन के हाथों कैच कराया। सुथार की गेंद पर नुवानथा ने मिड-ऑफ के ऊपर से बड़ा शॉट खेलने की कोशिश की, लेकिन गेंद ऊंची नहीं उठी और सरांश जैन ने आसान कैच लपक लिया।

प्रभाथ जयसूर्या पर आईसीसी की कार्रवाई

श्रीलंका के स्पिनर प्रभाथ जयसूर्या पर भारत के खिलाफ कोलंबो टेस्ट के दूसरे दिन आईसीसी ने कार्रवाई की है। जयसूर्या को आईसीसी कोड ऑफ कंडक्ट के लेवल-1 के उल्लंघन का दोषी पाया गया और उन्हें आधिकारिक फटकार लगाई।जयसूर्या ने आर्टिकल 2.2 का उल्लंघन किया, जो अंतरराष्ट्रीय मैच के दौरान क्रिकेट उपकरण, कपड़ों, मैदान के उपकरण या फिक्स्चर को नुकसान पहुंचाने या उसका गलत इस्तेमाल करने से जुड़ा है।दिन की आखिरी गेंद पर आउट होने के बाद पवेलियन लौटते समय जयसूर्या ने अपने बल्ले से बाउंड्री रोप पर बैट मारा था। उनके रिकॉर्ड में एक डिमेरिट पॉइंट भी जोड़ा गया है।

28 अगस्त से शुरू होगा महिला टी-20 एशिया कप 2026 का रोमांच

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने एसीसी महिला टी20 एशिया कप 2026 में भारत और पाकिस्तान के बीच होने वाले बहुप्रतीक्षित मुकाबले से पहले बड़ा बयान दिया है। हरमनप्रीत ने स्वीकार किया कि भारत-पाकिस्तान मैच का दबाव किसी अन्य अंतरराष्ट्रीय मुकाबले से बिल्कुल अलग होता है। हालांकि, उन्होंने जोर दिया कि खिलाड़ियों को नतीजे की चिंता करने के बजाय अपनी योजना, रूटीन और टीम की जरूरत पर ध्यान देना चाहिए।

महिला टी20 एशिया कप 2026 का आगाज 28 अगस्त से होगा, जबकि भारत

और पाकिस्तान की टीमें 5 सितंबर को ग्रुप स्टेज के हाई-वोल्टेज मुकाबले में आमने-सामने होंगी।

हरमनप्रीत कौर ने कहा कि भारत-पाकिस्तान मुकाबले में खिलाड़ियों पर मानसिक दबाव काफी ज्यादा होता है और इस मुकाबले की अहमियत अन्य बड़े अंतरराष्ट्रीय मैचों से अलग होती है।

हरमनप्रीत ने मीडिया से कहा, 'इसमें कोई शक नहीं कि यह एक हाई-प्रेशर गेम है और एक खिलाड़ी के तौर पर आपको कई चीजों से निपटना पड़ता है। हम लगातार अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेलते हैं, लेकिन भारत-पाकिस्तान मैच में जिस तरह का दबाव होता है, वैसा दबाव कहीं और महसूस नहीं होता।' उन्होंने आगे कहा, 'आप कई बड़े मुकाबले खेल सकते हैं, लेकिन उस तरह का दबाव महसूस नहीं होता। कहीं न कहीं हमें पता होता है कि हर भारतीय यह मैच देख रहा है। सिर्फ क्रिकेट फैंस ही नहीं, बल्कि हर भारतीय की नजर इस मैच पर होती है, क्योंकि यह मुकाबला हम सभी के लिए बहुत अहम होता है।' भारतीय कप्तान ने कहा कि ऐसे मुकाबलों में अतिरिक्त दबाव लेने के बजाय खिलाड़ियों के लिए अपने खेल पर ध्यान केंद्रित करना जरूरी है। उन्होंने कहा कि वह कप्तान और खिलाड़ी, दोनों भूमिकाओं में चीजों को आसान और सरल रखने की कोशिश करती हैं।

हम नफरत के खिलाफ खड़े हों, वही सच्ची देशभक्ति

अपनी पहली हिंदी फिल्म 'रंग दे बसंती' हो या हालिया वेब सीरीज 'ऑपरेशन सफेद सागर', एक्टर सिद्धार्थ ने देशभक्ति वाली कहानियों और किरदारों में अलग ही छाप छोड़ी है। 'रंग दे बसंती' में शहीद भगत सिंह बने सिद्धार्थ इन दिनों 'ऑपरेशन सफेद सागर' में करगिल युद्ध में वीरगति पाने वाले स्क्वॉड्रन लीडर अजय आहूजा की भूमिका के लिए खूब वाहवाही बटोर रहे हैं। इसकी एक वजह शायद यह है कि सिद्धार्थ निजी तौर पर भी खुद को हर मायने में देशभक्त मानते हैं।

अपनी देशभक्ति को लेकर वह कहते हैं, 'मैं तो बचपन से अपने को देशभक्त मानता हूं, क्योंकि मैंने हमेशा सच बोला है। अगर मेरी आंखों के सामने कोई अन्याय हो रहा हो तो मैंने उसके खिलाफ आवाज उठाई है। मैं कभी टैक्स देने में झिझका नहीं हूं, तो मैं हर मायने में देशभक्त हूं। बाकी, मैं चाहता हूं कि आज हर तरफ जो नफरत की आग और आंधी फैल रही है, हम अगर उसके खिलाफ एकजुट होकर खड़े हो जाएं तो मेरे हिसाब से वो बहुत बड़ी देशभक्ति की मिसाल होगी। मैं बस यही कहूंगा कि प्यार बढ़ाओ यार।'

ऐसी जांबाजी सबके बस की बात नहीं

क्या ऐसे देशभक्ति वाले किरदार करते वक्त उनके भीतर भी ऐसा जज़्बा जोर मारता है? यह पूछने पर सिद्धार्थ कहते हैं, 'नहीं, ऐसा नहीं होता है। मैंने देशभक्ति वाले रोल पहले भी किए हैं, लेकिन मुझे कभी एक सेकेंड के लिए भी यह नहीं लगा कि काश मैं खुद भी ऐसा कर पाता। इसलिए नहीं कि मैं वो बनना नहीं चाहता, बल्कि मुझमें वो बात ही नहीं है। यह जुनून, यह जज़्बा बहुत कम लोगों में होता है। अगर मुझे एनडीए जॉइन करना पड़ता तो पहले तो मैं चश्मा पहनता था, इसलिए एनडीए में जा नहीं सकता, लेकिन चश्मा ना पहनता तब भी मैं शायद नहीं जाता, क्योंकि मुझमें वह बात ही नहीं है। इसलिए, मुझे कभी नहीं लगा कि मैं स्क्वॉड्रन लीडर अजय आहूजा बन गया हूं। मैं इस जन्म तो क्या, अगले जन्म में भी वैसा नहीं बन सकता। हम सिर्फ अदाकारी कर सकते हैं।'

हालांकि सिद्धार्थ इस भूमिका को निभाना एक बड़ी जिम्मेदारी मानते हैं। बकौल सिद्धार्थ, 'यह बहुत बड़ी जिम्मेदारी थी और एक भी दिन ऐसा नहीं बीता होगा जब वो जिम्मेदारी का अहसास हमें न हुआ हो। अच्छी बात यह रही कि इसकी रिसर्च बहुत तगड़ी थी तो उससे आधा काम हो गया। बाकी, आधा काम उनके परिवार वालों का आशीर्वाद ने कर दिया तो हम उम्मीद है कि आज की नई पीढ़ी इस साहस के बारे में देख-सुनकर इससे प्रेरित हो।'

धीमा सुनने वालों को धमाके की जरूरत

सिद्धार्थ ने कहा कि यह कहानी नई पीढ़ी को प्रेरित करेगी, मगर क्या उन्हें लगता है कि आज के सोशल मीडिया के दौर में भी सिनेमाई कहानियां इतनी ताकतवर रह गई हैं कि लोगों की सोच बदल सकें? इस पर सिद्धार्थ कहते हैं, 'ये बहादुरी का किस्सा है और हमारी हजारों साल की परंपरा रही है कि हम बच्चों को कहानियां सुनाकर सुलाते हैं, उन्हें बड़ा करते हैं तो जब तक इंसान के बच्चे हैं, तब तक ऐसी कहानियां प्रासंगिक रहेंगी। इनकी बहुत जरूरत है और ये आनी चाहिए, क्योंकि ये सोशल मीडिया वाली बहुत जरूरी बात कही आपने। जब मैं स्कूल में पढ़ता था तो कुछ पचास हजार लोगों में एक बंदा किताब पढ़ता था। आज साढ़े 5 लाख में एक बंदा किताब पढ़ता है। इंटरनेट पर सबकुछ है, लेकिन वहां पढ़ने-जानने की इच्छा किसी में नहीं है।'

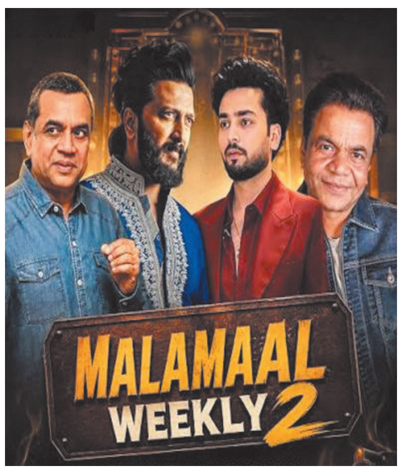

मालामाल वीकली 2 में बतौर एक्टर डेब्यू कर रहे हैं एल्विश यादव

एल्विश यादव अब जल्द ही बॉलीवुड में बतौर एक्टर डेब्यू करने वाले हैं। यूट्यूबर से रियलिटी शो स्टार और अब बॉलीवुड एक्टर तक का उनका सफर काफी खास रहा है। एल्विश ने अपने एक्स अकाउंट पर फैंस का शुक्रिया अदा किया और कहा कि आज वह जो कुछ भी हैं, अपने फैंस के प्यार और सपोर्ट की वजह से हैं।

एल्विश ने फैंस के लिए लिखा खास मैसेज

एल्विश ने अपनी नई फिल्म का ऐलान करते हुए लिखा, 'नई फिल्म। नया सफर। मैं बाहर से आया हूं। बॉलीवुड में मेरा कोई नहीं था। आप लोगों के बीच से उठकर आया और आपके प्यार ने मुझे अब बड़े पर्दे तक पहुंचा दिया। आज जो कुछ भी हूं, आपके प्यार की वजह से हूं। और इसी प्यार की वजह से मैं 'मालामाल' हूं। बस प्यार बनाए रखना।'

इस फिल्म में नजर आएंगे एल्विश बॉलीवुड हंगामा की रिपोर्ट्स के मुताबिक, एल्विश यादव फिल्म 'मालामाल वीकली 2' में नजर आएंगे। इस फिल्म में उनके साथ रितेश देशमुख, परेश रावल और राजपाल यादव भी दिखाई देंगे।

बता दें कि 'मालामाल वीकली' साल 2006 में रिलीज हुई थी और बॉक्स ऑफिस पर फिल्म को काफी सफलता मिली थी। फिल्म का निर्देशन प्रियदर्शन ने किया था। इसमें परेश रावल, ओम पुरी, रितेश देशमुख और अरबाज खान जैसे कलाकार नजर आए थे। रिपोर्ट्स के मुताबिक, 'मालामाल वीकली 2' में पहली फिल्म के तेश देशमुख, परेश रावल और राजपाल यादव वापसी कर रहे हैं। वहीं फिल्म में परिणीति चोपड़ा, रवीना टंडन और शिल्पा शिरोडकर को फीमेल कास्ट के तौर पर साइन किया गया है।

सगाई और रिलेशनशिप को लेकर पूजा बेदी ने की बात

पूजा बेदी ने हाल ही में रिलेशनशिप को लेकर अपनी राय रखी। उन्होंने यह भी बताया कि शादी को लेकर उनकी सोच काफी बदल चुकी है। एक्ट्रेस ने अपने मंगेतर मानेक कॉन्ट्रैक्टर से शादी के बारे में भी काफी कुछ कहा।

पूजा बेदी ने विक्की लालवानी से बातचीत के दौरान शादी के इरादे पर बात की। उन्होंने कहा कि शादी उनके सपनों का हिस्सा नहीं है। वह खुद को शादीशुदा की तरह ही मानती हैं। पूजा बोलीं. कई साल बीत जाने पर शादी को लेकर मेरी सोच में काफी बदलाव आया है। मानेक कॉन्ट्रैक्टर से सगाई को 8 साल हो जाने पर भी शादी को लेकर अभी कोई प्लान नहीं है। मेरे लिए सगाई ही काफी है। शादी होना कोई जरुरी चीज नहीं है। ऐसा करने से कपल की आर्थिक स्थिति बेहतर होती है। वह अपनी-अपनी संपत्ति अपने बच्चों के लिए छोड़ सकते हैं। मैं आधिकारिक तौर पर शादी किए बिना भी खुद को शादीशुदा मानती हूं।

आगे अपनी बातचीत में पूजा ने कहा, 'मेरी शादी हुई, मेरा तलाक हो गया, मेरे दो बच्चे हैं। उनकी भी शादी हुई, उनका तलाक हो गया, उनके भी बच्चे हैं। संपत्ति जैसी छोटी-छोटी बातों में तो सब कुछ बहुत सरल है। मेरी संपत्ति मेरे बच्चों को मिलेगी, उनकी संपत्ति भी उनके बच्चों को मिलेगी। मैं कमा रही हूं, वह कमा रहे हैं, हम दोनों आत्मनिर्भर हैं। मुझे सुरक्षा के लिए उनकी जरूरत नहीं है। उन्हें भी आर्थिक सुरक्षा के लिए मेरी जरूरत नहीं है।'

पूजा बेदी ने साल 1994 में व्यवसायी फरहान फर्नीचरवाला से पहली शादी की थी, जिनसे उनके दो बच्चे (अलाया और उमर) हैं। वर्ष 2003 में दोनों का तलाक हो गया था। इसके बाद फरवरी 2019 में उन्होंने मानेक कॉन्ट्रैक्टर से सगाई की है। बताते चलें पूजा बेदी ने 'जो जीता वही सिकंदर', 'लुटेरे', 'आतंक ही आतंक' और 'फिर तेरी कहानी याद आई' जैसी फिल्मों में काम किया है।

महाकाव्य श्री रामायण कथा में अहम भूमिका निभाएंगी अंजलि अरोड़ा

इन दिनों राम कथा पर कई फिल्में बन रही हैं। नमित मल्होत्रा प्रोड्यूस और नितेश तिवारी निर्देशित फिल्म 'रामायण' खूब चर्चा में है। इसी बीच एक और फिल्म राम कथा पर बन रही है। इस फिल्म का नाम 'महाकाव्य श्री रामायण कथा' है। इस फिल्म के जरिए अंजलि अरोड़ा अपना एक्टिंग डेब्यू भी रही हैं। फिल्म 'महाकाव्य श्री रामायण कथा' के टीजर में राम और सीता विवाह, वनवास यात्रा और रावण की झलक भी मिली है। इस फिल्म में अंजलि अरोड़ा माता सीता के रूप में नजर आएंगी। वहीं देव शर्मा भगवान राम का किरदार निभाएंगे। महोबिया फिल्म्स के प्रोडक्शन तले बनी इस फिल्म को प्रकाश महोबिया और संजय बुंदेला ने प्रोड्यूस किया है।

नया शो ला रहीं एकता कपूर!

पहली बार नजर आएगी गौरव खन्ना और श्रद्धा आर्या की जोड़ी?

गौरव खन्ना बीते कई दिनों से अपनी पत्नी आकांक्षा चमोला के तलाक वाले बयान के बाद से सुर्खयों में हैं। वहीं श्रद्धा आर्या भी टीवी के जाने-माने चेहरों में से एक हैं। अब खबरें सामने आ रही हैं कि दोनों एकता कपूर के शो में नजर आ सकते हैं।

फैमिली ड्रामा का बन सकते हैं हिस्सा

खबरों के मुताबिक, दोनों एक्टर्स एकता कपूर के अपकमिंग रोमांटिक फैमिली ड्रामा का हिस्सा बन सकते हैं। यह शो स्टार प्लस पर आने की बात कही जा रही है। फिलहाल शो को लेकर मेकर्स की तरफ से कोई आधिकारिक ऐलान नहीं किया गया है। बताया जा रहा है कि प्रोजेक्ट अभी डेवलपमेंट और कास्टिंग स्टेज में है। अगर दोनों की कास्टिंग फाइनल होती है, तो यह पहली बार होगा जब गौरव और श्रद्धा किसी शो में साथ नजर आएंगे।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह शो एक रोमांटिक फैमिली ड्रामा होगा। कहानी में प्यार के साथ-साथ परिवार, रिश्ते और उनके बीच आने वाली परेशानियों को दिखाया जाएगा। इस शो को एकता कपूर की प्रोडक्शन कंपनी बालाजी टेलीफिल्म्स तैयार कर रही है। फिलहाल मेकर्स शो के लिए बाकी कलाकारों की कास्टिंग पर भी काम कर रहे हैं।

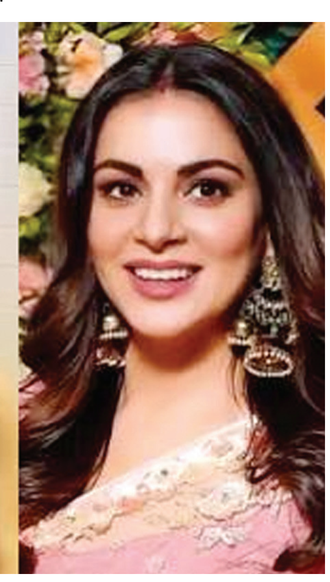

टॉक्सिक ने उन्हें कम्फर्ट जोन से बाहर निकाला और अनजान चीजों को अपनाना सिखाया

अभिनेत्री कियारा आडवाणी बहुप्रतिक्षित भारतीय एक्शन-ड्रामा फिल्म 'टॉक्सिक : ए फेयरी टेल फॉर ग्रोन-अप्स' में एक परतदार और बोल्ड सर्कस कलाकार का किरदार निभा रही हैं। अभिनेत्री ने अभिनय की दुनिया के अनुभव के बारे में बताया। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर फिल्म की मेकिंग के दौरान की अपनी एक दिलचस्प तस्वीर शेयर की। तस्वीर में, एक्ट्रेस पानी से भरे एक बड़े, ट्रांसपेरेंट, कटोरे जैसे टैंक के अंदर आराम करती दिख रही हैं। अभिनेत्री कियारा आडवाणी ने अपनी पोस्ट के जरिए बताया कि फिल्म ने उन्हें उनके कम्फर्ट जोन से बाहर निकाला और अनजान चीजों को अपनाना और रास्ते में नई स्किल्स सीखना सिखाया। अभिनेत्री ने लिखा, 'फिल्में हमें ऐसी दुनिया में ले जाती हैं, जिसे हम कभी जानते ही नहीं, कभी-कभी तो सचमुच हर नया किरदार, नया सेट और क्रेजी चैलेंज आपको कुछ ऐसा सिखाता है, जिसके बारे में आपको पता नहीं होता है कि आप इसके काबिल भी हैं कि नहीं।' अभिनेत्री ने बताया कि फिल्मों ने उन्हें काफी सारी बातें सिखाई हैं। उन्होंने लिखा, 'फिल्मों ने मुझे अनजान चीजों के साथ कम्फर्टेबल, क्यूरियस, सीखते रहना और इन सबके एडवेंचर में खुशी ढूंढना सिखाया। क्योंकि मेरे लिए, ग्रोथ हमेशा उन चीजों के लिए हाँ कहने के बारे में रही है जो आपको थोड़ा डराती हैं और उसके बाद के सफ़र को पसंद करने के बारे में।' उन्होंने आगे लिखा, 'यह नई स्किल्स, नए एडवेंचर और उस तरह के पैशन के लिए है जो आपको बार-बार इसमें कूदने के लिए तैयार रखता है।'

अभिनेत्री कियारा आडवाणी आगामी पैन-इंडिया गैंगस्टर फिल्म 'टॉक्सिक : ए फेयरी टेल फॉर ग्रोवन-अप्स' में मुख्य अभिनेत्री के तौर पर नजर आएंगी, जहां वह 'नादिया' नाम की एक सर्कस परफॉर्मर का किरदार निभा रही हैं। इस फिल्म में उनकी जोड़ी सुपरस्टार यश के साथ है। फिल्म के टीजर और गाने पहले ही रिलीज कर दिए जा चुके हैं, जिसमें अभिनेत्री यश के साथ कुछ बोल्ड और इंटिमेट सीन्स में नजर आई, जो सोशल मीडिया पर काफी चर्चा में रहे हैं।

कीलों व मुंहासों से कैसे पाई जाए नजात

- हरी व रेशेदार सब्जियां भोजन में शामिल करें और अपना पेट भी साफ रखें.
- कीलमुंहासे होने पर आयोडीन का प्रयोग कम करें क्योंकि इस से इन में पस पड़ने का भय रहता है.
- जिंकयुक्त मल्टी विटामिन लें.
- तनावमुक्त रहें.
- केशों में स्टाइलिंग प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल कम करें. उन के प्रकार के अनुरूप शैंपू से ही उन्हें साफ करें.
- त्वचा पर आयल फ्री सौंदर्य प्रसाधनों का ही प्रयोग करें और मेकअप भी लाइट ही करें.मुंहासों को हटाने के लिए किए जाने वाले उपचार को केवल मुंहासों पर ही न कर पूरे चेहरे पर प्रयोग करें.उन आदतों को छोड़ दें, जो मुंहासों को और बढ़ाएं जैसे ठोड़ी को फोन से लगाना, अपने गंदे हाथों को चेहरे पर लगाना, बारबार चेहरे को छूना.
- मुंहासों को दबाएं या फोड़ें नहीं वरना वे और बढ़ जाएंगे और उन के सूख जाने पर चेहरे पर निशान भी पड़ जाएंगे.अपनी त्वचा के अनुरूप क्लींजर का प्रयोग करें. उस से चेहरे को प्रतिदिन 2-3 बार धोएं.चेहरे को न तो बारबार धोएं और न ही जोर से रगड़ें.

एक्ने सौंदर्य पर दाग

यदि चेहरे पर मुंहासों जैसे ढेर सारे दाने पास-पास और गुच्छे की शक्ल में हों और बहुत दिनों तक बने रहे तो सावधान हो जाइए। यह एक्ने हो सकता है। अगर आपके परिवार में एक्ने की हिस्ट्री रही है यानी आपके मां या पिता को भी यह समस्या रही है तो भी आपको इससेबचाव की कोशिशें शुरू कर देनी चाहिए।

एक्ने त्वचा का एक डिसऑर्डर है। यह मुंहासों का ही बिगड़ा हुआ रूप है। फर्क यह है कि आमतौर पर मुंहासे जहां बिना किसी विशेष उपचार के किशोरावस्था के बाद स्वयं ही ठीक हो जाते है, वहां एक्ने के साथ ऐसा नहीं होता और जब तक इसका सही ढंग से इलाज न हो, यह ठीक नहीं होता।

क्यों होता है एक्ने

त्वचा के नीचे स्थित सिबेशस ग्लैंड्स से त्वचा को नमी देने के लिए तेल निकलताहै। ये ग्लैंड्स चेहरे, पीठ, छाती और कंधों पर सबसे ज्यादा होते है। अगर ये ज्यादा सक्रिय हो जाएं तो रोमछिद्र चिपचिपे होकर ब्लॉक हो जाते है और उनमें बैक्टीरिया पनपने लगते हैं जो एक्ने का कारण बनते है। सामान्य स्थिति में सूर्य की किरणें इनको पनपने नहीं देतीं। सिबेशस ग्लैंड्स की अति सक्रियता की प्रमुख वजह एंड्रोजन हार्मोन की अधिकता है। एंड्रोजन पुरुष सेक्स हार्मोन है और यह लड़के और लड़कियों दोनों में ही होता है। किशोरावस्था में इसका सिक्रीशन ज्यादा होता है।

कई लड़कियों को पीरियड्स से पहले हर बार मुंहासे निकल आते है जो बिगड़कर एक्ने का रूप ले सकते है। ऐसा ओव्यूलेशन के बाद प्रोजेस्टरॉन हार्मोन के ज्यादा सिक्रीशन की वजह से होता है। इससे त्वचा पर छोटे-छोटे दानों के गुच्छे से बन जाते है। इसी तरह सिबेशस ग्रंथियों से उत्पन्न सीबम त्वचा के पिगमेंट से मिलकर रोमछिद्रों को ब्लॉक कर देता है तो ब्लैकहेड्स बनते है। अगर त्वचा की अंदरूनी परत में सीबम जमा हो जाता है तो व्हाइटहेड्स बनते हैं। कई बार ब्लैकहैड्स और व्हाइटहेड्स त्वचा के भीतर फैलने के बाद फूट जाते है, जिससे बाहरी त्वचा पर एक्ने और फैल सकता है।

टॉक्सीन भी है कारण

शरीर में जरूरत से ज्यादा टॉक्सिक तत्व भी एक्ने का कारण हो सकते है। त्वचा का एक महत्वपूर्ण कार्य पसीने के जरिए शरीर से टॉक्सिक तत्वों को बाहर निकालना है। ऐसे में अगर टॉक्सिक तत्व बहुत ज्यादा हो जाएं तो इस पूरी प्रक्रिया में त्वचा के स्वास्थ्य पर बुरा असर पड़ता है।

इसके अलावा एलर्जी, तनाव, जंकफूड, सैचुरेटड फैट, हाइड्रोजेनेटेड फैट और पशु उत्पादों के प्रयोग, कुपोषण और प्रदूषण से भी एक्ने की संभावना बढ़ जाती है। कुछ दवाओं जैसे स्टीरॉयड, ओरल कांट्रेसेप्टिव पिल्स और मिरगी की दवाओं आदि के रिएक्शन से भी एक्ने हो सकता है।

बचाव

कुछ बातों का ध्यान रखा जाए तो एक्ने को रोका जा सकता है, कम से कम उसका ज्यादा बढ़ना तो कम किया ही जा सकता है। बेहतर होगा कि आप मुंहासे निकलते ही एक्ने की रोकथाम के उपाय शुरू कर दें

खान-पान

भोजन में ऐसी चीजें लें जिनमें फैट और मसालों की मात्रा बहुत कम हो। अधिक चिकनाई, तेज मीठा, स्टार्चयुक्त और मसालेदार भोजन से एक्ने की संभावना काफी बढ़ जाती है। इसलिए ऐसे भोजन से बचें।

1. रेशेदार पदार्थ अधिक मात्रा में लें। इससे पेट साफ रहता है और शरीर के विषाक्त पदार्थ भी कॉमीडोनिक एक्ने

इनफ्लैमेटरी एक्ने

नॉनडुलोसिस्टिक एक्ने

पहले प्रकार के एक्ने में ब्लैकहैड्स और व्हाइटहैड्स आते है। इसके उपचार के लिए रेशियोनिक एसिड क्रीम लगाने की सलाह दी जाती है छह से आठ हफ्ते में इस तरह का एक्ने ठीक हो जाता है। दूसरी तरह के एक्ने में कीलों के साथ लाल दाने हो जाते है। इसके लिए एंटीबायटिक दवाएं दी जाती है। तीसरी तरह के एक्ने में त्वचा पर सिस्ट हो जाते है। इसके लिए आईसोट्रीट्वाइन नामक कैप्सूल दिए जाते है। इस तरह के एक्ने का इलाज लगभग 8 महीने चलता है और एक महीना पूरा होने पर लगभग दस प्रतिशत अंतर नजर आने लगता है। अंतिम प्रकार के एक्ने के ठीक हो जाने के बाद चेहरे पर गड्ढेनुमा दाग पड़ जाते है, जिन्हें हटाने के लिए लेजर थेरेपी का प्रयोग किया जाता है।

जब बालों में रूसी हो जाए

चेहरे के सौंदर्य में बालों का महत्वपूर्ण स्थान है लेकिन महिलाएं उस समय चिंतित हो उठती हैं जब उनके बालों में रूसी हो जाती है. रूसी सिर की मृत त्वचा का ही एक रूप होता है जो खुश्की के कारण बालों में जम कर सिर खुजलाने तथा सिर की त्वचा को जख्मी बनाने का काम करता है. बालों को स्वस्थ, निरोग तथा सुरक्षित रखने के लिए निम्न उपायों को करिए:-

* बालों की नियमित धुलाई के लिए आंवला तथा शिकाकाई पाऊडर बना कर रख लीजिए. सिर धोने से एक घंटा पहले गर्म पानी में इस मिश्रण का घोल बना लें और उससे सिर धोएं. इससे बाल चिकने तथा स्वच्छ होते हैं.
* सिर धोने के कुछ देर बाद बालों में कुछ देर तक ब्रश करके रूसी से छुटकारा पा सकते हैं. शैम्पू करने के बाद गीले बालों में सिरके वाले पानी को डालिए और उंगली के पोरों से धीरे-धीरे मलिए. फिर शुद्ध पानी से धो डालिए. रूसी गायब हो जाएगी.
* बथुए को पानी में उबाल कर उसके पानी से सिर धोकर रूसी को भगाइए.
* एक कटोरी बेसन लेकर उसमें दो चम्मच दही डालकर थोड़े पानी के साथ घोल तैयार कर लें. इस घोल से सिर धोइए. नियमित प्रयोग से रूसी गायब होती है.
* बालों को गर्म पानी से कभी मत धोइए. इससे उनकी जड़ें कमजोर होती हैं. गीले बालों में कंघी करने से बाल कमजोर होकर टूटते हैं. बाल धोते समय पानी में एक नींबू का रस निचोड़ दीजिए. इससे सिर का मैल दूर होकर बालों की चमक को बनाए रखता है.

रंगों में फैशन

आपके साथ भी ऐसा कभी हुआ होगा कि किसी ने दूर से ही देखकर आपके परिधान की रंग की तारीफ कर दी हो। वे रंग ही हैं, जिन पर सबसे पहले लोगों की नज़र पड़ती है और जिसका असर लोगों पर लम्बे समय तक बना रहता है।

कौन-सा रंग कब पहना जाना है, अवसर क्या है, जहां जा रहे हैं, वहां का वातावरण कैसा होगा, अगर पार्टी है तो किस समय है आदि बातों का भी रंगों के चयन पर असर पड़ता है। दिन-रात और शाम का ध्यान भी रखना ज़रूरी है।

ज़रा अपने वॉर्डरोब पर एक नज़र डालिए। किस तरह के रंगों की प्रधानता दिखाई देती है? क्या आपकी अल्मारी तरह-तरह के रंगीन कपड़ों से भरी है? या सिर्फ एक-दो रंग, जिन्हें आप अक्सर पहनती हैं? ध्यान से देखें तो आप पाएंगी कि गिने-चुने रंग ऐसे हैं जिन्हें बाज़ार से आप अक्सर ले आती हैं। इसके पीछे आपकी मानसिक भावनाएं काम करती हैं। हम महसूस करें न करें लेकिन प्रतिदिन रंगों का असर हम पर होता है। नाखुश होने पर हम चुनाव करते हैं ग्रे, भूरे या फिर काले जैसे रंगों का। जानते हैं क्यों? क्योंकि उस समय यह रंग हमारी भावनाओं से मेल खाते हैं। ठीक इनके विपरीत रंगों यानी खुशरंगों का चुनाव हम हल्के मूड के दौरान करते हैं।

वैज्ञानिक रूप से यह भी पता चलता है कि आपके कपड़ों के हर रंग का एक कलर मैसेज होता है यानी एक संदेश जो सिर्फ रंग व्यक्त करते हैं और देखने वाला ग्रहण करता है। जैसे ही आप किसी समारोह या सामाजिक स्थल पर पहुंचते हैं, रंग अपना मैसेज लोगों तक पहुंचा देते हैं।

शोध ने साबित किया है कि पहना हुआ रंग, व्यक्ति की भावनाओं पर तो असर करता ही है, देखने वाले के हार्मोंस, रक्तचाप और शरीर के तापमान पर भी असर डालता है। इसीलिए सलाह दी जाती है कि अवसर देखकर रंग चुनें। जैसे किसी बिज़नेस मीटिंग के लिए चुनी गई सफेद शर्ट के साथ लाल जैकेट आपमें आत्मविश्वास और ऊर्जा दर्शाती है। लेकिन बिजनेस मीटिंग के लिए लेस लगे कुर्ते या टॉप का चुनाव सही नहीं होगा। किसी जॉब इंटरव्यू पर जाने के लिए भी सही रंग का चुनाव करना बहुत ज़रूरी होता है। यहां चटख रंग वाले कपड़े जहां साक्षात्कार लेने वाले का ध्यान भटकाएंगे, वहीं आपके व्यक्तित्व के बारे में गलत संदेश भी दे सकते हैं।

आइए, समझते हैं रंगों में निहित मुखर संदेशों को

पीला रंग- यह रंग लोगों का ध्यान आकर्षित करता है और नई शुरूआत प्रारंभ करना दर्शाता है।

लाल-पीला रंग- यह रंग ऊर्जा देता है और संवाद जारी रखने की प्रेरणा देता है।

लाल- आत्मविश्वास दिखाता है, परंतु इसका इस्तेमाल संभाल कर करना चाहिए।

मैरून- शिष्टता दर्शाता है।

मध्यम नीला- यह रंग दूसरों को सहज बनाता है और संवाद की प्रक्रिया आराम से जारी रखने में मदद करता है।

आसमानी नीला- शांति और स्थिरता का रंग।

नेवी ब्लू- यह रंग इस बात का संदेश देता है कि लोग आपको गंभीरता से लें। यह श्रोताओं को सुनने और आप पर भरोसा करने की प्रेरणा देता है।

नीला-लाल- यह बुद्धिमत्ता और नारीत्व दर्शाता है।

लाल-नारंगी- यह शक्ति, सृजनात्मकता और ऊर्जा का रंग है।

सावधानियां- रंग के चुनाव के साथ इस बात का भी ध्यान रखें कि वह आपकी शारीरिक बनावट और त्वचा के रंग के अनुरूप हो।

कपड़े खरीदने जाते समय खुश मूड में जाएं। अगर मन उदास होगा, तो रंगों के चयन पर उसका असर पड़ेगा।

सौंदर्य समस्याएं- उपयोगी टिप्स

सलोनी रंगत के लिए

आपकी त्वचा की रंगत यदि सलोनी है तो रात को सोने से पूर्व जैतून के तेल में जाफरान और थोड़ा-सा नींबू का रस मिलाकर चेहरे की त्वचा के साथ गर्दन व हाथ-पैरों पर भी लगाएं, इसके प्रयोग से त्वचा की रंगत में आश्चर्यजनक निखार आता है।

आंखों के काले घेरों के लिए

आंखों के काले घेरे अच्छे-भले सौंदर्य को नष्ट कर देते हैं। इस समस्या के समाधान के लिए आप पुदीने के रस में खीरे को पीस कर भली-भांति पेस्ट बना लें और आंखों के काले घेरों पर 10 मिनट तक लगा रहने दें। इसके प्रयोग से आंखों के काले घेरों की समस्या का समाधान शीघ्र हो जाएगा।

बालों की रूसी के लिए

बालों में यदि रूसी की समस्या उत्पन्न हो गई हो तो बालों को धोने से पूर्व अंडे की जर्दी बालों की जड़ों में भली-भांति लगाएं या फिर थोड़े गुनगुने पानी में सुहागा मिला लें और शैंपू करने के उपरांत इस पानी से बालों को अच्छी तरह से धो लें। इसके प्रयोग से बालों में रूसी की समस्या का समाधान होता है।

शुष्क त्वचा के लिए

यदि चेहरे की त्वचा शुष्क और खुरदरी है तो आप चेहरे पर दही का प्रयोग करें। वहीं त्वचा की मसाज के लिए जैतून या फिर बादाम के तेल का प्रयोग करें। इसके प्रयोग से त्वचा का खुरदरापन दूर ही नहीं होगा। बल्कि त्वचा की रंगत में भी निखार आ जाएगा।

बालों को कंडीशन करने के लिए

बालों को कंडीशन करने के लिए वैसे तो बाजार में असंख्य कंडीशनर मिल जाते हैं लेकिन घरेलू कंडीशनर के रूप में दही का प्रयोग अत्यधिक लाभदायक सिद्ध होता है।

चेहरे की झुर्रियों के लिए

चेहरे की त्वचा पर यदि झुर्रियां पड़ गईं हों तो शहद को मास्क की भांति चेहरे पर सूखने तक लगाएं।